मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

01 सितम्बर, 2018

मुविवि में अंतर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम ''स्टेटिसटिकल टेक्निक्स, बिग डाटा एनालिसिसि एण्ड रिसर्च'' का आयोजन

दिनांक 01 सितम्बर, 2018 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की विज्ञान विद्याशाखा द्वारा एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम ''स्टेटिसटिकल टेक्निक्स, बिग डाटा एनालिसिसि एण्ड रिसर्च'' विषय पर आयोजित की गयी। एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम के मुख्य वक्ता बॉड बिजनेस स्कूल, बॉड युनिवर्सिटी, आस्ट्रेलिया के प्रो0 कुलदीप कुमार जी एवं मुख्य अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो0 अनूप चतुर्वेदी जी रहे तथा अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

अंतर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम का संचालन आयोजन सचिव डॉ0 श्रुति ने किया। संयोजक डॉ0 आशुतोष गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत किया तथा सम्पोयिम के बारे में जानकारी दी। वन्देमातरम की प्रस्तुति बेबी आस्थाश्री तथा रूचि बाजपेयी ने की। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता ने किया। अन्य तकनीकी सत्रों में प्रो0 कुलदीप कुमार, प्रो0 अनूप चतुर्वेदी, प्रो0 आशुतोष गुप्त, डॉ0 संजीव कुमार तोमर, डॉ0 निरपेक्ष कुमार, डॉ0 श्रुति एवं डॉ0 दिनेश कुमार गुप्त आदि ने विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया। सिम्पोजियम में 150 से अधिक प्रतिभागियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किये।

कार्यक्रम का संचालन करती हुई आयोजन सचिव डॉ0 श्रुति

माननीय अतिथियों को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए विज्ञान विद्याशाखा के शिक्षकगण।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्‌घाटन करते हुए माननीय अतिथि।

माननीय अतिथियों का स्वागत करते एवं सिम्पोजियम के बारे में जानकारी देते हुए संयोजक प्रो0 आशुतोष गुप्ता

सरस्वती वन्दना प्रस्तुत करती हुई डॉ0 श्रुति, डॉ0 रुचि बाजपेयी एवं आस्थाश्री
तथा सभागार में उपस्थित विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षकगण एवं प्रतिभागी।

मुख्य वक्ता प्रो0 कुलदीप कुमार जी
एवं
मुख्य अतिथि प्रो0 अनूप चतुर्वेदी जी
को
अंगवस्त्र
एवं
स्मृति चिन्ह
प्रदान कर उनका
स्वागत करते हुए
माननीय कुलपति
प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी

माननीय कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए
प्रो0 कुलदीप कुमार जी एवं प्रो0 अनूप चतुर्वेदी जी ।

प्रो0 कुलदीप कुमार

चैटिंग करते समय आंकड़ों का प्रयोग सावधानी से करें– प्रो0 कुलदीप कुमार

सिम्पोजिय में अपने विचार व्यक्त करते हुए मुख्य वक्ता बॉड बिजनेस स्कूल, बॉड युनिवर्सिटी, आस्ट्रेलिया के प्रो0 कुलदीप कुमार ने कहा कि सांख्यिकी के शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को इंटरनेट पर चैटिंग करते समय आंकड़ों का प्रयोग अत्यन्त सावधानी से करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दैनन्दिन जीवन के विविध आर्थिक, व्यापारिक, सामाजिक जनांकिवी आदि अनेक क्षेत्रों में व्यापक डाटा का इस्तेमाल करते हुए उपयोगी निष्कर्ष निकाले जा सकते हैं और तदनुसार नीतियों का निर्धारण किया जा सकता है।

प्रो0 अनूप चतुर्वेदी

सांख्यिकीय क्षेत्र में कई चुनौतियां विद्यमान– प्रो0 अनूप चतुर्वेदी

मुख्य अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो0 अनूप चतुर्वेदी ने कहा कि आज डाटा टेक्निक्स के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हो गयी है। पहले जिन क्षेत्रों में सांख्यिकी का प्रवेश नहीं था, आज उनमें बिग डाटा एनालिसिस का प्रयोग जनहित में अनेक चिकित्सकीय और स्वास्थ्य संबंधी शोधों में बहुत अधिक बडे फलक पर किया जा रहा है। प्रो0 चतुर्वेदी ने कहा कि इस सांख्यिकीय क्षेत्र में कई चुनौतियां भी विद्यमान है। शोध कार्य की सफलता के लिए एक मजबूत पृष्ठभूमि के साथ ही सैद्धान्तिक आधार एवं तैयारी बहुत जरूरी है।

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

सामान्य अध्ययन से बढकर है शोध कार्य– प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

अध्यक्षीय उदबोधन व्यक्त करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने कहा कि भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का सर्वाधिक जोर इस समय उच्च शिक्षा के संवर्धन एवं शोध में गुणवत्ता लाने के संदर्भ में है। शोध कार्यों से उन्हीं को जुड़ना चाहिये जिनमें इस हेतु अभिवृत्ति हो। यह अध्ययन सामान्य अध्ययन से बहुत आगे बढकर है। उन्होंने कहा कि जिनमें कुछ नया खोजने और कुछ नया योगदान करने की तीव्र इच्छा हो और वैसी ही ज्ञान प्राप्त करने की ललक हो और उस ज्ञान का समाजहित में प्रयोग का वैसा ही संकल्प हो, ऐसे लोगो को ही शोध के क्षेत्र में कदम रखना चाहिए।

प्रख्यात भूगोलवेत्ता प्रो0 सिंह ने कहा कि सांख्यिकी पूर्ण सत्य नहीं, वरन् अर्ध सत्य हैं। हम इसके अंतर्गत गरीबी और उत्पादकला में संबंध निकाल सकते हैं, लेकिन गरीबी को जानने के लिए केवल डाटा ही पर्याप्त नहीं है। इस क्षेत्र में फील्ड वर्क का कोई विकल्प आज भी नहीं है। उन्होंने कहा कि सामाजिक विज्ञानों के विभिन्न शोधों में केवल डाटा आधारित अध्ययन के आधार पर हमारा शोधकार्य अधूरा रह जायेगा। इसमें सामाजिक अंतःक्रिया का महत्व अपरिहार्य है। कुलपति प्रो0 सिंह ने कहा कि इस अंतर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम के निष्कर्ष एवं संस्तुतियां सांख्यिकी क्षेत्र एवं विभिन्न अन्य विज्ञानों के क्षेत्र में शोधार्थियों और विद्वानों के लिए उपयोगी होने के साथ–साथ सरकार के नीति–निर्माण में भी उपयोगी होगी।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव डॉ0 अरुण कुमार गुप्त

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं

जनसंदेश टाइम्स

परख सच की

www.jansandeshtimes.net

इलाहाबाद

सांख्यिकीय क्षेत्र में कई चुनौतियां विद्यमान : प्रो.चतुर्वेदी

सामान्य अध्ययन से बढ़कर है शोध कार्य: कुलपति

चैटिंग करते समय आंकड़ों का प्रयोग सावधानी से करें: प्रो.कुलदीप

जनसंदेश न्यूज

संबोधित करते कुलपति

इलाहाबाद। आज डाटा टेक्निक्स के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हो गयी है। पहले जिन क्षेत्रों में सांख्यिकी का प्रवेश नहीं था, आज उनमें बिग डाटा एनालिसिस का प्रयोग जनहित में अनेक चिकित्सकीय और स्वास्थ्य संबंधी शोधों में बहुत अधिक बडे फलक पर किया जा रहा है। सांख्यिकीय क्षेत्र में कई चुनौतियां भी विद्यमान है।

उक्त विचार मुख्य अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो.अनूप चतुर्वेदी ने उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की विज्ञान विद्याशाखा द्वारा आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम ह्यस्टेटिसटिकल टेक्निक्स, बिग डाटा एनालिसिसि एण्ड रिसर्चह्न में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शोध कार्य की सफलता हेतु एक मजबूत पृष्ठभूमि के साथ ही सैद्धान्तिक आधार एवं तैयारी बहुत जरूरी है। बीज वक्ता बॉड बिजनेस स्कूल, बॉड यूनिवर्सिटी, आस्टेªलिया के प्रो.कुलदीप कुमार ने कहा कि सांख्यिकी के शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को इंटरनेट पर चैटिंग करते समय आंकड़ों का प्रयोग अत्यन्त सावधानी से करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दैनिक जीवन के विविध आर्थिक, व्यापारिक, सामाजिक आदि अनेक क्षेत्रों में व्यापक डाटा का इस्तेमाल करते हुए उपयोगी निष्कर्ष निकाले जा सकते हैं और तद्नुसार नीतियों का निर्धारण किया जा सकता है।

मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का सर्वाधिक जोर इस समय उच्च शिक्षा के संवर्धन एवं शोध में गुणवत्ता लाने के संदर्भ में है। शोध कार्यों से उन्हीं को जुड़ना चाहिये जिनमें इस हेतु अभिवृत्ति हो। यह अध्ययन सामान्य अध्ययन से बहुत आगे बढ़कर है। उन्होंने कहा कि जिनमें कुछ नया खोजने और कुछ नया योगदान करने की तीव्र इच्छा हो और वैसी ही ज्ञान प्राप्त करने की ललक हो और उस ज्ञान का समाजहित में प्रयोग का वैसा ही संकल्प हो, ऐसे लोगो को ही शोध के क्षेत्र में कदम रखना चाहिए। प्रो. सिंह ने कहा कि सांख्यिकी पूर्ण सत्य नहीं, वरन् अर्धसत्य हैं। हम इसके अंतर्गत गरीबी और उत्पाद कला में संबंध निकाल सकते हैं, लेकिन गरीबी को जानने के लिए केवल डाटा ही पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि सामाजिक विज्ञानों के विभिन्न शोधों में केवल डाटा आधारित अध्ययन के आधार पर हमारा शोधकार्य अधूरा रह जायेगा। इसमें सामाजिक अंतःक्रिया का महत्व अपरिहार्य है। उन्होंने अंत में कहा कि इस अंतर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम के निष्कर्ष एवं संस्तुतियां सांख्यिकी क्षेत्र एवं विभिन्न अन्य विज्ञानों के क्षेत्र में शोधार्थियों और विद्वानों के लिए उपयोगी होने के साथ-साथ सरकार के नीति-निर्माण में भी उपयोगी होगी। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डा.श्रुति ने एवं संयोजक डा.आशुतोष गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डा.अरूण कुमार गुप्ता ने किया। अन्य तकनीकी सत्रों में प्रो.कुलदीप कुमार, प्रो.अनूप चतुर्वेदी, प्रो. आशुतोष गुप्त, डा.संजीव कुमार तोमर, डा. निरपेक्ष कुमार, डा.श्रुति एवं डा.दिनेश कुमार गुप्त आदि ने विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया।

SUNDAY | 02.09.2018

उत्तर प्रदेश

अमर उजाला

अमर उजाला इलाहाबाद युवा Youth

चैटिंग के वक्त आंकड़ों के प्रयोग में बरतें सावधानी

मुक्त विवि के सिम्पोजियम में बोले प्रो. कुलदीप

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शनिवार को 'स्टेटिस्टिकल टेक्निक्स, बिग डाटा एनालिसिसि एंड रिसर्च' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सिंपोजियम का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता बांड बिजनेस स्कूल, बांड युनिवर्सिटी ऑस्ट्रेलिया के प्रो. कुलदीप कुमार ने कहा कि सांख्यिकी के शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को इंटरनेट पर चैटिंग करते समय आंकड़ों का प्रयोग अत्यंत सावधानी से करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि दैनिक जीवन के विविध आर्थिक, व्यापारिक, सामाजिक आदि क्षेत्रों में व्यापक डाटा का इस्तेमाल करते हुए उपयोगी निष्कर्ष निकाले जा सकते हैं और उनके अनुसार नीतियों का निर्धारण किया जा सकता है। मुक्त विवि के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कहा कि केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान

कुलपति प्रो. केएन सिंह ने शोध कार्यों की गुणवत्ता पर दिया जोर

आयोग का सर्वाधिक जोर उच्च शिक्षा के संवर्धन एवं शोध में गुणवत्ता लाने पर है। शोध कार्यों से उन्हीं को जुड़ना चाहिए, जिनमें इसके लिए अभिवृत्ति हो। यह सामान्य अध्ययन से बहुत आगे बढ़कर है। उन्होंने कहा कि सांख्यिकी पूर्ण सत्य नहीं, बल्कि अर्ध सत्य है। इस क्षेत्र में फील्ड वर्क का आज भी कोई विकल्प नहीं है। मुख्य अतिथि इविवि के सांख्यिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनूप चतुर्वेदी ने कहा कि आज डाटा टेक्निक्स के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हो गई है। संचालन डॉ. श्रुति, धन्यवाद ज्ञापन रजिस्ट्रार डॉ. अरुण कुमार गुप्ता एवं आगंतुकों को स्वागत डॉ. आशुतोष गुप्ता ने किया। ब्यूरो

रविवार,02 सितंबर, 2018

पिछले अंक

रविवासरीय

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

जन्माष्टमी की शुभकामनाएं

स्टेटिस्टकल टेक्निक्स, बिग डाटा एनालिसिस एंड रिसर्च पर सेमिनार

शोध वही करें जिनमें कुछ नया करने की ललक हो

मुक्त विवि

इलाहाबाद | प्रमुख संवाददाता

मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का सर्वाधिक जोर इस समय उच्च शिक्षा के संवर्धन एवं शोध में गुणवत्ता लाने पर है। शोध कार्यों से उन्हीं को जुड़ना चाहिए, जिनमें कुछ नया करने की ललक हो। यह उद्गार राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने व्यक्त किए।

वह शनिवार को मुक्त विवि में विज्ञान विद्याशाखा की ओर से स्टेटिसटिकल टेक्निक्स, बिग डाटा एनालिसिसि एण्ड रिसर्च विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिनमें कुछ नया खोजने और कुछ नया योगदान करने की तीव्र इच्छा, ज्ञान प्राप्त करने की ललक और ज्ञान का समाजहित में प्रयोग करने का संकल्प हो, उन्हें ही शोध क्षेत्र में कदम रखना चाहिए। बतौर मुख्य अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय सांख्यिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनूप चतुर्वेदी ने कहा कि आज डाटा टेक्निक्स के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हो गयी है। पहले जिन क्षेत्रों में सांख्यिकी का प्रवेश नहीं था, आज उनमें बिग डाटा एनालिसिस का प्रयोग जनहित में अनेक चिकित्सकीय और स्वास्थ्य संबंधी शोधों में बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। बॉड बिजनेस स्कूल आस्ट्रेलिया के प्रो. कुलदीप कुमार ने कहा कि सांख्यिकी के शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को इंटरनेट पर चैटिंग करते समय आंकड़ों का प्रयोग अत्यन्त सावधानी से करना चाहिए। संचालन आयोजन सचिव डॉ. श्रुति ने किया।

राजर्षि टंडन मुक्त विवि में सेमिनार को सम्बोधित करते वीसी प्रो. केएन सिंह।

संयोजक डॉ. आशुतोष गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. अरूण कुमार गुप्ता ने किया। अन्य तकनीकी सत्रों में प्रो. आशतोष गुप्ता, डॉ. संजीव कुमार तोमर, डॉ. निरपेक्ष कुमार, डॉ. श्रुति एवं डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता ने विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया।

hindustantimes HINDUSTAN TIMES, LUCKNOW
SUNDAY, SEPTEMBER 02, 2018

UGC's focus on excellence in research: UPRTOU VC

HT Correspondent
letters@htlive.com

ALLAHABAD: The focus of the union ministry of human resource development as well as the university grants commission (UGC) is on excellence and rejuvenation of higher education and research in the country, said Prof Kameshwar Nath Singh, vice chancellor, Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU).

He said only people with an aptitude and interest in the field should take up a career in higher education and research as these require commitment and dedication far beyond general studies.

Prof Singh was speaking at the inaugural function of a one-day international symposium on 'Statistical Techniques, Big Data analysis and Research' organised by UPRTOU's School of Sciences at the varsity's Phaphamau campus.

Prof Singh said that only people having a desire to invent and search for something new and wanting to use knowledge for the benefit of the society and the people should take up research.

Noted expert from Bond Business School, Bond University of Australia Prof Kuldeep Kumar said that students and researchers of statistics needed to be careful while dealing on statistics during a chat on the Internet as each and every data gets recorded every second and therefore no longer remained fully confidential. He said that Big Data can be used for drawing conclusions and making policies in various field like economics, social sciences, business and population studies.

Chief guest Prof Anoop Chaturvedi of Allahabad University's statistics department said that there was tremendous progress of big data techniques in today's scenario.

Now-a-days statistics was being applied in each and every field of public interest including medical and policy making.

Convener of the meet Ashutosh Gupta welcomed the guests and gave a brief introduction of the symposium and its aim while vote of thanks was delivered by Arun Kumar Gupta, UPRTOU registrar. During the technical sessions held during the day, a number of expert talks were delivered by participants on statistical tools and techniques.

पायनियर
रविवार, 2 सितंबर, 2018

सांख्यिकीय में कई हैं चुनौतियां: प्रो. अनूप चतुर्वेदी

- सामान्य अध्ययन से बढ़कर है शोधः प्रो. केएन सिंह
- मुविवि में अन्तर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम का हुआ आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। इलाहाबाद

सिम्पोजियम में बोलते कुलपति प्रो. के एन सिंह।

शोध कार्यों से उन्हीं को जुड़ना चाहिए, जिनमें इस हेतु अभिवृत्ति हो। यह अध्ययन सामान्य अध्ययन से बहुत ही आगे बढ़कर है। यह बातें राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने अध्यक्षता करते हुए कहीं। प्रो. सिंह शनिवार को विज्ञान विद्याशाखा द्वारा आयोजित एक दिनी अन्तर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम 'स्टेटिसटिकल टेक्निक्स, बिग डाटा एनालिसिसि एण्ड रिसर्च' के उद्घाटन में बोल रहे थे। कहा कि सामाजिक विज्ञानों के विभिन्न शोधों में केवल डाटा आधारित अध्ययन के आधार पर शोध कार्य अधूरा रह जायेगा। इसमें सामाजिक अंत:क्रिया का महत्व अपरिहार्य है। मुख्य अतिथि इविवि के सांख्यिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनूप चतुर्वेदी ने कहा कि आज डाटा टेक्निक्स के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हो गयी है। पहले जिन क्षेत्रों में सांख्यिकी का प्रवेश नहीं था, आज उनमें बिग डाटा एनालिसिस का प्रयोग जनहित में अनेक चिकित्सकीय और स्वास्थ्य संबंधी शोधों में बहुत अधिक बड़े फलक पर किया जा रहा है। प्रो. चतुर्वेदी ने कहा कि सांख्यिकीय क्षेत्र में कई चुनौतियां भी विद्यमान हैं। शोध बीज वक्ता बॉड बिजनेस स्कूल, बॉड विश्वविद्यालय आस्ट्रेलिया के प्रो. कुलदीप कुमार ने कहा कि सांख्यिकीय के शोधार्थियों को इंटरनेट पर चैटिंग करते समय आंकड़ों का प्रयोग सावधानी से करना चाहिए। डा. संजीव कुमार तोमर, डा. निरपेक्ष कुमार, डा. श्रुति, डा. दिनेश कुमार गुप्ता ने भी व्याख्यान दिए। संचालन आयोजन सचिव डा. श्रुति ने किया। अतिथियों का स्वागत संयोजक डा. आशुतोष गुप्ता ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डा. अरूण कुमार गुप्ता ने किया। जनसंपर्क अधिकारी डा. प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि सिम्पोजियम में डेढ़ सौ से अधिक प्रतिभागियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किये।

आज
रविवार, 2 सितम्बर, 2018

सांख्यिकीय क्षेत्र में कई चुनौतियां: प्रो.चतुर्वेदी

चैटिंग करते समय आंकड़ों का प्रयोग सावधानी से करें-प्रो.कुलदीप

आज डाटा टेक्निक्स के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हो गयी है। पहले जिन क्षेत्रों में सांख्यिकी का प्रवेश नहीं था, आज उनमें बिग डाटा एनालिसिस का प्रयोग जनहित में अनेक चिकित्सकीय और स्वास्थ्य संबंधी शोधों में बहुत अधिक बडे फलक पर किया जा रहा है। सांख्यिकीय क्षेत्र में कई चुनौतियां भी विद्यमान है।

उक्त विचार मुख्य अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो.अनूप चतुर्वेदी ने उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की विज्ञान विद्याशाखा द्वारा आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम 'स्टेटिसटिकल टेक्निक्स, बिग डाटा एनालिसिसि एण्ड रिसर्च' में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शोध कार्य की सफलता हेतु एक मजबूत पृष्ठभूमि के साथ ही सैद्धान्तिक आधार एवं तैयारी बहुत जरूरी है। बीज वक्ता बॉड बिजनेस स्कूल, बॉड यूनिवर्सिटी, आस्ट्रेलिया के प्रो.कुलदीप कुमार ने कहा कि सांख्यिकी के शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को इंटरनेट पर चैटिंग करते समय आंकड़ों का प्रयोग अत्यन्त सावधानी से करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दैनिक जीवन के विविध आर्थिक, व्यापारिक, सामाजिक आदि अनेक क्षेत्रों में व्यापक डाटा का इस्तेमाल करते हुए उपयोगी निष्कर्ष निकाले जा सकते है और तदनुसार नीतियों का निर्धारण किया जा सकता है। मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का सर्वाधिक जोर इस समय उच्च शिक्षा के संवर्धन एवं शोध में गुणवत्ता लाने के संदर्भ में है। शोध कार्यों से उन्हीं को जुड़ना चाहिये जिनमें इस हेतु अभिवृत्ति हो। यह अध्ययन सामान्य अध्ययन से बहुत आगे बढ़कर है। उन्होंने कहा कि जिनमें कुछ नया खोजने और कुछ नया योगदान करने की तीव्र इच्छा हो और वैसी ही ज्ञान प्राप्त करने की ललक हो और उस ज्ञान का समाजहित में प्रयोग का वैसा ही संकल्प हो, ऐसे लोगो को ही शोध के क्षेत्र में कदम रखना चाहिए। प्रो. सिंह ने कहा कि सांख्यिकी पूर्ण सत्य नहीं, वरन् अर्धसत्य है। हम इसके अंतर्गत गरीबी और उत्पाद कला में संबंध निकाल सकते है, लेकिन गरीबी को जानने के लिए केवल डाटा ही पर्याप्त नही है। उन्होंने कहा कि सामाजिक विज्ञानों के विभिन्न शोधों में केवल डाटा आधारित अध्ययन के आधार पर हमारा शोधकार्य अधूरा रह जायेगा। इसमें सामाजिक अंत:क्रिया का महत्व अपरिहार्य है। उन्होंने अंत में कहा कि इस अंतर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम के निष्कर्ष एवं संस्तुतियां सांख्यिकी क्षेत्र एवं विभिन्न अन्य विज्ञानों के क्षेत्र में शोधार्थियों और विद्वानों के लिए उपयोगी होने के साथ-साथ सरकार के नीति-निर्माण में भी उपयोगी होगी। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डा.श्रुति ने एवं संयोजक डा.आशुतोष गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डा.अरुण कुमार गुप्ता ने किया। अन्य तकनीकी सत्रों में प्रो.कुलदीप कुमार, प्रो.अनूप चतुर्वेदी, प्रो.आशुतोष गुप्ता, डा.संजीव कुमार तोमर, डा. निरपेक्ष कुमार, डा.श्रुति एवं डा.दिनेश कुमार गुप्ता आदि ने विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया।

संडे
लखनऊ
2 सितम्बर • 2018
राष्ट्रीय
सहारा
पृष्ठ 18+4 (संडे उमंग), मूल्य ₹ 3.50
राष्ट्रीयता ■ कर्तव्य ■ समर्पण
इलाहाबाद संस्करण

सामान्य अध्ययन से बढ़कर है शोध कार्य

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

इलाहाबाद।

मुविवि में सिम्पोजियम

- सांख्यिकीय क्षेत्र में कई चुनौतियां विद्यमान : प्रो. चतुर्वेदी
- चैटिंग करते समय आंकड़ों का इस्तेमाल में सावधानी जरूरी : प्रो. कुलदीप कुमार

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का सर्वाधिक जोर इस समय उच्च शिक्षा के संवर्धन एवं शोध में गुणवत्ता लाने के संदर्भ में है। शोध कार्यों से उन्हीं को जुड़ना चाहिये जिनमें इस हेतु अभिवृत्ति हो। यह अध्ययन सामान्य अध्ययन से बहुत आगे बढ़कर है। यह उद्गार उप्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने व्यक्त किये।

प्रो. सिंह शनिवार को उप्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की विज्ञान विद्याशाखा द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम 'स्टेटिस्टिकल टेक्निक्स, बिग डाटा एनालिसिसि एण्ड रिसर्च' के उद्घाटन सत्र में अध्यक्षीय उद्बोधन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिनमें कुछ नया खोजने और कुछ नया योगदान करने की तीव्र इच्छा हो और वैसी ही ज्ञान प्राप्त करने की ललक हो और उस ज्ञान का समाजहित में प्रयोग का वैसा ही संकल्प हो, ऐसे लोगों को ही शोध के क्षेत्र में कदम रखना चाहिए। प्रख्यात भूगोलवेत्ता प्रो. सिंह ने कहा कि सांख्यिकी पूर्ण सत्य नहीं, वरन अर्धसत्य है। हम इसके तहत गरीबी और उत्पादकता में संबंध निकाल सकते हैं, लेकिन गरीबी को जानने के लिए केवल डाटा ही पर्याप्त नहीं है। इस क्षेत्र में फील्ड वर्क का कोई विकल्प आज भी नहीं है।

मुख्य अतिथि के रूप में इविवि के सांख्यिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनूप चतुर्वेदी ने कहा कि आज डाटा टेक्निक्स के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हो गयी है। पहले जिन क्षेत्रों में सांख्यिकी का प्रवेश नहीं था, आज उनमें बिग डाटा एनालिसिस का प्रयोग जनहित में अनेक चिकित्सकीय और स्वास्थ्य संबंधी शोधों में बहुत अधिक बड़े फलक पर किया जा रहा है।

इसके पूर्व बीज वक्ता बॉंड बिजनेस स्कूल, बॉंड युनिवर्सिटी, आस्ट्रेलिया के प्रो. कुलदीप कुमार ने कहा कि सांख्यिकी के शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को इंटरनेट पर चैटिंग करते समय आंकड़ों का प्रयोग अत्यन्त सावधानी से करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दैनन्दिन जीवन के विविध आर्थिक, व्यापारिक, सामाजिक जानकिरी आदि अनेक क्षेत्रों में व्यापक डाटा का इस्तेमाल करते हुए उपयोगी निष्कर्ष निकाले जा सकते हैं और तदनुसार नीतियों का निर्धारण किया जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ.श्रुति ने किया। संयोजक डॉ. आशुतोष गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत किया तथा सम्पोजियम के बारे में जानकारी दी। सिम्पोजियम में 150 से अधिक प्रतिभागियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किये।

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
यूनाइटेड भारत
इलाहाबाद, रविवार 02 सितम्बर 2018- मूल्य 1.50 रुपया, पृष्ठ 8

सांख्यिकीय क्षेत्र में कई चुनौतियां विद्यमान : प्रो.चतुर्वेदी

सामान्य अध्ययन से बढ़कर है शोध कार्य : कुलपति

इलाहाबाद, ०१ सितम्बर । आज डाटा टेक्निक्स के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हो गयी है। पहले जिन क्षेत्रों में सांख्यिकी का प्रवेश नहीं था, आज उनमें बिग डाटा एनालिसिस का प्रयोग जनहित में अनेक चिकित्सकीय और स्वास्थ्य संबंधी शोधों में बहुत अधिक बडे फलक पर किया जा रहा है। सांख्यिकीय क्षेत्र में कई चुनौतियां भी विद्यमान है।उक्त विचार मुख्य अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो.अनूप चतुर्वेदी ने उ.प्र राजर्शि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की विज्ञान विद्याशाखा द्वारा आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम स्टैटिसटिकल टेक्निक्स, बिग डाटा एनालिसिसि एण्ड रिसर्च' में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शोधकार्य की सफलता हेतु एक मजबूत पृश्ठभूमि के साथ ही सैद्धान्तिक आधार एवं तैयारी बहुत जरूरी है। मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का सर्वाधिक जोर इस समय उच्च शिक्षा के संवर्धन एवं शोध में गुणवत्ता लाने के संदर्भ में है। शोध कार्यों से उन्हीं को जुड़ना चाहिये जिनमें इस हेतु अभिवृत्ति हो। यह अध्ययन सामान्य अध्ययन से बहुत आगे बढ़कर है। उन्होंने कहा कि जिनमें कुछ नया खोजने और कुछ नया योगदान करने की तीव्र इच्छा हो और वैसी ही ज्ञान प्राप्त करने की ललक हो और उस ज्ञान का समाजहित में प्रयोग का वैसा ही संकल्प हो, ऐसे लोगो को ही शोध के क्षेत्र में कदम रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि सामाजिक विज्ञानों के विभिन्न भोधों में केवल डाटा आधारित अध्ययन के आधार पर हमारा शोधकार्य अधूरा रह जायेगा। इसमें सामाजिक अंत:क्रिया का महत्व अपरिहार्य है। उन्होंने अंत में कहा कि इस अंतर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम के निष्कर्ष एवं संस्तुतियां सांख्यिकी क्षेत्र एवं विभिन्न अन्य विज्ञानों के क्षेत्र में भोधार्थियों और विद्वानों के लिए उपयोगी होने के साथ-साथ सरकार के नीति-निर्माण में भी उपयोगी होगी। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डा.श्रुति ने एवं संयोजक डा.आशुतोष गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डा.अरूण कुमार गुप्ता ने किया। अन्य तकनीकी सत्रों में प्रो.कुलदीप कुमार, प्रो.अनूप चतुर्वेदी, प्रो.आशुतोष गुप्त, डा.संजीव कुमार तोमर, डा. निरपेक्ष कुमार, डा.श्रुति एवं डा.दिनेश कुमार गुप्त आदि ने विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

05 सितम्बर, 2018

मुविवि में हुआ शिक्षकों का सम्मान

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में दिनांक 05 सितम्बर, 2018 को शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने की। माननीय कुलपति जी एवं सभी शिक्षकों ने श्री सर्वपल्ली राधाकृष्णनन जी के चित्र पर पुष्पार्पण किया।

शिक्षा विद्याशाखा के प्रभारी निदेशक प्रो0 प्रदीप कुमार पाण्डेय ने कहा कि श्री सर्वपल्ली राधाकृष्णनन की शिक्षा आध्यात्मिक मूल्यों की दीक्षा तथा नैतिक चरित्र विकसित करने वाली है।

प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 ओमजी गुप्त ने कहा कि श्री राधाकृष्णनन मानवतावाद के पोषक थे। मानव मात्र की भलाई के लिए वे हमेशा कार्य करते रहे।

संचालन एसोसिएट प्रोफेसर डॉ0 सन्तोषा कुमार तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्त ने किया। प्रो0 ओमजी गुप्त ने सस्वर वन्देमातरम गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो0 सिंह ने सभी शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शिक्षक दिवस की बधाई देते हुए उन्हें सम्मानित किया। कुलपति प्रो0 के0एन0 सिंह का सम्मान विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों के किया ।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्‌घाटन करते हुए

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

एवं

श्री सर्वपल्ली राधाकृष्णनन जी के चित्र पर पुष्पार्पण करते हुए

शिक्षकगण।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 सन्तोषा कुमार एवं वन्देमातरम् गीत प्रस्तुत करते हुए निदेशक प्रो0 ओमजी गुप्ता

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रो0 पी0के0 पाण्डेय एवं सभागार में उपस्थित विश्वविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी एवं शिक्षकगण।

विश्वविद्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं
शिक्षकों को सम्मानित करते हुए
माननीय कुलपति
प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति
प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी
एवं
कुलसचिव डॉ0 अरुण कुमार गुप्ता जी
को
सम्मानित करते हुए
निदेशक, कर्मचारी एवं शिक्षकगण।

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

रोल मॉडल के रूप में सामने आएं शिक्षक–कुलपति

कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि शिक्षकों को आज रोल मॉडल के रूप में सामने आना होगा क्योंकि शिक्षकों के ऊपर समाज को सचेत करने का उत्तरदायित्व है। प्रो0 सिंह ने कहा कि शिक्षक से समाज को बहुत बड़ी अपेक्षा होती है। शिक्षक की भूमिका स्वस्थ समाज के निर्माण की है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को आज यह संकल्प लेना चाहिए कि वे शिक्षा हित तथा राष्ट्रहित में कार्य करेंगे।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव डॉ0 अरुण कुमार गुप्ता

इलाहाबाद, गुरुवार, 6 सितम्बर, 2018
जनसंदेश टाइम्स
परख सच की
राहुल पर चढ़ा भक्ति का रंग -15
साउथम्पटन टेस्ट में ... नहीं थे अश्विन
जनसंदेश टाइम्स गुरुवार, 6 सितम्बर, 2018
इलाहाबाद

फीता काटकर उद्घाटन करते मुख्य चिकित्साधिकारी

मुक्त विवि में 'सर्वशिक्षा समावेशी शिक्षा' पर व्याख्यान आज

इलाहाबाद। उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में त्रयोदश दीक्षान्त समारोह से पूर्व आयोजित होने वाली दीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमाला की श्रृंखला के अन्तर्गत 06 सितम्बर को पूर्वान्ह 11 बजे मुख्य वक्ता प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल सदस्य सचिव भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली सर्वशिक्षा समावेशी शिक्षा विषय पर व्याख्यान देंगे। उक्त जानकारी मुक्त विवि के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी डा.प्रभात चन्द्र मिश्र ने देते हुए बताया है कि व्याख्यानमाला के संयोजक एवं मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो. आरपीएस यादव के अनुसार मुख्य अतिथि मंझनपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक लाल बहादुर होंगे तथा अध्यक्षता कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह करेंगे।

रोल मॉडल के रूप में सामने आएं शिक्षक : कुलपति

इलाहाबाद। शिक्षकों को आज रोल मॉडल के रूप में सामने आना होगा क्योंकि शिक्षकों के ऊपर समाज को सचेत करने का उत्तरदायित्व है। शिक्षक से समाज को बहुत बड़ी अपेक्षा होती है। शिक्षक की भूमिका स्वस्थ समाज के निर्माण की है।

उक्त बातें उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में बुधवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को आज यह संकल्प लेना चाहिए कि वे शिक्षा हित तथा राष्ट्रहित में कार्य करेंगे। शिक्षा विद्याशाखा के प्रभारी निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार पाण्डेय ने कहा कि सर्वपल्ली राधाकृष्णन की शिक्षा आध्यात्मिक मूल्यों की दीक्षा तथा नैतिक चरित्र विकसित करने वाली है। प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा के निदेशक प्रो. ओमजी गुप्त ने कहा कि राधाकृष्णन मानवतावाद के पोषक थे, मानव मात्र की भलाई के लिए वे हमेशा कार्य करते रहे। संचालन एसोसिएट प्रोफेसर डा.एस. कुमार तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डा.अरूण कुमार गुप्त ने किया। प्रो. ओमजी गुप्त ने वन्देमातरम गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो.सिंह ने सभी शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शिक्षक दिवस की बधाई देते हुए उन्हें सम्मानित किया। कुलपति प्रो.के.एन सिंह का सम्मान विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों के किया ।

कुलपति को सम्मानित करते शिक्षकगण

दैनिक जागरण
इलाहाबाद, गुरुवार 6 सितंबर 2018
www.jagran.com
महानता थोपने से होते राहुल, कर्म से मोदी 10 शास्त्री की वजह से द्रविड़ नहीं बन सके बल्लेबाजी सलाहकार 16

गुरुकुल जैसी शिक्षा व्यवस्था की जरूरत : शिव प्रकाश

जासं, इलाहाबाद : आज पुनः हमारे देश में गुरुकुल जैसी शिक्षा व्यवस्था की जरूरत है। हमें नई पीढ़ियों को नैतिक व संस्कारयुक्त शिक्षा देनी होगी। देश में शिक्षण संस्थानों की संख्या में वृद्धि हुई, संसाधन बढ़े हैं लेकिन हम अपने संस्कारों को भूलते जा रहे हैं। उक्त बातें भाजपा के राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री शिव प्रकाश ने बुधवार को इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन के हॉल में दिव्य प्रेम सेवा मिशन हरिद्वार की ओर से आयोजित संगोष्ठी में कही। संस्था के 21 वर्ष पूर्ण होने एवं शिक्षक दिवस पर 'प्राचीन एवं वर्तमान शिक्षा पद्धति' पर आयोजित संगोष्ठी में वक्ताओं ने प्रकाश डाला। शिव प्रकाश ने कहा कि जब हमारा देश आजाद हुआ तो उस समय देश में विश्वविद्यालय व शैक्षिक संस्थानों की संख्या महज 17 थी और आज यह संख्या 838 तक पहुंच चुकी है। इसके बाद भी यह संस्थान अपने कर्तव्यों पर खरे क्यों नहीं उतर रहा है।

विशिष्ट अतिथि वीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजाराम यादव ने कहा कि पहले शिक्षक शिष्य को डांट सकता था उसके हित के लिए उसे मार भी सकता था लेकिन आज ऐसा करने पर मुकदमें तक का प्रावधान कर दिया गया है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में शिक्षक और शिष्य का जो संबंध है वही गुरुकुल की परिभाषा है। राजर्षि टंडन मुक्त विवि के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कहा कि हमारे देश में किसी भी चीज की कमी नहीं है, बस इसका उपयोग सही दिशा में किए जाने की जरूरत है। राष्ट्रीय संयोजक संजय चतुर्वेदी ने कहा कि एक ज्योति जो प्रयाग की धरती से जली और हरिद्वार के चंडी में जाकर प्रज्जवलित हुई। वह एक मिशन बना जो आज कुष्ठरोगियों व उनके स्वस्थ बच्चों के लिए काम कर रही है। अपर महाधिवक्ता व मिशन के उपाध्यक्ष एमसी चतुर्वेदी ने कहा कि मिशन की ओर से 21वें वर्ष के उपलक्ष्य में 21 बड़े कार्यक्रम करने की योजना बनाई गई है। आज प्रयाग से इसकी शुरूआत की गई। संचालन कर रहे संयोजक आचार्य शान्तनु ने आभार जताया। न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव, महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी, सांसद श्यामाचरण गुप्त, पूर्व मंत्री नरेंद्र सिंह गौर, विधायक हर्षवर्धन, पाणिनी सिंह, सुबोध सिंह, अशोक सिंह, विजय शंकर मिश्र, वशिष्ठ दुबे, शशिशेखर, डॉ. प्रमोद शर्मा आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम में प्रदीप शाही, अखिलेश शर्मा, प्रमोद शर्मा, विनीत संकल्प, संजय सिंह, अजमत सिद्दीकी ने सहयोग किया।

दिव्य प्रेम सेवा मिशन की ओर से आयोजित संगोष्ठी में बोलते मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय सहसंगठन मंत्री शिवप्रकाश ।

इन शिक्षकों को किया गया सम्मानित

शिक्षक दिवस के मौके पर शिक्षकों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि शिव प्रकाश व अन्य अतिथियों ने प्रो. एनबी सिंह, दीपा जोशी, शिवशंकर सिंह, मानसिंह याद, देविका राय, अमरीश विहारी माथुर, सुरेंद्र नाथ मिश्र, डॉ. पीएस पुंडीर, श्याम नारायण संह, राधेश्याम तिवारी के अलावा डॉ. बीबी अग्रवाल, शिवनंदन गुप्त, नागेंद्र सिंह, डॉ. पीके सिन्हा, बीना सिंह, अजय शर्मा, कमलाकांत पांडेय को भी स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

अतिथियों को दिया गया गंगाजल : दिव्य प्रेम सेवा मिशन की ओर से मंचासीन सभी अतिथियों को गंगाजल भेंट किया गया। सभी को अंगवस्त्रम् व स्मृतिचिह्न देकर सम्मानित किया गया।

भारत संवाद
...क्रांतिबीज

मुक्त विश्व विद्यालय में हुआ शिक्षकों का सम्मान

इलाहाबाद(भारत संवाद) उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में बुधवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि शिक्षकों को रोल मॉडल के रूप में सामने आना होगा क्योंकि शिक्षकों के ऊपर समाज को सचेत करने का उत्तरदायित्व है। प्रो0 सिंह ने कहा कि शिक्षक से समाज को बहुत बड़ी अपेक्षा होती है। शिक्षक की भूमिका स्वस्थ समाज के निर्माण की है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को यह संकल्प लेना चाहिए कि वे शिक्षा हित तथा राष्ट्रहित में कार्य करेंगे। शिक्षा विद्याशाखा के प्रभारी निदेशक प्रो0 प्रदीप कुमार पाण्डेय ने कहा कि सर्वपल्ली राधाकृष्णन की शिक्षा आध्यात्मिक मूल्यों की दीक्षा तथा नैतिक चरित्र विकसित करने वाली है। प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 ओमजी गुप्त ने कहा कि राधाकृष्णन मानवतावाद के पोषक थे। मानव मात्र की भलाई के लिए वे हमेशा कार्य करते रहे। संचालन एसोसिएट प्रोफेसर डॉ0 एस0 कुमार तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्त ने किया। प्रो0 ओमजी गुप्त ने सस्वर वन्देमातरम गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो0 सिंह ने सभी शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शिक्षक दिवस की बधाई देते हुए उन्हें सम्मानित किया। कुलपति प्रो0 के0एन0 सिंह का सम्मान विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों के किया ।

Menu

मुक्त चिंतन News Letter
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ
06 सितम्बर, 2018

मुविवि में सर्वशिक्षा समावेशी शिक्षा पर व्याख्यान

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए माननीय अतिथिगण।

दीक्षान्त समारोह व्याख्यानमाला श्रृंखला का द्वितीय व्याख्यान आज दिनाँक 06 सितम्बर, 2018 को **'सर्वशिक्षा समावेशी शिक्षा'** विषय पर आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सदस्य सचिव, प्रो0 रजनीश कुमार शुक्ल जी, मुख्य अतिथि मंझनपुर, कौशाम्बी के विधायक, श्री लाल बहादुर जी रहे तथा अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी द्वारा की गयी।

प्रारम्भ में डॉ0 रूचि बाजपेयी एवं डॉ0 श्रुति ने वन्देमातरम गीत प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत एवं विश्वविद्यालय की विकास यात्रा का विस्तार में वर्णन व्याख्यानमाला के संयोजक प्रोफेसर आर.पी.एस. यादव ने किया। व्यायानमाला का संचालन डॉ0 विनोद कुमार गुप्ता ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता ने किया। विश्वविद्यालय की तरफ से मुख्य अतिथि श्री लाल बहादुर एवं मुख्य वक्ता प्रो0 रजनीश कुमार शुक्ल का स्मृतिचिन्ह एवं अंगवस्त्रम से कुलपति प्रो0 सिंह ने सम्मान किया।

व्यायानमाला का संचालन करते हुए डॉ0 विनोद कुमार गुप्ता तथा मंचासीन माननीय अतिथिगण।

वन्देमातरम गीत प्रस्तुत करती हुई डॉ0 रूचि बाजपेयी एवं डॉ0 श्रुति ।

श्री लाल बहादुर जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए डॉ0 अनिल सिंह भदौरिया तथा प्रो0 रजनीश शुक्ल जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए डॉ0 अतुल मिश्रा एवं माननीय कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए डॉ0 रहमान।

अतिथियों का स्वागत एवं विश्वविद्यालय की विकास यात्र का वर्णन करते हुए व्याख्यानमाला के संयोजक प्रोफेसर आर.पी.एस. यादव

प्रो0 रजनीश कुमार शुक्ल

शिक्षा का उद्देश्य सामाजिक उत्तरदायित्व तथा मूल्यों का सृजन– प्रो0 शुक्ल

मुख्य वक्ता भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिलली के सदस्य सचिव प्रो0 रजनीश कुमार शुक्ल ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य निर्माण है। वास्तविक शिक्षा का मुख्य उददेश्य सामाजिक उत्तरदायित्व तथा मूल्यों का सृजन है।

प्रो0 शुक्ल ने प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था और आधुनिक शिक्षा व्यवस्था की विस्तृत चर्चा करते हुए बताया कि वास्तविक शिक्षा क्लासरूम से बाहर अनुभवों की शिक्षा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य भौतिक नहीं होना चाहिए। वर्तमान शैक्षणिक जगत की चुनौतियों में प्रमुख चुनौती मनुष्य की क्षमता और उपलब्धियों का सही विस्तार न हो पाना है। प्रो0 शुक्ल ने कहा कि भारतीय संस्कृति और दर्शन ने महान राष्ट्रभक्त और वीर पुरूषों को प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि व्यक्ति की शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो कि विभिन्नता में एकता की मिशाल कायम करे और समाज तथा राष्ट्र का हित भी देखे।

श्री लाल बहादुर

गुरूकुल शिक्षा प्रणाली ने बनाया विश्वगुरू– लाल बहादुर

व्याख्यानमाला के मुख्य अतिथि मंझनपुर, कौशाम्बी के विधायक श्री लाल बहादुर ने कहा कि वास्तविक शिक्षा वह है जो दूसरों के काम आये। प्राचीन भारत की गुरूकुल शिक्षा प्रणाली सर्वोत्तम थी जिससे वह विश्वगुरू कहलाया। शिक्षा का वास्तविक उददेश्य चहुंमुखी विकास था। उन्होंने कहा कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली का स्तर दूषित हो रहा है। हमें भारतीय संस्कृति को नहीं भूलना चाहिये और प्राचीन शिक्षा प्रणाली से प्रेरणा लेकर वर्तमान शैक्षिक जगत की चुनौतियों का सामना करना चाहिये।

प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल जी एवं श्री लाल बहादुर जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए माननीय कुलपतिप्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी तथा माननीय कुलपतिप्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी को अंगवस्त्र प्रदान करते हुए व्याख्यानमाला के सदस्यगण।

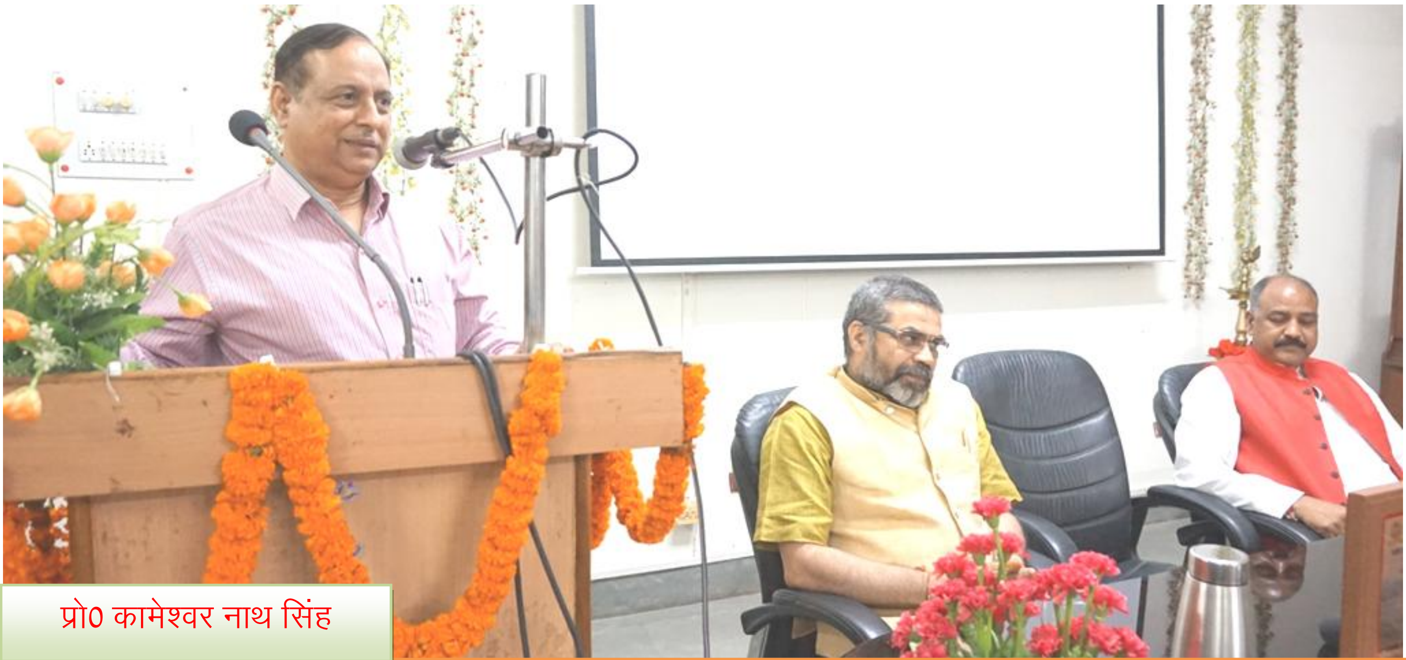

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

हर विधा को दृष्टिकोण देता है दर्शन–कुलपति

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि दर्शन एक ऐसी विधा है जो हर विधा को दृष्टिकोण देती है। विषय कोई भी हो वैचारिक धरातल और विचारदर्शन ही देता है। उन्होंने कहा कि वास्तविक शिक्षा ''वसुधैव कुटुम्बकम'' और सर्वहित की भावना का विकास करती है। प्रो0 सिंह ने कहा कि इतिहास गवाह है कि जब–जब शिक्षा में समाज सत्ता का ध्यान रखा गया तब–तब वैश्विक गौरव प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में समायुक्त, विषमतामुक्त और सामाजिक समरतापूर्ण शिक्षा व्यवस्था की आवश्यकता है।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए
कुलसचिव
डॉ0 अरुण कुमार गुप्ता

भारत संवाद
...क्रांतिबीज

शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य के चरित्र का निर्माण है - प्रो0 शुक्ल

इलाहाबाद(भारत संवाद) उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोह में भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सदस्य सचिव प्रो0 रजनीश कुमार शुक्ल ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य के चरित्र का निर्माण है। प्रो0 रजनीश कुमार शुक्ल दीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमाला की श्रृंखला के अन्तर्गत मुख्य वक्ता के रूप में "सर्वशिक्षा समावेशी शिक्षा" विषय पर व्याख्यान दे रहे थे।

प्रो0 शुक्ल ने प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था और आधुनिक शिक्षा व्यवस्था की विस्तृत चर्चा करते हुए बताया कि वास्तविक शिक्षा क्लासरूम से बाहर अनुभवों की शिक्षा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य भौतिक नहीं होना चाहिए। वर्तमान शैक्षणिक जगत की चुनौतियों में प्रमुख चुनौती मनुष्य की क्षमता और उपलब्धियों का सही विस्तार न हो पाना है। प्रो0 शुक्ल ने कहा कि भारतीय संस्कृति और दर्शन ने महान राष्ट्रभक्त और वीर पुरूषों को प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि व्यक्ति की शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो कि विभिन्नता में एकता की मिशाल कायम करे और समाज तथा राष्ट्र का हित भी देखे।

व्याख्यानमाला के मुख्य अतिथि मंझनपुर, कौशाम्बी के विधायक श्री लाल बहादुर ने कहा कि वास्तविक शिक्षा वह है जो दूसरों के काम आये। प्राचीन भारत की गुरूकुल शिक्षा प्रणाली सर्वोत्तम थी जिससे हमारा देश विश्वगुरू कहलाया। शिक्षा का वास्तविक उददेश्य चहुंमुखी विकास था। उन्होंने कहा कि मार्ग से भटकने के कारण वर्तमान शिक्षा प्रणाली का स्तर दूषित हो रहा है। हमें भारतीय संस्कृति को नहीं भूलना चाहिये और प्राचीन शिक्षा प्रणाली से प्रेरणा लेकर वर्तमान शैक्षिक जगत की चुनौतियों का सामना करना चाहिये। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि दर्शन एक ऐसी विधा है जो हर विधा को दृष्टिकोण देती है। विषय कोई भी हो वैचारिक धरातल और विचार दर्शन ही देता है। उन्होंने कहा कि वास्तविक शिक्षा "वसुधैव कुटुम्बकम" और सर्वहित की भावना का विकास करती है। प्रो0 सिंह ने कहा कि इतिहास गवाह है कि जब-जब शिक्षा में समाज सत्ता का ध्यान रखा गया तब-तब वैश्विक गौरव प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में समायुक्त, विषमतामुक्त और सामाजिक समरतापूर्ण शिक्षा व्यवस्था की आवश्यकता है।

प्रारम्भ में डॉ0 रूचि बाजपेयी एवं डॉ0 श्रुति ने वन्देमातरम गीत प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत व्याख्यानमाला के संयोजक प्रो0 आर0पी0 सिंह यादव ने किया। संचालन डॉ0 विनोद कुमार गुप्त तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्त ने किया।
तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्त ने किया।
इस अवसर पर कुलपति प्रो0 सिंह ने मुख्य अतिथि श्री लाल बहादुर एवं मुख्य वक्ता प्रो0 रजनीश शुक्ल को स्मृतिचिन्ह एवं अंगवस्त्रम से सम्मानित किया।

Tags # allahabad # national

दैनिक जागरण

शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य चरित्र निर्माण

जासं, इलाहाबाद : शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य के चरित्र निर्माण, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा मूल्यों का सृजन है। उक्त वक्तव्य भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के सदस्य सचिव प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने गुरुवार को दिए। प्रो. शुक्ल राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में दीक्षा समारोह विशेष व्याख्यानमाला में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। व्याख्यान का विषय 'सर्वशिक्षा समावेशी शिक्षा' रखा गया था।मुख्य अतिथि मंझनपुर, कौशाम्बी के विधायक लाल बहादुर रहे। उन्होंने कहा कि वास्तविक शिक्षा वह है जो दूसरों के काम आए। प्राचीन भारत की गुरुकुल शिक्षा प्रणाली सर्वोत्तम थी, जिससे हमारा देश विश्वगुरु कहलाया। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि दर्शन एक ऐसी विधा है जो हर विधा को दृष्टिकोण देती है। विषय कोई भी हो वैचारिक धरातल और विचार दर्शन ही देता है। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने मुख्य अतिथि लाल बहादुर एवं मुख्य वक्ता प्रो. रजनीश शुक्ल को सम्मानित किया। सेमिनार में डॉ. रुचि बाजपेयी, डॉ. ऋति, प्रो. आरपी सिंह यादव, डॉ. विनोद कुमार गुप्त, कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्त आदि रहे।

शिक्षकों के सम्मान से सफल होते हैं

छात्र : राजकीय इंटर कालेज में गुरुवार को एनसीसी के ग्रुप कमांडर बिग्रेडियर बृजेश पांडेय कैडेटों एवं छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जो छात्र शिक्षकों का सम्मान करता है, सफलता उनके कदम चमती है।

अमर उजाला
amarujala.com
इलाहाबाद | शुक्रवार, 7 सितंबर 2018
SELECT

अनुभवों की शिक्षा ही वास्तविक शिक्षा

इलाहाबाद। वास्तविक शिक्षा क्लासरूम से बाहर अनुभवों की शिक्षा है। शिक्षा का वास्तविक उद्‌देश्य भौतिक नहीं होना चाहिए। वर्तमान शिक्षा जगत की चुनौतियों में प्रमुख चुनौती मनुष्य की क्षमता औ उपलब्धियों का सही विस्तार न हो पाना है।

यह विचार भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सदस्य सचिव प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुकत विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार को आयोजित व्याख्यान में व्यक्त किए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कौशाम्बी के विधायक लाल बहादुर ने कहा कि शिक्षा वह है जो दूसरों के काम आए। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि दर्शन ऐसी विधा है जो हर विधा को दृष्टिकोण देती है।

शुक्रवार,07 सितंबर, 2018
पिछले अंक
हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
www.livehindustan.com

चरित्र निर्माण है शिक्षा का मुख्य उद्देश्य

इलाहाबाद। राजर्षि टंडन मुक्त विवि में गुरुवार को 'सर्वशिक्षा समावेशी शिक्षा' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इस मौके पर भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के सदस्य सचिव प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य के चरित्र का निर्माण है। प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था व आधुनिक शिक्षा व्यवस्था की विस्तृत चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि वास्तविक शिक्षा क्लासरूम से बाहर के अनुभवों की शिक्षा है।मुख्य अतिथि मंझनपुर के विधायक लाल बहादुर ने कहा कि वास्तविक शिक्षा वह है जो दूसरों के काम आए।

राष्ट्रीय सहारा

शिक्षा का उद्देश्य सामाजिक उत्तरदायित्व, मूल्यों का सृजन

व्याख्यानमाला में विचार व्यक्त करते प्रो रजनीश शुक्ल, बगल में बैठे हुए कुलपति प्रो कामेश्वर नाथ सिंह। फोटो : एसएनबी

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

इलाहाबाद।

शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य के चरित्र का निर्माण है। वास्तविक शिक्षा का मुख्य उद्देश्य सामाजिक उत्तरदायित्व तथा मूल्यों का सृजन है। उक्त वक्तव्य भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सदस्य सचिव प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने व्यक्त किए। यह बातें प्रो.रजनीश कुमार शुक्ल बृहस्पतिवार को उप्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में दीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमाला की श्रृंखला के अन्तर्गत मुख्य वक्ता के रूप में "सर्वशिक्षा समावेशी शिक्षा" विषय पर व्याख्यान में कहा।

प्रो. शुक्ल ने प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था और आधुनिक शिक्षा व्यवस्था की विस्तृत चर्चा करते हुए बताया कि वास्तविक शिक्षा क्लासरूम से बाहर अनुभवों की शिक्षा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य भौतिक नहीं होना चाहिए। वर्तमान शैक्षणिक जगत की चुनौतियों में प्रमुख चुनौती मनुष्य की क्षमता और उपलब्धियों का सही विस्तार न हो पाना है। प्रो. शुक्ल ने कहा कि भारतीय संस्कृति और दर्शन ने महान राष्ट्रभक्त और वीर पुरुषों को प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि व्यक्ति की शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो कि विभिन्नता में एकता की मिशाल कायम करे और समाज तथा राष्ट्र का हित भी देखे। व्याख्यानमाला के मुख्य अतिथि मंझनपुर, कौशाम्बी के विधायक लाल बहादुर ने कहा कि वास्तविक शिक्षा वह है जो दूसरों के काम आये। प्राचीन भारत की गुरुकुल शिक्षा प्रणाली सर्वोत्तम थी जिससे हमारा देश विश्वगुरू कहलाया। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य चहुंमुखी विकास था। उन्होंने कहा कि मार्ग से भटकने के कारण वर्तमान शिक्षा प्रणाली का स्तर दूषित हो रहा है। हमें भारतीय संस्कृति को नहीं भूलना चाहिये और प्राचीन शिक्षा प्रणाली से प्रेरणा लेकर वर्तमान शैक्षिक जगत की चुनौतियों का सामना करना चाहिये। अध्यक्षता करते हुए उप्र राजर्षि टण्डन मुक्त विवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि दर्शन एक ऐसी विधा है जो हर विधा को दृष्टिकोण देती है। विषय कोई भी हो वैचारिक धरातल और विचार दर्शन ही देता है। उन्होंने कहा कि वास्तविक शिक्षा "वसुधैव कुटुम्बकम" और सर्वहित की भावना का विकास करती है। प्रो. सिंह ने कहा कि इतिहास गवाह है कि जब-जब शिक्षा में समाज सत्ता का ध्यान रखा गया तब-तब वैश्विक गौरव प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में समायुक्त, विषमतामुक्त और सामाजिक समरतापूर्ण शिक्षा व्यवस्था की आवश्यकता है।

भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सदस्य सचिव प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने व्याख्यानमाला में कहा

गुरूकुल शिक्षा प्रणाली ने बनाया विश्वगुरू : विधायक लाल बहादुर

हर विधा को दृष्टिकोण देता है दर्शन : कुलपति

राजर्षि टण्डन मुविवि में "सर्वशिक्षा समावेशी शिक्षा" पर व्याख्यान

प्रारम्भ में डॉ. रुचि बाजपेयी एवं डॉ. श्रुति ने वन्देमातरम गीत प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत व्याख्यानमाला के संयोजक प्रो. आरपी सिंह यादव ने किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सिंह ने मुख्य अतिथि श्री लाल बहादुर एवं मुख्य वक्ता प्रो. रजनीश शुक्ल को स्मृतिचिन्ह एवं अंगवस्त्रम से सम्मानित किया। संचालन डॉ. विनोद कुमार गुप्त तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्त ने किया।

वाराणसी, शुक्रवार, 7 सितम्बर, 2018
जनसंदेश टाइम्स
परख सच की

अवसरों का लाभ नहीं उठा पायी भारतीय टीम : कपिल -13

मुलायम से पूछकर किया सेकुलर मोर्चे का गठन : शिवपाल -15

www.jansandeshtimes.net

इलाहाबाद

शिक्षा का उद्देश्य सामाजिक उत्तरदायित्व एवं मूल्यों का सृजन : प्रो.शुक्ल

जनसंदेश न्यूज

इलाहाबाद। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य के चरित्र का निर्माण है। वास्तविक शिक्षा का मुख्य उददेश्य सामाजिक उत्तरदायित्व तथा मूल्यों का सृजन है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य भौतिक नहीं होना चाहिए। वर्तमान शैक्षणिक जगत की चुनौतियों में प्रमुख चुनौती मनुष्य की क्षमता और उपलब्धियों का सही विस्तार न हो पाना है।

उक्त विचार मुख्य वक्ता भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सदस्य सचिव प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने वृहस्पतिवार को उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में दीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमाला की श्रृंखला के अन्तर्गत ह्यसर्वशिक्षा समावेशी शिक्षाह्न विषय पर व्याख्यान के दौरान व्यक्त किया। उन्होंने प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था और आधुनिक शिक्षा व्यवस्था की विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि वास्तविक शिक्षा क्लास रूम से बाहर अनुभवों की शिक्षा है। प्रो.शुक्ल ने कहा कि भारतीय संस्कृति और दर्शन ने महान राष्ट्रभक्त और वीर पुरूषों को प्रेरणा दी। व्यक्ति की शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो कि विभिन्नता में एकता की मिसाल कायम करे और समाज तथा राष्ट्र का हित भी देखे।

व्याख्यानमाला के मुख्य अतिथि मंझनपुर, कौशाम्बी के विधायक लाल बहादुर ने कहा कि वास्तविक शिक्षा वह है जो दूसरों के काम आवे। प्राचीन भारत की गुरूकुल शिक्षा प्रणाली सर्वोत्तम थी जिससे हमारा देश विश्वगुरू कहलाया। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य चर्हुमुखी विकास था। उन्होंने कहा कि मार्ग से भटकने के कारण वर्तमान शिक्षा प्रणाली का स्तर दूषित हो रहा है। हमें भारतीय संस्कृति को नहीं भूलना चाहिये और प्राचीन शिक्षा प्रणाली से प्रेरणा लेकर वर्तमान शैक्षिक जगत की चुनौतियों का सामना करना चाहिये।

संबोधित करते मुख्य अतिथि

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि दर्शन एक ऐसी विधा है जो हर विधा को दृष्टिकोण देती है। विषय कोई भी हो वैचारिक धरातल और विचार दर्शन ही देता है। उन्होंने कहा कि वास्तविक शिक्षा ह्यवसुधैव कुटुम्बकम्ह्न और सर्वहित की भावना का विकास करती है। इतिहास गवाह है कि जब-जब शिक्षा में समाज सत्ता का ध्यान रखा गया तब-तब वैश्विक गौरव प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में विषमतामुक्त और सामाजिक समरतापूर्ण शिक्षा व्यवस्था की आवश्यकता है। डा.रूचि बाजपेयी एवं डा.श्रुति ने वन्देमातरम गीत प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत संयोजक प्रो. आर.पी सिंह यादव ने एवं संचालन डा. विनोद कुमार गुप्त तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डा.अरूण कुमार गुप्त ने किया।

आज

इलाहाबाद, शुक्रवार, ७ सितम्बर, २०१८ २

गुरुकुल शिक्षा प्रणाली ने बनाया विश्वगुरु-लाल बहादुर

प्राचीन भारत की गुरुकुल शिक्षा प्रणाली सर्वोत्तम थी जिससे हमारा देश विश्वगुरू कहलाया। उक्त विचार बृहस्पतिवार को उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में दीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमाला की श्रृंखला के अन्तर्गत 'सर्वशिक्षा समावेशी शिक्षा' विषय पर व्याख्यान के दौरान मुख्य वक्ता मुख्य अतिथि मंझनपुर, कौशाम्बी के विधायक लाल बहादुर ने व्यक्त किया।उन्होंने कहा कि मार्ग से भटकने के कारण वर्तमान शिक्षा प्रणाली का स्तर दूषित हो रहा है। हमें भारतीय संस्कृति को नहीं भूलना चाहिये और प्राचीन शिक्षा प्रणाली से प्रेरणा लेकर वर्तमान शैक्षिक जगत की चुनौतियों का सामना करना चाहिये। भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सदस्य सचिव प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने कहा कि वास्तविक शिक्षा क्लास रूम से बाहर अनुभवों की शिक्षा है। प्रो.शुक्ल ने कहा कि भारतीय संस्कृति और दर्शन ने महान राष्ट्रभक्त और वीर पुरूषों को प्रेरणा दी। व्यक्ति की शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो कि विभिन्नता में एकता की मिसाल कायम करे और समाज तथा राष्ट्र का हित भी देखे। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि दर्शन एक ऐसी विधा है जो हर विधा को दृष्टिकोण देती है। विषय कोई भी हो वैचारिक धरातल और विचार दर्शन ही देता है। उन्होंने कहा कि वास्तविक शिक्षा 'वसुधैव कुटुम्बकम' और सर्वहित की भावना का विकास करती है। इतिहास गवाह है कि जब-जब शिक्षा में समाज सत्ता का ध्यान रखा गया तब-तब वैश्विक गौरव प्राप्त हुआ है।

इलाहाबाद, शनिवार
8 सितंबर 2018
नगर संस्करण
www.jagran.com

दैनिक जागरण

इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण में करें अधिक निवेश : पीएम 17 | विकास का हमारा मसौदा कोई राजनीतिक सौदा नहीं : नकवी 13

अब मनोचिकित्सक भी बनाएगा यूपीआरटीओयू

अमरीश शुक्ल, इलाहाबाद

पॉजिटिव न्यूज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि (यूपीआरटीओयू) मनोचिकित्सक भी तैयार करेगा। मुक्त विश्वविद्यालय क्लीनिकल साइकोलॉजी यानी नैदानिक मनोविज्ञान में इसी सत्र से पीजी डिप्लोमा कोर्स शुरू कर रहा है। इसका उद्देश्य मनोरोगियों को बेहतर चिकित्सकीय सुविधा प्रदान करना है। एक वर्ष के इस कोर्स में मनोविज्ञान में एमए, एमबीबीएस, आयुर्वेद व यूनानी की पढ़ाई करने वाले चिकित्सक, बीएएमएस, बीएचएमएस करने वाले प्रवेश ले सकते हैं।

भागदौड़ व तनाव भरी जिंदगी के बीच ऐसी कोई जगह नहीं है, जहां एक मनोवैज्ञानिक की जरूरत न हो। यह विज्ञान मन और तन के सही समन्वय पर आधारित है। अगर हम मन से बीमार हैं तो उसके कारण हमें जो शारीरिक बीमारियां होती हैं उसे एक क्लीनिकल सायकोलॉजिस्ट ही ठीक करता है वो भी बिना दवाइयों के। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय क्लीनिकल साइकोलॉजी में पीजी डिप्लोमा शुरू किया गया है। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि इसमें इसी सत्र से प्रवेश लिया जा सकेगा।

ये है करियर आप्शन : प्रो. सिंह का कहना है कि क्लीनिकल साइकोलॉजी उभरता हुआ करियर का क्षेत्र है। साइकोलॉजी में केवल क्लीनिकल साइकोलॉजी ही नहीं है, बल्कि इसमें संगठनात्मक व्यवहार भी शामिल है जो आपको कॉरपोरेट सेक्टर, एनजीओ और स्कूल-कॉलेज में भी कंसल्टेंट के रूप में काम करने का बेहतर मौका प्रदान करता है। क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट होने के लिए आपका संवेदनशील इंसान होना बेहद जरूरी है।

संबंधित कोर्स : -बीए ऑनर्स इन साइकोलॉजी। ● एमएससी इन साइकोलॉजी ● पीजी डिप्लोमा इन साइकोलॉजी ● पीजी डिप्लोमा इन क्लीनिकल साइकोलॉजी।

यहां से भी पढ़ सकते हैं : -जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली ● दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली ● एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ साइकोलॉजी ऐंड अलॉइड साइंसेस, नोएडा ● अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़ ● बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी वाराणसी ● इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।

कानपुर, शनिवार
8 सितंबर 2018
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 22+4+4=30
www.jagran.com

दैनिक जागरण

उत्तरप्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, हरियाणा, बिहार, झारखंड, पंजाब, उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

निजी अस्पतालों को मनाने में जुटी है केन्द्र सरकार 13 | बसपा शासन में एससी-एसटी एक्ट का दुरुपयोग नहीं 11

कानपुर जागरण कानपुर, 8 सितंबर 2018

नया कोर्स क्लीनिकल साइकालजी में पीजी डिप्लोमा इसी सत्र से, मनोरोगियों को बेहतर चिकित्सकीय सुविधा देना उद्देश्य

मनोचिकित्सक भी बनाएगा यूपीआरटीओयू

अमरीश शुक्ल ● इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (यूपीआरटीओयू) अब मनोचिकित्सक भी तैयार करेगा। मुक्त विश्वविद्यालय क्लीनिकल साइकालजी यानी नैदानिक मनोविज्ञान में इसी सत्र से पीजी डिप्लोमा कोर्स शुरू कर रहा है।

इसका उद्देश्य मनोरोगियों को बेहतर चिकित्सकीय सुविधा प्रदान करना है। एक वर्ष के इस कोर्स में मनोविज्ञान में एमए, एमबीबीएस, आयुर्वेद व यूनानी की पढ़ाई करने वाले चिकित्सक, बीएएमएस, बीएचएमएस करने वाले प्रवेश ले सकते हैं। आज भागदौड़ व तनाव भरी जिंदगी में अगर हम मन से बीमार हैं तो उसके कारण हमें जो शारीरिक बीमारियां होती हैं उसे एक क्लीनिकल साइकालजिस्ट ही ठीक करता है वो भी बिना दवाइयों के। इन बातों को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय क्लीनिकल साइकालजी में पीजी डिप्लोमा शुरू किया गया है। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि इसमें इसी सत्र से प्रवेश लिया जा सकेगा।

ये है करियर आप्शन : प्रो. सिंह का कहना है कि क्लीनिकल साइकालजी उभरता हुआ करियर का क्षेत्र है। साइकालजी में केवल क्लीनिकल साइकालजी ही नहीं है, बल्कि इसमें संगठनात्मक व्यवहार भी शामिल है जो आपको कॉरपोरेट सेक्टर, एनजीओ और स्कूल-कॉलेज में भी कंसल्टेंट के रूप में काम करने का बेहतर मौका प्रदान करता है। क्लीनिकल साइकालजिस्ट होने के लिए आपका संवेदनशील इंसान होना बेहद जरूरी है।

संबंधित कोर्स

- बीए ऑनर्स इन साइकालजी।
- एमएससी इन साइकालजी।
- पीजी डिप्लोमा इन साइकालजी।
- पीजी डिप्लोमा इन क्लीनिकल साइकालजी।

यहां से भी पढ़ सकते हैं : ● जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली ● दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली ● एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ साइकालजी एंड अलॉइड साइंसेस, नोएडा ● अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़ ● बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी वाराणसी ● इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।

मुक्त चिंतन News Letter
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad
|| सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ||
हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ
08 सितम्बर, 2018

मु.वि.वि. में "विकास का स्वास्थ्य" विषय पर व्याख्यान

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए माननीय अतिथिगण।

दीक्षान्त समारोह व्याख्यानमाला श्रृंखला का तृतीय व्याख्यान आज दिनाँक 08 सितम्बर, 2018 को **'विकास का स्वास्थ्य'** विषय पर आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के पूर्व अध्यक्ष तथा अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. जगदीश सिंह जी रहे तथा अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी द्वारा की गयी।

प्रारम्भ में डॉ0 रूचि बाजपेयी एवं डॉ0 श्रुति ने वन्देमातरम गीत प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत एवं विश्वविद्यालय की विकास यात्रा का विस्तार में वर्णन व्याख्यानमाला के संयोजक प्रोफेसर प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने किया। व्यायानमाला का संचालन डा. मीरा पाल ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता ने किया। विश्वविद्यालय की तरफ से मुख्य वक्ता प्रो. जगदीश सिंह जी का स्मृतिचिन्ह एवं अंगवस्त्रम से कुलपति प्रो0 सिंह ने सम्मान किया।

वन्देमातरम गीत प्रस्तुत करती हुई डॉ0 रूचि बाजपेयी एवं

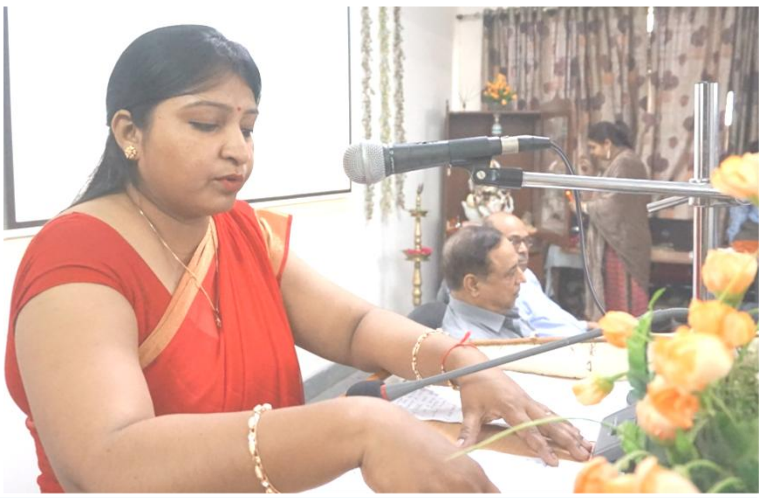

व्याख्यानमाला का संचालन करती हुई डॉ0 मीरा पाल

मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करती हुई डॉ0 साधना श्रीवास्त

मुख्य वक्ता प्रो0 जगदीश सिंह जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करती हुई डॉ0 नीता मिश्रा

अतिथियों का स्वागत एवं विश्वविद्यालय की विकास यात्र का वर्णन करते हुए व्याख्यानमाला के संयोजक प्रोफेसर जी.एस. शुक्ल

प्रो. जगदीश सिंह

भारत का सामान्य व्यक्ति आज अधिक खुशहाल– प्रो. जगदीश सिंह

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में दीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमाला की श्रृंखला में आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्ता दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के पूर्व अध्यक्ष तथा अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. जगदीश सिंह जी ने कहा कि विश्व के छोटे–छोटे देशों की तुलना में भारत की विकास दर बहुत पीछे है। मानव विकास के क्रमांक में भारत 131वें स्थान पर है जबकि मालदीव एवं श्रीलंका जैसे देश हमसे ऊपर हैं। इसके बावजूद भारत का सामान्य व्यक्ति आज अधिक खुशहाल है। विकासक्रम में चीन 90वें स्थान पर है।

प्रो. सिंह ने "विकास का स्वास्थ्य" विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति में सुखानुभूति होती है। इसी वजह से कई लोग अपनी स्थिति से संतुष्ट रहते हैं। जीवन की न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति, सुरक्षा की भावना, सामाजिक गरिमा, आध्यात्मिक उत्कर्ष तथा स्वहित से ऊपर उठकर जनहित को समझने की चेतना सभी में आनी चाहिये।

प्रो. सिंह ने कहा कि विकास का प्रभाव पर्यावरण पर परिलक्षित है। पर्यावरण का क्षरण हो रहा है। आज पर्यावरण के प्रति सजगता बढ़ाने की आव८यकता है। हमें कोशिश करनी चाहिये कि हमारे कृत्य से वायु, जल, और मिट्टी दूषित न हो। कूड़ेदान में ही कूड़ा फेंका जाना चाहिये। प्रो. सिंह ने कहा कि भोजन, वस्त्र, मकान के बाद आज सबसे अधिक आवश्यकता शिक्षा एवं स्वास्थ्य की है। उन्होंने कहा कि निर्बल वर्ग को खाद्यान्न तथा आवास सरकार सुलभ करा रही है। सड़कों का विस्तार हो रहा है, भारत का हर गाँव विद्युतीकृत हो रहा है। मोबाइल क्रांति हर हाथ में पहुंच गयी है। इसमें ध्यान रखने की बात यह है कि विकास का लाभ सभी तक समान रूप से पहुंचे और असमानता की खाई को पाटा जा सके।

सभागार में उपस्थित विश्वविद्यालय के अधिकारी, निदेशक, शिक्षक, कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिकगण।

मुख्य वक्ता प्रो0 जगदीश सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी तथा साथ में कार्यक्रम संयोजक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल।

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को अंगवस्त्र प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए कार्यक्रम संयोजक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल।

सभागार में उपस्थित विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिकगण।

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

विकास के लिए एक जीवन दृष्टि अनिवार्य–प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि विकास की असली तस्वीर सामने लाने के लिए हमें सात लाख गाँवों में सात लाख रोल मॉडल व्यक्तियों की आवश्यकता है। उन्होंने अन्ना हजारे को रोल मॉडल बताते हुए कहा कि रालेगण सिद्धि को उन्होंने देश के आदर्श गाँव का दर्जा दिलाया, जहाँ आज भारत के प्रशासनिक सेवाओं में चयनितों को ट्रेनिंग के लिए विजिट करायी जाती है। कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि विकास के लिए एक जीवन दृष्टि होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज में व्याप्त असमानता समाप्त नहीं की जा सकती लेकिन कम तो की जा सकती है। हमें यह तय करना होगा कि विकास के लक्ष्य को पाने के लिए सुगम्य उपागम हो।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव, डॉ0 अरुण कुमार गुप्ता

इलाहाबाद, रविवार, 9 सितम्बर, 2018
परख सच की
जनसंदेश टाइम्स
इलाहाबाद, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर और गोरखपुर से प्रकाशित

इमरान ने कट्टरपंथियों के आगे टेके घुटने -15

टॉस हारने में कोहली ने बनाया रिकॉर्ड -1

www.jansandeshtimes.in

जनसुनवाई में उमड़े फरियादी

इलाहाबाद महानगर

भारत का सामान्य व्यक्ति आज अधिक खुशहाल: प्रो.सिंह

विकास के लिए एक जीवन दृष्टि अनिवार्य: कुलपति

जनसंदेश न्यूज

इलाहाबाद। विश्व के छोटे-छोटे देशों की तुलना में भारत की विकास दर बहुत पीछे है। मानव विकास के क्रमांक में भारत 131वें स्थान पर है, जबकि मालदीव एवं श्रीलंका जैसे देश हमसे ऊपर हैं। इसके बावजूद भारत का सामान्य व्यक्ति आज अधिक खुशहाल है। विकास क्रम में चीन 90वें स्थान पर है। उक्त विचार मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय भूगोल विभाग के पूर्व अध्यक्ष तथा अधिष्ठाता कला संकाय प्रो.जगदीश सिंह ने शनिवार को उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में दीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमाला की श्रृंखला में आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किया।

संबोधित करते प्रो.जगदीश सिंह

उन्होंने "विकास का स्वास्थ्य" विषय पर कहा कि प्रत्येक व्यक्ति में सुखानुभूति होती है। इसी वजह से कई लोग अपनी स्थिति से संतुष्ट रहते हैं। जीवन की न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति, सुरक्षा की भावना, सामाजिक गरिमा, आध्यात्मिक उत्कर्ष तथा स्वहित से ऊपर उठकर जनहित को समझने की चेतना सभी में आनी चाहिये।

प्रो. सिंह ने कहा कि विकास का प्रभाव पर्यावरण पर परिलक्षित है, पर्यावरण का क्षरण हो रहा है। आज पर्यावरण के प्रति सजगता बढ़ाने की आवश्यकता है। हमें कोशिश करनी चाहिये कि हमारे कृत्य से वायु, जल, और मिट्टी दूषित न हो। कहा कि भोजन, वस्त्र, मकान के बाद आज सबसे अधिक आवश्यकता शिक्षा एवं स्वास्थ्य की है। निर्बल वर्ग को खाद्यान्न तथा आवास सरकार सुलभ करा रही है। सड़कों का विस्तार हो रहा है, भारत का हर गांव विद्युतीकृत हो रहा है। मोबाइल क्रांति हर हाथ में पहुंच गयी है। इसमें ध्यान रखने की बात यह है कि विकास का लाभ सभी तक समान रूप से पहुंचे और असमानता की खाई को पाटा जा सके। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि विकास की असली तस्वीर सामने लाने के लिए हमें सात लाख गांवों में सात लाख रोल मॉडल व्यक्तियों की आवश्यकता है। उन्होंने अन्ना हजारे को रोल मॉडल बताते हुए कहा कि रालेगण सिद्धि को उन्होंने देश के आदर्श गांव का दर्जा दिलाया। जहां आज भारत के प्रशासनिक सेवाओं में चयनितों को ट्रेनिंग के लिए विजिट करायी जाती है। कुलपति ने कहा कि विकास के लिए एक जीवन दृष्टि होनी चाहिए। समाज में व्याप्त असमानता समाप्त नहीं की जा सकती लेकिन कम तो की जा सकती है। हमें यह तय करना होगा कि विकास के लक्ष्य को पाने के लिए सुगम्य उपागम हो। व्याख्यान का संचालन डा.मीरा पाल ने एवं डा.रूचि बाजपेयी व डा.श्रुति ने वन्देमातरम् प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत व्याख्यान के संयोजक तथा स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो.गिरिजा शंकर शुक्ल ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डा.अरूण कुमार गुप्त ने किया।

भारत संवाद
...क्रांतिबीज

हमें कोशिश करनी चाहिये कि हमारे कृत्य से वायु, जल, और मिट्टी दूषित न हो

इलाहाबाद (भारत संवाद) विश्व के छोटे-छोटे देशों की तुलना में भारत की विकास दर बहुत पीछे है। मानव विकास के क्रमांक में भारत 131वें स्थान पर है जबकि मालदीव एवं श्रीलंका जैसे देश हमसे ऊपर हैं। इसके बावजूद भारत का सामान्य व्यक्ति आज अधिक खुशहाल है। विकासक्रम में चीन 90वें स्थान पर है। उक्त उद्गार शनिवार को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में दीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमाला की श्रृंखला में आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्ता दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के पूर्व अध्यक्ष तथा अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. जगदीश सिंह ने व्यक्त किए।

प्रो. सिंह ने "विकास का स्वास्थ्य" विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति में सुखानुभूति होती है। इसी वजह से कई लोग अपनी स्थिति से संतुष्ट रहते हैं। जीवन की न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति, सुरक्षा की भावना, सामाजिक गरिमा, आध्यात्मिक उत्कर्ष तथा स्वहित से ऊपर उठकर जनहित को समझने की चेतना सभी में आनी चाहिये।

प्रो. सिंह ने कहा कि विकास का प्रभाव पर्यावरण पर परिलक्षित है। पर्यावरण का क्षरण हो रहा है। आज पर्यावरण के प्रति सजगता बढ़ाने की आवश्यकता है। हमें कोशिश करनी चाहिये कि हमारे कृत्य से वायु, जल, और मिट्टी दूषित न हो। कूड़ेदान में ही कूड़ा फेंका जाना चाहिये। प्रो. सिंह ने कहा कि भोजन, वस्त्र, मकान के बाद आज सबसे अधिक आवश्यकता शिक्षा एवं स्वास्थ्य की है। उन्होंने कहा कि निर्बल वर्ग को खाद्यान्न तथा आवास सरकार सुलभ करा रही है। सड़कों का विस्तार हो रहा है, भारत का हर गाँव विद्युतीकृत हो रहा है। मोबाइल क्रांति हर हाथ में पहुंच गयी है। इसमें ध्यान रखने की बात यह है कि विकास का लाभ सभी तक समान रूप से पहुंचे और असमानता की खाई को पाटा जा सके।

अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि विकास की असली तस्वीर सामने लाने के लिए हमें सात लाख गाँवों में सात लाख रोल मॉडल व्यक्तियों की आवश्यकता है। उन्होंने अन्ना हजारे को रोल मॉडल बताते हुए कहा कि रालेगण सिद्धि को उन्होंने देश के आदर्श गाँव का दर्जा दिलाया, जहाँ आज भारत के प्रशासनिक सेवाओं में चयनितों को ट्रेनिंग के लिए विजिट करायी जाती है। कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि विकास के लिए एक जीवन दृष्टि होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज में व्याप्त असमानता समाप्त नहीं की जा सकती लेकिन कम तो की जा सकती है। हमें यह तय करना होगा कि विकास के लक्ष्य को पाने के लिए सुगम्य उपागम हो।

व्याख्यान का संचालन डा. मीरा पाल ने किया। डा. रूचि वाजपेयी एवं डॉ. श्रुति ने वन्देमातरम् प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत व्याख्यान के संयोजक तथा स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. अरूण कुमार गुप्त ने किया।

SUGAR Liquid Lipstick

दैनिक जागरण

भारत का सामान्य व्यक्ति आज अधिक खुशहाल : प्रो. सिंह

जासं, इलाहाबाद : विश्व के छोटे-छोटे देशों की तुलना में भारत की विकास दर बहुत पीछे है। मानव विकास के क्रमांक में भारत 131वें स्थान पर है, जबकि मालदीव व श्रीलंका जैसे देश हमसे ऊपर हैं। इसके बावजूद भारत का सामान्य व्यक्ति आज कई विकसित देशों से अधिक खुशहाल है। उक्त बातें शनिवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में विशेष व्याख्यानमाला की श्रृंखला में दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. जगदीश सिंह ने व्यक्त किए।

प्रो. सिंह ने 'विकास का स्वास्थ्य' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि जीवन की न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति, सुरक्षा की भावना, सामाजिक गरिमा, आध्यात्मिक उत्कर्ष तथा स्वहित से ऊपर उठकर जनहित को समझने की चेतना सभी में आनी चाहिए। प्रो. सिंह ने कहा कि विकास का प्रभाव पर्यावरण पर परिलक्षित है। पर्यावरण का क्षरण हो रहा है। पर्यावरण के प्रति सजगता बढ़ाने की आवश्यकता है। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने अपने विचार रखे। संचालन डॉ. मीरा पाल ने किया। डॉ. रुचि वाजपेयी व डॉ. श्रुति ने वन्देमातरम् प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्त ने किया।

SUNDAY | 09.09.2018 उत्तर प्रदेश
अमर उजाला
महानगर वर्ष 22 | अंक 85 | पृष्ठ : 18+4 | मूल्य : छह रुपये इलाहाबाद • 7 राज्य • 1 केंद्रशासित प्रदेश • 20 संस्करण

विकास दर के मामले में भारत बहुत पीछे

मुक्त विवि के व्याख्यान में बोले प्रो. जगदीश सिंह

इलाहाबाद। विश्व के छोटे-छोटे देशों की तुलना में भारत की विकास दर बहुत पीछे है। मान विकास के क्रम में भारत का 131वां स्थान है जबकि मालदीव और श्रीलंका जैसे देश हमसे ऊपर हैं। इसके बावजूद भारत का सामान्य व्यक्ति आज अधिक खुशहाल है। यह बात दीन दलया उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के भूगोल के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. जगदीश सिंह ने शनिवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित व्याख्यान में कही। 'विकास का स्वास्थ्य' विषय पर आयोजित व्याख्यान में उन्होंने कहा कि विकास का प्रभाव पर्यावरण पर परिलक्षित है। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि विकास की तस्वीर सामने लाने के लिए हमें साल लाख गांवों के लिए सात लाख रोल मॉडल व्यक्तियों की आवश्यकता है। व्याख्यान का संचालन डॉ. मीरा पाल ने कियाद्य। डॉ. रुचि बाजपेयी एवं डॉ. श्रुति ने वंदेमातरम प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अरुण कुमार गुप्त ने किया।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

09 सितम्बर, 2018

विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र टी0डी0 कालेज जौनपुर में ''दूरस्थ शिक्षक–शिक्षा अभिविन्यास'' एवं सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

दिनांक 09 सितम्बर, 2018 को विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र टी0डी0 कालेज जौनपुर द्वारा **''दूरस्थ शिक्षक–शिक्षा अभिविन्यास'' एवं सम्मान समारोह** कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्याशाखा के प्रभारी निदेशक प्रो0 पी0के0 पाण्डेय जी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री प्रकाश सिंह जी ने की।

विशिष्ट अतिथि प्रो0 पी0के0 पाण्डेय ने दूरस्थ शिक्षा के विभिन्न कार्यक्रमों से विद्यार्थियों को जोड़ने के लिए प्रेरित किया। डॉ0 समर बहादुर सिंह ने हरियाणा, बिहार, पंजाब, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ प्रदेशों से नियमित रुप से उपस्थित रहने तथा सक्रिय सहभागिता के लिए विद्यार्थियों की प्रशंसा की।

मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा शिक्षक–शिक्षा विभाग की वार्षिक पत्रिका ''अभिव्यक्ति'' डॉ0 अजय कुमार दुबे द्वारा संपादित का विमोचन किया गया। डॉ0 राजीव प्रकाश सिंह, आशोक कुमार सिंह ने उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेकर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को अभिप्रेरित किया।

इस कार्यक्रम में डॉ0 के0डी0 सिंह, डॉ0 विनय कुमार सिंह, डॉ0 सुधांशु सिन्हा, डॉ0 जय प्रकाश सिंह,सीमांत राय, डॉ0 डी0आर0 सिंह, संजय सिंह, वीरेन्द्र सिंह, डॉ0 सत्येन्द्र कुमार सिंह, डॉ0 अजय कुमार, डॉ0 अरुण कुमार सिंह, अरुण कुमार चतुर्वेदी, डॉ0 आर0एन0 ओझा, डॉ0 हरिओम त्रिपाठी आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन डॉ0 अजय कुमार दुबे एवं आभार टीडी0 कालेज जौनपुर के प्राचार्य डॉ0 विनोद कुमार सिंह ने किया।

मंचासीन माननीय अतिथिगण।

डॉ0 अजय कुमार दुबे द्वारा संपादित शिक्षक–शिक्षा विभाग की वार्षिक पत्रिका ''अभिव्यक्ति'' का विमोचन करते हुए माननीय अतिथिगण।

माननीय अतिथियों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनको सम्मानित करते हुए महाविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए विशिष्ट अतिथि प्रो0 पी0के0 पाण्डेय जी

प्रोफेसर केएन सिंह

संपूर्ण क्षमता के साथ करें अपने ज्ञान का उपयोग : प्रोफेसर केएन सिंह

शिक्षक शिक्षा विभाग टीडी कॉलेज जौनपुर द्वारा आयोजित दूरस्थ शिक्षा अभिविन्यास एवं सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में बोलते हुए प्रोफेसर केएन सिंह कुलपति उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद ने कहा कि संपूर्ण विश्व में सर्वाधिक संसाधन भारत में होने के बावजूद हम उसका उचित उपयोग नहीं कर पा रहे हैं, जबकि आवश्यकता इस बात की है कि हम संपूर्ण क्षमता के साथ अपने ज्ञान का उपयोग करें। शिक्षक होने के नाते यदि हम कुछ रोल मॉडल खड़ा कर सके देश के प्रति समर्पित होकर समाज हित में सोचने और कार्य करने के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहना चाहिए।

कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य नागरिक एवं छात्रव छात्रायें।

वाराणसी, सोमवार, 10 सितम्बर, 2018

जनसंदेश टाइम्स
परख सच की
शास्त्री के बयान प
भड़के गांगुली -1

लोकतांत्रिक व्यवस्था को नष्ट कर रही है भाजपा -15
www.jansandeshtimes.n
जनसंदेश टाइम्स
सोमवार, 10 सितम्बर, 2018
जौनपुर 3

संसाधनों से संपन्न है भारत : प्रो. केएन सिंह

शिक्षकों के आचरण से मिलता है छात्रों को संस्कार, संवरता है भविष्य : अशोक

जनसंदेश न्यूज

जौनपुर। भारत वर्ष में जितने संसाधन उपलब्ध है, उतने किसी भी देश में नही है। दुनियां में जो है वह भारत में है जो भारत में नहीं है वह दुनियां में नहीं है। उक्त विचार उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने तिलकधारी महाविद्यालय के बलरामपुर सभागार में आयोजित दूरस्थ शिक्षक शिक्षा अभिविन्यास कार्यक्रम में मुख्य अभ्यागत के रूप में व्यक्त किया।

पुस्तक विमोचन करते अतिथिगण।

उन्होंने कहा कि संसाधनों से संपन्न इस देश में गरीबी और निरक्षरता व्याप्त है। इसीलिए विदेशी विद्वान भारत की तुलना सोने के स्टूल पर बैठकर भीख मांगने वाले भिखारी से करते हैं। श्री सिंह ने कहा कि शिक्षकों को ऐसे व्यक्तित्व गढ़ने की आवश्यकता है जो देश के इतिहास और भूगोल के प्रति समर्पित हो। कुलपति ने सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे का उदाहरण देते हुए बताया कि 8वीं कक्षा पास इस व्यक्ति ने अपने गांव में सिंचाई, शिक्षा, रोजगार और चिकित्सा की सुविधाओं से संपन्न कर दिया। महाविद्यालय के प्रबंधक अशोक कुमार सिंह, ने अपने संबोधन में कहा कि आज फादर्स डे, मदर्स डे और टीचर्स डे मनाने की परम्परा शुरू हो गयी है। जबकि भगवान राम प्रतिदिन अपने माता पिता और गुरू का सम्मान करते थे। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के आचरण से छात्रों को उपयोगी संस्कार मिलते हैं। श्री सिंह ने कहा कि भगवान राम ने लंका विजय का पूरा श्रेय अपने गुरू को दिया। उन्होंने गुरु वशिष्ठ कुल पूज्य हमारे, इनकी कृपा दनुज रन मारे। तथा कबीर की पंक्ति शीश दिये जौ गुरू मिले तो भी सस्ता जान।

विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्या शाखा के निदेशक प्रो. पीके पांडेय ने कहा कि शैक्षिक प्रशासन में बीएड और एमएड की डिग्री धारकों के नियुक्ति सरकार द्वारा की जायेगी। उन्होंने डिग्री के साथ ही डिप्लोमा कोर्स करने के लिये छात्रों को प्रेरित किया। श्री पांडेय ने कहा कि अब अध्ययन केन्द्र पर ही अधिन्यास जमा होंगे वहीं मूल्यांकन का कार्य भी होगा। कार्यक्रम में डा. राजीव प्रकाश सिंह, डा. कपिलदेव सिंह, डा. समरबहादुर सिंह, डा. सत्येन्द्र सिंह ने भी विचार व्यक्त किया। अध्यक्षता प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्रीप्रकाश सिंह, संचालन डा. अजय दूबे तथा आभार ज्ञापन प्राचार्य डा. विनोद सिंह ने किया। इस अवसर पर शिक्षक प्रशिक्षण विभाग द्वारा प्रकाशित पत्रिका अभिव्यक्ति का विमोचन किया गया। अतिथियों को स्मृति चिन्ह एंव अंगवस्त्रम् देकर सम्मानित किया गया। उक्त अवसर पर वीरेन्द्र प्रताप सिंह एडवोकेट, डा. धर्मराज सिंह, संजय सिंह, डा. हरिओम त्रिपाठी, डा. आरएन ओझा, भारतेन्दु मिश्र, डा. अरूण चतुर्वेदी, डा. राजीव, डा. अजय आदि उपस्थित रहे।

सोमवार,10 सितंबर, 2018
पिछले अंक
मिड-डे मील का पैसा नहीं शिक्षकों को कहा से दें: केंद्र 09 | डाइटिंग से धोखा न खाएं, हो जाएंगे मोटे 14
हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
सुषमा को पत्र

www.livehindustan.com
जौनपुर | आज का दिन 1887 में उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री गोविंद वल्लभ पंत का जन्म अल्मोड़ा जिले में हुआ। | हिन्दुस्तान 02

रोल माडल बनने की जरूरत

जौनपुर | निज संवाददाता

तिलकधारी कालेज में रविवार को दूरस्थ शिक्षा अभिविन्यास सम्मान समारोह आयोजित हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में बोलते हुए कुलपति उ. प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विवि इलाहाबाद के प्रो. केएन. सिंह ने कहा संपूर्ण विश्व में सर्वाधिक संसाधन भारत में होने के बावजूद हम उसका उचित उपयोग नहीं कर पा रहे हैं।

जबकि आवश्यकता इस बात की है कि हम संपूर्ण क्षमता के साथ अपने ज्ञान का उपयोग करें। शिक्षक होने के नाते यदि हम कुछ रोल माडल खड़ा कर सकें। विशिष्ट अतिथि प्रो. पीके पांडेय ने दूरस्थ शिक्षा के विभिन्न कार्यक्रमों से विद्यार्थियों को जोड़ने के लिए प्रेरित किया।

टीडी कालेज में आयोजित समारोह में पत्रिका का विमोचन करते उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि इलाहाबाद के कुलपति प्रो. केएन सिंह व अन्य। • हिन्दुस्तान

डा. समर बहादुर सिंह ने हरियाणा, बिहार, पंजाब, मध्य प्रदेश ,राजस्थान, छत्तीसगढ़ प्रदेशों से नियमित रूप से उपस्थित रहने वाले छात्रों की प्रशंसा की। मुख्य अतिथि ने शिक्षक शिक्षा विभाग की वार्षिक पत्रिका अभव्यिक्त डा. अजय कुमार दुबे द्वारा संपादित का विमोचन किया गया।डा. राजीव प्रकाश सिंह, अशोक सिंह ने विभिन्न पाठ्यक्रमों पर चर्चा की। इस मौके पर डा. केडी सिह, डा. विनय कुमार सिंह, डा. सुधांशु सिन्हा, डा. जयप्रकाश सिंह, सीमांत राय, डा. डीआर सिंह, संजय सिंह व अन्य मौजूद रहे।

कार्यक्रम का संचालन डा. अजय कुमार दुबे व अध्यक्षता श्रीप्रकाश सिंह व आभार डा. विनोद कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया।

अमर उजाला
वाराणसी
amarujala.com | विदाई | रिटायरमेंट आज, मगर पद नहीं छोड़ेंगे अलीबाबा के चेयरमैन जैक मा...16 | उत्तर प्रदेश
अमर उजाला | जौनपुर | amarujala.com | 5

छात्रों के सामने रोल मॉडल रखें शिक्षक

शिक्षक शिक्षा अभिविन्यास सम्मान समारोह में अभिव्यक्ति नाम की पत्रिका का विमोचन करते अतिथि वह प्रोफेसर के एन सिंह।। अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

जौनपुर। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कहा कि सर्वाधिक संसाधन भारत में होने के बावजूद हम उसका उचित उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। आवश्यकता इस बात की है कि हम संपूर्ण क्षमता के साथ अपने ज्ञान का उपयोग करें। शिक्षक होने के नाते यदि हम कुछ रोल मॉडल तैयार करें। वह रविवार को टीडी कालेज में शिक्षक शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित आयोजित दूरस्थ शिक्षा अभिविन्यास एवं सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

विशिष्ट अतिथि प्रो. पीके पांडेय ने दूरस्थ शिक्षा के विभिन्न कार्यक्रमों से जुड़ने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किाय। बीएड के विभागाध्यक्ष डा. समर बहादुर सिंह ने हरियाणा, बिहार, पंजाब, मध्य प्रदेश ,राजस्थान, छत्तीसगढ़ से नियमित रूप से उपस्थित रहने पर विद्यार्थियों को प्रशंसा की। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा शिक्षक शिक्षा विभाग के प्राध्यापक डा. अजय कुमार द्विवेदी द्वारा संपादित वार्षिक पत्रिका अभिव्यक्ति का विमोचन किया। कालेज के प्रबंधक अशोक कुमार सिंह और डा. राजीव प्रकाश सिंह ने भी विचार रखे। कार्यक्रम में डा. केडी सिंह ,डा. विनय सिंह, डा. सुधांशु सिन्हा, डा. जयप्रकाश सिंह, सीमांत राय, डा. डीआर सिंह मौजूद रहे। संचालन डा. अजय दुबे ने किया। अध्यक्षता श्रीप्रकाश सिंह ने की। प्राचार्य डा. विनोद कुमार सिंह ने आभार प्रस्तुत किया।

देश दुनिया की नई खबरों के साथ...
नया सबेरा
www.nayasabera.com

संपूर्ण क्षमता के साथ करें अपने ज्ञान का उपयोग : प्रोफेसर केएन सिंह

टीडी कालेज में दूरस्थ शिक्षा अभिविन्यास एवं सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

नया सबेरा नेटवर्क

जौनपुर। शिक्षक शिक्षा विभाग टीडी कॉलेज जौनपुर द्वारा आयोजित दूरस्थ शिक्षा अभिविन्यास एवं सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में बोलते हुए प्रोफेसर केएन सिंह कुलपति उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद ने कहा कि संपूर्ण विश्व में सर्वाधिक संसाधन भारत में होने के बावजूद हम उसका उचित उपयोग नहीं कर पा रहे हैं, जबकि आवश्यकता इस बात की है कि हम संपूर्ण क्षमता के साथ अपने ज्ञान का उपयोग करें। शिक्षक होने के नाते यदि हम कुछ रोल मॉडल खड़ा कर सकें देश के प्रति समर्पित होकर समाज हित में सोचने और कार्य करने के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर पीके पांडेय ने दूरस्थ शिक्षा के विभिन्न कार्यक्रमों से विद्यार्थियों को जोड़ने के लिए प्रेरित किया। डॉ. समर बहादुर सिंह ने हरियाणा, बिहार, पंजाब, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ प्रदेशों से नियमित रूप से उपस्थित रहने तथा सक्रिय सहभागिता के लिए विद्यार्थियों को प्रशंसा की।

मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा शिक्षक शिक्षा विभाग की वार्षिक पत्रिका "अभिव्यक्ति " डॉ. अजय कुमार दुबे द्वारा संपादित का विमोचन किया गया। डॉ. राजीव प्रकाश सिंह, अशोक कुमार सिंह ने राजर्षि टंडन के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेकर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को अभिप्रेरित किया।

इस कार्यक्रम में डॉ. केडी सिंह, डॉ. विनय कुमार सिंह, डॉ. सुधांशु सिन्हा, डॉ. जयप्रकाश सिंह, सीमांत राय, डॉ. डीआर सिंह, संजय सिंह, वीरेंद्र सिंह, डॉ. सत्येंद्र कुमार सिंह, डॉ. अजय कुमार सिंह, डॉ. अरुण कुमार सिंह, अरुण कुमार चतुर्वेदी, डॉ. आरएन ओझा, डॉ. हरिओम त्रिपाठी आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। संचालन डॉ. अजय कुमार दुबे एवं अध्यक्षता श्री प्रकाश सिंह तथा आभार डॉ. विनोद कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया।

मुक्त चिंतन News Letter
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad
हम पहुँचे वहॉं, पहुँचा न कोई जहॉं
11 सितम्बर, 2018

मुक्त विश्वविद्यालय में ''विकास की भारतीय अवधारणा'' पर व्याख्यान

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्‌घाटन करते हुए माननीय अतिथिगण।

दीक्षान्त समारोह व्याख्यानमाला श्रृंखला का चतुर्थ व्याख्यान आज दिनाँक 11 सितम्बर, 2018 को **'विकास की भारतीय अवधारणा'** विषय पर आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता विधान परिषद बिहार के पूर्व सदस्य डॉ0 हरेन्द्र प्रताप पाण्डेय जी, मुख्य अतिथि शहर उत्तरी विधान सभा इलाहाबाद के माननीय विधायक इंजी0 हर्षवर्द्धन बाजपेयी जी रहे तथा अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी द्वारा की गयी।

प्रारम्भ में वन्देमातरम गीत तथा अतिथियों का स्वागत एवं विश्वविद्यालय की विकास यात्रा का विस्तार में वर्णन व्याख्यानमाला के संयोजक प्रोफेसर प्रो. ओमजी गुप्ता ने किया। व्यायानमाला का संचालन डा. ज्ञान प्रकाश यादव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता ने किया। विश्वविद्यालय की तरफ से मुख्य अतिथि इं0 हर्ष बर्धन बाजपेयी जी एवं मुख्य वक्ता डॉ0 हरेन्द्र प्रताप पाण्डेय जी का स्मृतिचिन्ह एवं अंगवस्त्रम से कुलपति प्रो0 सिंह ने सम्मान किया।

स्वामी विवेका नन्द जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए माननीय कुलपति जी।

वन्देमातरम गीत प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम संयोजक प्रो0 आमजी गुप्ता।

व्यायानमाला कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव।

मुख्य वक्ता डॉ0 हरेन्द्र प्रताप पाण्डेय जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए डॉ0 गौरव संकल्प,मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करती हुई डॉ0 मीरा पाल एवं मुख्य अतिथि इंजी0 हर्षवर्द्धन बाजपेयी जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए डॉ0 अनिल सिंह भदौरिया।

अतिथियों का स्वागत एवं विश्वविद्यालय की विकास यात्र का वर्णन करते हुए व्याख्यानमाला के संयोजक प्रोफेसर ओमजी गुप्ता।

मुख्य वक्ता डॉ0 हरेन्द्र प्रताप जी एवं मुख्य अतिथि इंजी0 हर्षवर्द्धन बाजपेयी जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए मान्नीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

डॉ0 हरेन्द्र प्रताप पाण्डेय

देश में स्वचेतना का विकास हो– डॉ0 हरेन्द्र

''विकास की भारतीय अवधारणा'' पर व्याख्यान देते हुए मुख्य वक्ता डॉ0 हरेन्द्र प्रताप पाण्डेय, पूर्व सदस्य, विधान परिषद, बिहार ने कहा कि देश में स्वचेतना विकसित करनी है। उन्होंने कहा कि भारत में आज तक नकारात्मक बातें ही हुई हैं जिससे लोगों में हीनभावना का विकास हुआ है। इस स्थिति से विकास की ओर राष्ट्र को उन्मुख करने हेतु नागरिकों में स्व की अवधारणा का विकास करना होगा जिससे वे अपने अतीत को समझ सकें। उन्होंने कहा कि पश्चिम का अंधानुकरण न करते हुए भारत में उपलब्ध श्रेष्ठ ज्ञान द्वारा देश को विकसित किया जाना चाहिए। देश में जो विकास का माडल अपनाया गया है उसको भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल ढालकर अपनाया जाना चाहिए। उन्होने भारतीय परिवेश में दिये गये उदाहरणों के आधार पर अपनी बात रखी।

इंजी0 हर्षवर्द्धन बाजपेयी

स्वास्थ्य सेवाएं तथा शिक्षा विकास के पैमाने– हर्षवर्द्धन

मुख्य अतिथि शहर उत्तरी क्षेत्र के विधायक इंजी0 हर्षवर्द्धन बाजपेयी ने उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में मंगलवार को आयोजित ''दीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमाला'' के दौरान कहा कि सामाजिक आधारभूत संरचना, कानून व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं एवं शिक्षा पर जोर देकर विकास के उच्च पैमानों को स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा विकास के लिए आवश्यक है।

मुख्य अतिथि श्री बाजपेयी ने भारत की शिक्षण संस्थाओं का आहवान किया कि वे लोगों के कल्याण के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों को सिर्फ स्नातक या रोजगार देने तक ही सीमित नहीं होना चाहिए वरन शोध कार्यों द्वारा शिक्षा एवं समाज की गुणवत्ता में अभिवृद्धि करनी चाहिये।

सभागार में उपस्थित विश्वविद्यालय के अधिकारी, निदेशक, शिक्षक एवं कर्मचारीगण।

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

देश में समविकास की आवश्यकता– प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि आज के समय में विकास के साथ–2 समविकास की आवश्यकता है। इसमें सकल राष्ट्रीय खुशहाली को सम्मिलित करना होगा जिससे भारत में न्यायपूर्ण विकास को सुनिश्चित किया जा सके।

सभागार में उपस्थित विश्वविद्यालय के अधिकारी, निदेशक, शिक्षक एवं कर्मचारीगण।

धन्यवाद ज्ञापन
करते हुए
कुलसचिव,
डॉ0 अरुण कुमार गुप्ता

अखण्ड सौभाग्य व्रत हरतालिका तीज आज
इलाहाबाद, बुधवार, 12 सितम्बर, 2018
परख सच की
जनसंदेश टाइम्स

इलाहाबाद

बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा विकास के लिए आवश्यकः हर्षवर्द्धन

मुक्त विश्वविद्यालय में विकास की भारतीय अवधारणा पर व्याख्यान

जनसंदेश न्यूज

इलाहाबाद। सामाजिक आधारभूत संरचना, कानून व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं एवं शिक्षा पर जोर देकर विकास के उच्च पैमानों को स्थापित किया जा सकता है। बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा विकास के लिए अवि आवश्यक है।

उक्त बातें शहर उत्तरी क्षेत्र के विधायक हर्षवर्द्धन बाजपेयी ने उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में मंगलवार को आयोजित ह्यदीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमालाह्न के दौरान व्यक्त किया। उन्होंने भारत की शिक्षण संस्थाओं का आह्वान किया कि वे लोगों के कल्याण के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों को सिर्फ स्नातक या रोजगार देने तक ही सीमित नहीं होना चाहिए वरन शोध कार्यों द्वारा शिक्षा एवं समाज की गुणवत्ता में अभिवृद्धि करनी चाहिये।

मुख्य वक्ता डा.हरेन्द्र प्रताप पाण्डेय, पूर्व सदस्य, विधान परिषद बिहार ने ह्यविकास की भारतीय अवधारणाह्न पर व्याख्यान देते हुए कहा कि देश में स्वचेतना विकसित करनी है। भारत में आज तक नकारात्मक बातें ही हुई हैं, जिससे लोगों में हीन भावना का विकास हुआ है। इस स्थिति से विकास की ओर राष्ट्र को उन्मुख करने हेतु नागरिकों में स्व की अवधारणा का विकास करना होगा। जिससे वे अपने अतीत को समझ सकें। उन्होंने कहा कि पश्चिम का अंधानुकरण न करते हुए भारत में उपलब्ध श्रेष्ठ ज्ञान द्वारा देश को विकसित किया जाना चाहिए। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि आज के समय में विकास के साथ-साथ समविकास की आवश्यकता है। इसमें सकल राष्ट्रीय खुशहाली को सम्मिलित करना होगा, जिससे भारत में न्यायपूर्ण विकास को सुनिश्चित किया जा सके। व्याख्यान का संचालन डा. ज्ञान प्रकाश यादव ने तथा अतिथियों का स्वागत प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा के निदेशक एवं व्याख्यानमाला के संयोजक प्रो.ओमजी गुप्ता ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डा. अरूण कुमार गुप्त ने किया।

संबोधित करते विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी

इलाहाबाद, बुधवार
12 सितंबर 2018
नगर संस्करण***
मूल्य ₹ 5.00
पृष्ठ 18
दैनिक जागरण
www.jagran.com

स्कूली पाठ्यक्रम में कटौती करेगी एनसीईआरटी 3

अक्टूबर तक गन्ना भुगतान नहीं करने पर चलेगा डंडा : सीएम 3

दैनिक जागरण इलाहाबाद, 12 सितंबर 2018
इलाहाबाद अंचल जागरण

स्वास्थ्य सेवाएं और शिक्षा विकास के पैमाने

जासं, इलाहाबाद : सामाजिक आधारभूत संरचना, कानून व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं एवं शिक्षा पर जोर देकर विकास के उच्च पैमाने को स्थापित किया जा सकता है। यह उद्‌गार शहर उत्तरी क्षेत्र के विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी ने व्यक्त किए। वे उप्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में मंगलवार को आयोजित 'दीक्षा समारोह विशेष व्याख्यानमाला' के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा विकास के लिए आवश्यक हैं। कहा कि शिक्षण संस्थानों को सिर्फ स्नातक या रोजगार देने तक ही सीमित नहीं होना चाहिए वरन शोध कार्यों द्वारा शिक्षा एवं समाज की गुणवत्ता में अभिवृद्धि करनी चाहिए। 'विकास की भारतीय अवधारणा' पर व्याख्यान देते हुए मुख्य वक्ता बिहार विप के पूर्व सदस्य डॉ. हरेंद्र प्रताप पांडेय ने कहा कि देश में स्वचेतना विकसित करनी है।

भारत संवाद
...क्रांतिबीज

स्वास्थ्य सेवाएं तथा शिक्षा विकास के पैमाने- हर्षवर्द्धन

इलाहाबाद(भरत संवाद) उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में मंगलवार को आयोजित "दीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमाला" में शहर उत्तरी क्षेत्र के विधायक इंजी0 हर्षवर्द्धन बाजपेयी ने कहा कि सामाजिक आधारभूत संरचना, कानून व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं एवं शिक्षा पर जोर देकर विकास के उच्च पैमानों को स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा विकास के लिए आवश्यक है।

मुख्य अतिथि श्री बाजपेयी ने भारत की शिक्षण संस्थाओं का आहवान किया कि वे लोगों के कल्याण के लिए कार्य करें।उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों को सिर्फ स्नातक या रोजगार देने तक ही सीमित नहीं होना चाहिए वरन शोध कार्यों द्वारा शिक्षा एवं समाज की गुणवत्ता में अभिवृद्धि करनी चाहिये।

"विकास की भारतीय अवधारणा" पर व्याख्यान देते हुए मुख्य वक्ता डॉ0 हरेन्द्र प्रताप पाण्डेय, पूर्व सदस्य, विधान परिषद, बिहार ने कहा कि देश में स्वचेतना विकसित करनी है। उन्होंने कहा कि भारत में आज तक नकारात्मक बातें ही हुई हैं जिससे लोगां में हीनभावना का विकास हुआ है। इस स्थिति से विकास की ओर राष्ट्र को उन्मुख करने हेतु नागरिकों में स्व की अवधारणा का विकास करना होगा जिससे वे अपने अतीत को समझ सकें। उन्होंने कहा कि पश्चिम का अंधानुकरण न करते हुए भारत में उपलब्ध श्रेष्ठ ज्ञान द्वारा देश को विकसित किया जाना चाहिए।

कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि आज के समय में विकास के साथ-2 समविकास की आवश्यकता है। इसमें सकल राष्ट्रीय खुशहाली को सम्मिलित करना होगा जिससे भारत में न्यायपूर्ण विकास को सुनिश्चित किया जा सके।

व्याख्यान का संचालन डा. ज्ञान प्रकाश यादव ने किया। अतिथियों का स्वागत प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा के निदेशक एवं व्याख्यानमाला के संयोजक प्रो0 ओमजी गुप्ता ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. अरूण कुमार गुप्त ने किया।

Tags # allahabad # national

दोस्तों को बताएं

http://www.bharatsamvad.online/2018/09/bl

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

....सच का आधार

वर्ष : 9 अंक : 164 इलाहाबाद, बुधवार 12 सितम्बर 2018 पृष्ठ 8 मूल्य : 1 रुपया

विविध :राजस्थान की जनता को भ्रमित ... | विचार :भारत बन्द के बहाने बेईमान ... | सिनेमा :स्वरा को लेकर अग्निहोत्री ने किया ....

बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा विकास के लिए आवश्यकः हर्षवर्द्धन

इलाहाबाद। सामाजिक आधारभूत संरचना, कानून व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं एवं शिक्षा पर जोर देकर विकास के उच्च पैमानों को स्थापित किया जा सकता है। बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा विकास के लिए अति आवश्यक है। उक्त बातें शहर उत्तरी क्षेत्र के विधायक हर्षवर्द्धन बाजपेयी ने उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में मंगलवार को आयोजित 'दीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमाला' के दौरान व्यक्त किया। उन्होंने भारत की शिक्षण संस्थाओं का आह्वान किया कि वे लोगों के कल्याण के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों को सिर्फ सनतक या रोजगार देने

मुविवि में ''विकास की भारतीय अवधारणा'' पर व्याख्यान

तक ही सीमित नहीं होना चाहिए वरन शोध कार्यों द्वारा शिक्षा एवं समाज की गुणवत्ता में अभिवृद्धि करनी चाहिये। मुख्य वक्ता डा.हरेन्द्र प्रताप पाण्डेय, पूर्व सदस्य, विधान परिषद बिहार ने 'विकास की भारतीय अवधारणा' पर व्याख्यान देते हुए कहा कि देश में स्वचेतना विकसित करनी है। भारत में आज तक नकारात्मक बातें ही हुई है, जिससे लोगों में हीन भावना का विकास हुआ है। इस स्थिति से विकास की ओर राष्ट्र को उन्मुख करने हेतु नागरिकों में स्व की अवधारणा का विकास करना होगा। जिससे वे अपने अतीत को समझ सकें। उन्होंने कहा कि पश्चिम का अंधानुकरण न करते हुए भारत में उपलब्ध श्रेष्ठ ज्ञान द्वारा देश को विकसित किया जाना चाहिए। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि आज के समय में विकास के साथ-साथ समविकास की आवश्यकता है। इसमें सकल राष्ट्रीय खुशहाली को सम्मिलित करना होगा, जिससे भारत में न्यायपूर्ण विकास को सुनिश्चित किया जा सके। व्याख्यान का संचालन डा. ज्ञान प्रकाश यादव ने तथा अतिथियों का स्वागत प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा के निदेशक एवं व्याख्यानमाला के संयोजक प्रो.ओमजी गुप्ता ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डा. अरूण कुमार गुप्त ने किया।

बुधवार,12 सितंबर, 2018 | पिछले अंक

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा विकास का पैमाना

इलाहाबाद। सामाजिक आधारभूत संरचना, कानून व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं एवं शिक्षा पर जोर देकर विकास का उच्च पैमाना स्थापित कर सकते हैं।

यह विचार शहर उत्तरी के विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी ने व्यक्त किए। वह राजर्षि टंडन मुक्त विवि में दीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमाला के तहत 'विकास की भारतीय अवधारणा' विषयक व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। मुख्य वक्ता डॉ. हरेंद्र प्रताप पांडेय ने विचार रखे। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

|| सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ||

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

15 सितम्बर, 2018

अजय सिंह बने मुविवि के वित्त अधिकारी

उत्तर प्रदेश शासन ने उत्तर प्रदेश वित्त एवं लेखा सेवा के अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद का वित्त अधिकारी नियुक्त किया है। नवनियुक्त वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह ने शनिवार को श्री डी0पी0 त्रिपाठी से कार्यभार ग्रहण कर लिया। श्री त्रिपाठी अभी तक मुक्त विश्वविद्यालय में वित्त अधिकारी का अतिरिक्त कार्यभार देख रहे थे। एक सादे समारोह में आज नवागत वित्त अधिकारी श्री सिंह का विश्वविद्यालय में स्वागत किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्त, निवर्तमान वित्त अधिकारी श्री डी0पी0 त्रिपाठी, परीक्षा नियंत्रक डॉ0 जी0के0 द्विवेदी, सभी विद्याशाखाओं के निदेशक, शिक्षक, उपकुलसचिव, लेखाकार आदि ने श्री सिंह को बधाई दी।

समारोह का संचालन एवं अतिथियों का परिचय कराते हुए कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्त

निवर्तमान वित्त अधिकारी श्री डी0पी0 त्रिपाठी जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए प्रभारी निदेशक शिक्षा विद्याशाखा प्रो0 पी0के0 पाण्डेय जी एवं नवागत वित्त अधिकारी श्री अजय सिंह जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए निदेशक प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा प्रो0 ओमजी गुप्ता

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए निदेशक प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा प्रो0 ओमजी गुप्ता

कार्यक्रम में अपने –अपने विचार व्यक्त करते हुए निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा प्रो0 जी0एस0 शुक्ल जी एवं प्रभारी निदेशक शिक्षा विद्याशाखा प्रो0 पी0के0 पाण्डेय जी

कार्यक्रम में अपने –अपने विचार व्यक्त करते हुए निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाखा प्रो0 सुधाशुं त्रिपाठी जी एवं निदेशक कृषि विज्ञान विद्याशाखा प्रो0 पी0पी0 दुबे जी

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए उपकुलसचिव डॉ0 राजेश कुमार पाण्डेय जी।

कार्यक्रम
में अपने
विचार व्यक्त
करते हुए
उपकुलसचिव
श्री सुखराम मथुरिया जी।

कार्यक्रम
में अपने
विचार व्यक्त
करते हुए
परीक्षा नियंत्रक
डॉ0 जी0के0 द्विवेदी जी।

कार्यक्रम
में अपने
विचार व्यक्त
करते हुए
निदेशक मानविकी विद्याशाखा
प्रो0 आर0पी0एस0 यादव जी।

कार्यक्रम
में अपने
विचार व्यक्त
करते हुए
निवर्तमान वित्त अधिकारी
श्री डी0पी0 त्रिपाठी जी।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए नवनियुक्त वित्त अधिकारी श्री अजय सिंह जी।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

भारत संवाद
...क्रांतिबीज

अजय सिंह बने मुविवि के वित्त अधिकारी

इलाहाबाद, (भारत संवाद) उत्तर प्रदेश शासन ने उत्तर प्रदेश वित्त एवं लेखा सेवा के अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद का वित्त अधिकारी नियुक्त किया है। नवनियुक्त वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह ने शनिवार को श्री डी0पी0 त्रिपाठी से कार्यभार ग्रहण कर लिया। श्री त्रिपाठी अभी तक मुक्त विश्वविद्यालय में वित्त अधिकारी का अतिरिक्त कार्यभार देख रहे थे। एक सादे समारोह में आज नवागत वित्त अधिकारी श्री सिंह का विश्वविद्यालय में स्वागत किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्त, परीक्षा नियंत्रक डॉ0 जी0के0 द्विवेदी, सभी विद्याशाखाओं के निदेशक, शिक्षक, उपकुलसचिव, लेखाकार आदि ने श्री सिंह को बधाई दी।

रविवार,16 सितंबर, 2018 पिछले अंक
रविवासरीय हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
चुनौतियों के बावजूद आर्थिक विकास दर उम्मीद से बेहतर पेज 14 | कबड्डी में दंगल : कोर्ट के आदेश पर हुआ ट्रायल तमाशा बना पेज 16
रविवार, 16 सितंबर 2018, इलाहाबाद www.livehindustan.com

मुक्त विवि में बढ़ी दाखिले की तिथि

इलाहाबाद। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में सत्र जुलाई 2018-19 के दूरस्थ शिक्षा पद्धति के अंतर्गत सामान्य कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर तीस सितंबर कर दी गयी है।

यह जानकारी प्रवेश प्रभारी प्रो. आरपीएस यादव ने दी। उन्होंने बताया कि शिक्षार्थियों, अभिभावकों एवं अध्ययन केन्द्र समन्वयकों की अत्यधिक मांग को देखते हुए तिथि बढ़ाई गई है। 11 क्षेत्रीय केन्द्रों इलाहाबाद, वाराणसी, लखनऊ, बरेली, फैजाबाद, गोरखपुर, कानपुर, झांसी, आगरा, मेरठ व गाजियाबाद के अन्तर्गत आने वाले 1000 से अधिक अध्ययन केन्द्रों में शिक्षार्थी प्रवेश ले सकते हैं।

अजय सिंह बने मुक्त विवि के वित्त अधिकारी

इलाहाबाद। शासन ने उत्तर प्रदेश वित्त एवं लेखा सेवा के अधिकारी अजय कुमार सिंह को राजर्षि टंडन मुक्त विवि का वित्त अधिकारी नियुक्त किया है। उन्होंने शनिवार को डीपी त्रिपाठी से कार्यभार ग्रहण किया। त्रिपाठी मुक्त विवि में वित्त अधिकारी का अतिरिक्त कार्यभार देख रहे थे। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह, कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्त, परीक्षा नियंत्रक डॉ. जीके द्विवेदी, सभी विद्याशाखाओं के निदेशक, शिक्षक आदि थे।

जनसंदेश टाइम्स
परख सच की
इलाहाबाद, रविवार, 16 सितम्बर, 2018
इलाहाबाद

अजय सिंह बने मुविवि के वित्त अधिकारी

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश शासन ने उ.प्र वित्त एवं लेखा सेवा के अधिकारी अजय कुमार सिंह को उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद का वित्त अधिकारी नियुक्त किया है।

नवनियुक्त वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह ने शनिवार को डी.पी त्रिपाठी से कार्यभार ग्रहण कर लिया। श्री त्रिपाठी अभी तक मुक्त विश्वविद्यालय में वित्त अधिकारी का अतिरिक्त कार्यभार देख रहे थे। एक सादे समारोह में शनिवार को नवागत वित्त अधिकारी श्री सिंह का विश्वविद्यालय में स्वागत किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह, कुलसचिव डा.अरूण कुमार गुप्त, परीक्षा नियंत्रक डा.जी.के द्विवेदी सहित सभी विद्याशाखाओं के निदेशक, शिक्षक, उपकुलसचिव, लेखाकार आदि ने श्री सिंह को बधाई दी।

प्रदेश के मुक्त विश्वविद्यालयों में प्रवेश की तिथि बढ़ी

इलाहाबाद। प्रदेश के उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के 11 क्षेत्रीय केन्द्रों में सत्र जुलाई 2018-19 के दूरस्थ शिक्षा पद्धति के अन्तर्गत समस्त सामान्य कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के प्रवेश की अन्तिम तिथि बढ़ाकर 30 सितम्बर कर दी गयी है। उक्त जानकारी प्रवेश प्रभारी प्रो. आर.पी.एस यादव ने देते हुए बताया कि शिक्षार्थियों, अभिभावकों एवं अध्ययन केन्द्र समन्वयकों की अत्यधिक मांग के दृष्टिगत सत्र जुलाई 2018-19 के समस्त सामान्य कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के प्रवेश की अन्तिम तिथि 15 सितम्बर से बढ़ाकर 30 सितम्बर कर दी गयी है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के 11 क्षेत्रीय केन्द्रों इलाहाबाद, लखनऊ, बरेली, वाराणसी, फैजाबाद, गोरखपुर, कानपुर, झांसी, आगरा, मेरठ व गाजियाबाद के अन्तर्गत आने वाले 1000 से अधिक अध्ययन केन्द्रों में शिक्षार्थी 30 सितम्बर तक प्रवेश ले सकते हैं।

दैनिक जागरण

एक नजर

मुक्त विवि में प्रवेश की तिथि बढ़ी

इलाहाबाद : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में जुलाई सत्र में प्रवेश की तिथि बढ़ाकर 30 सितंबर कर दी गई है। इसमें सामान्य कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर दी गई है। प्रवेश प्रभारी प्रो. आरपीएस यादव ने बताया कि विवि के 11 क्षेत्रीय केंद्रों इलाहाबाद, लखनऊ, बरेली, वाराणसी, फैजाबाद, गोरखपुर, कानपुर, झांसी, आगरा, मेरठ व गाजियाबाद के सभी अध्ययन केंद्रों में बढ़ी हुई तिथि तक प्रवेश लिया जा सकता है। जासं.

अजय मुविवि के वित्त अधिकारी

इलाहाबाद : उप्र शासन ने उत्तर प्रदेश वित्त एवं लेखा सेवा के अधिकारी अजय कुमार सिंह को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि का वित्त अधिकारी नियुक्त किया है। उन्होंने शनिवार को विवि में वित्त अधिकारी का अतिरिक्त कार्य देख रहे डीपी त्रिपाठी से कार्यभार ग्रहण कर लिया। सादे समारोह में नवनियुक्त वित्त अधिकारी का स्वागत किया। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह, कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्त, परीक्षा नियंत्रक डॉ. जीके द्विवेदी ने सभी विद्याशाखाओं के निदेशक, शिक्षक, उपकुलसचिव, लेखाकार ने बधाई दी। जासं.

SUNDAY | 16.09.2018
अमर उजाला

अजय सिंह बने मुक्त विवि के वित्त अधिकारी

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश शासन ने वित्त एवं लेखा सेवा के अधिकारी अजय कुमार सिंह को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद का वित्त अधिकारी नियुक्त किया है। अजय कुमार सिंह ने शनिवार को डीपी त्रिपाठी से वित्त अधिकारी पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया। डीपी त्रिपाठी अब तक मुक्त विश्वविद्यालय में वित्त अधिकारी का अतिरिक्त कार्यभार देख रहे थे। नवनियुक्त वित्त अधिकारी का स्वागत भी किया गया। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह, कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्त, परीक्षा नियंत्रक डॉ. जीके द्विवेदी ने वित्त अधिकारी को बधाई दी। ब्यूरो

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश की तिथि बढ़ी

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में सत्र 2018-19 के दूरस्थ शिक्षा पद्धति के तहत सभी सामान्य कार्यक्रम में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 सितंबर कर दी गई है। प्रवेश प्रभारी प्रो. आरपीएस यादव के अनुसार विश्वविद्यालय के 11 क्षेत्रीय केंद्रों के तहत एक हजार से अधिक अध्ययन केंद्रों में शिक्षार्थी 30 सितंबर तक प्रवेश ले सकते हैं। ब्यूरो

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहॉ, पहुँचा न कोई जहॉ

16 सितम्बर, 2018

PRESS CONFERENCE

PROF. K.N. SINGH

VC

U.P. R.T. OPEN UNIVERSITY

thykSu dh vatyh HkknkSfj;k dks feysxh dqykf/ifr Lo.kZ ind

m0iz0jktf"kZ V.MUk eqfofo dk 13oka nh{kkUr lekjksg 18 flrEcj] 2018 dks

bXuw ds dqyifr izks0 ukxs'oj jko nsaxs nh{kkUr Hkk"k.k

17 dks Lo.kZ ind rFkk 21 gtkj Nk=kksa dks feysxh mikf/

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद का 13 वां दीक्षान्त समारोह आगामी 18 सितम्बर 2018 को पूर्वान्ह 10.00 बजे सरस्वती परिसर स्थित पं0 मदन मोहन मालवीय दीक्षान्त समारोह स्थल पर आयोजित किया जायेगा। दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति माननीय श्री राम नाईक जी करेंगे। दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि प्रो0 नागेश्वर राव, कुलपति, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली दीक्षान्त भाषण देंगे। 13 वें दीक्षान्त समारोह में विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 17 स्वर्ण पदक प्रदान किये जायेंगे। दीक्षान्त समारोह में सत्र दिसम्बर 2017 तथा जून 2018 की परीक्षा के सापेक्ष उर्तीण लगभग 21 हजार शिक्षार्थियों को उपाधि

प्रदान की जायेगी, जिनमें छात्रों की संख्या 11173 तथा छात्राओं की संख्या 9655 हैं। यह जानकारी कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ

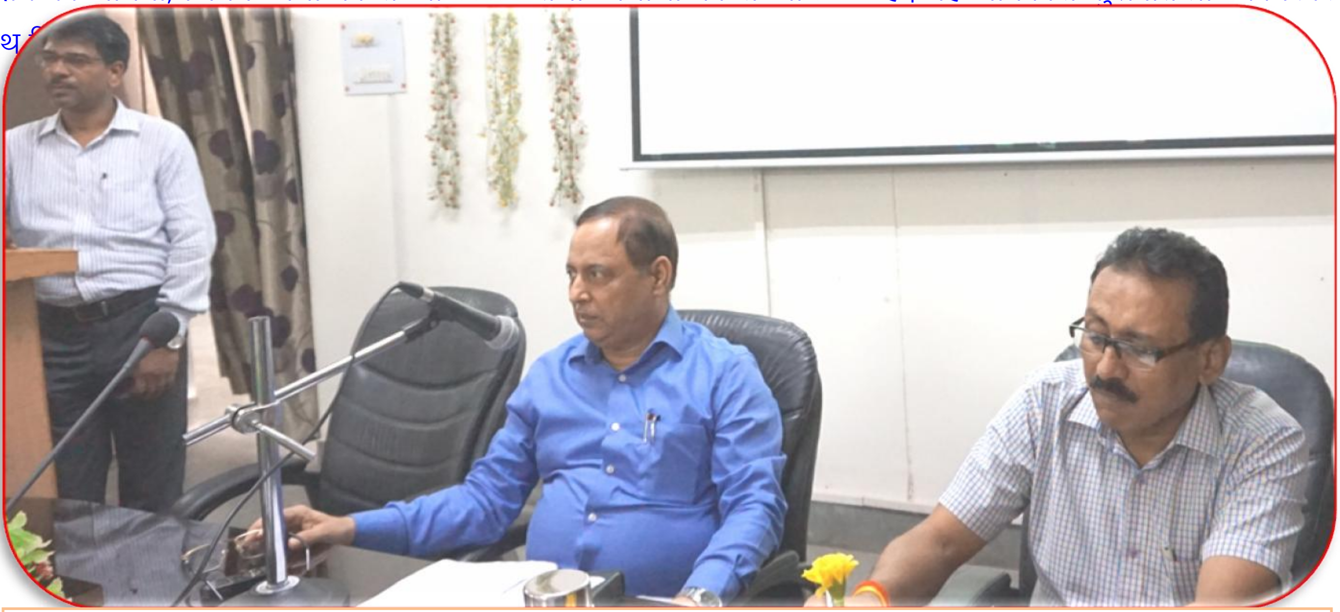

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 सतीश जैसल तथा मंचासीन माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं कुलसचिव डॉ0 ए0के0 गुप्ता ।

सभागार में उपस्थित विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक एवं परीक्षा नियंत्रक।

सभागार में उपस्थित पत्रकार बन्धु।

प्रेस वार्ता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि सरस्वती परिसर स्थित पं0 मदन मोहन मालवीय दीक्षान्त समारोह स्थल पर दीक्षान्त समारोह के भव्य आयोजन के लिए सभी आवश्यक तैयारियाँ कर ली गयी है। दीक्षान्त समारोह में शामिल होकर उपाधि प्राप्त करने के लिए लगभग 1000 शिक्षार्थियो ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया है। विश्वविद्यालय से शोध कार्य (पी.एच.डी.) पूर्ण करने वाले 26 शिक्षार्थियो को दीक्षान्त समारोह में शोध उपाधि प्रदान की जाएगी। दीक्षान्त समारोह में शामिल होने वाले के लिए सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश से शिक्षार्थी आ रहे हैं। उनमें काफी उत्साह है। प्रो0 सिंह ने बताया कि दीक्षान्त समारोह भारतीय पारम्परिक परिधान में आयोजित किया जाएगा। दीक्षान्त समारोह मे उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं के लिए सफेद धोती कुर्ता या पायजामा/पीली साड़ी या सलवार सूट एवं उत्तरीय निर्धारित किया गया हैं।

प्रो0 सिंह ने बताया कि 13 वें दीक्षान्त समारोह में कुलाधिपति स्वर्ण पदक झाँसी क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र फुन्दी सिंह लौना राजकीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय जालौन की छात्र **अंजली भदौरिया** को दिया जाएगा। अंजली ने पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक (बी.एल.आई.एस.)की परीक्षा सत्र दिसम्बर 2017 तथा जून 2018 के सापेक्ष प्रथम प्रयास एवं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। तथा समस्त विद्याशाखाओं की स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं में उत्तीर्ण समस्त स्नातक/परास्नातक शिक्षार्थियों में सर्वाधिक 85.40 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि **स्नातकोत्तर वर्ग** में विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक इस बार छह विद्याशाखाओं के टॉपर्स को दिए जा रहे हैं जिनमें मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक उपरदहा डिग्री कालेज, उपरदहा (बरौत) इलाहाबाद अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (अर्थशास्त्र) के छात्र संतोष कुमार सिंह को, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक कालीचरण डिग्री कालेज, लखनऊ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (समाजशास्त्र) के छात्र अमरनाथ गुप्ता को, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक बप्पा श्री नारायण वोकेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखनऊ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0काम की छात्र दीपाक्षी अग्रवाल को, कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक पं0 कैलाश नाथ इन्स्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेन्ट, सिधारी, आजमगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0सी0ए0 के छात्र धर्मेन्द्र यादव को,

शिक्षा विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक हीरालाल यादव बालिका डिग्री कालेज, लखनऊ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (शिक्षाशास्त्र) की छात्र रीना शाक्य को तथा विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्राइस्ट चर्च कालेज, कानपुर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0एस0सी0(जैव रसायन) की छात्र आयुषी सिंह को दिया जायेगा।

इसी प्रकार **स्नातक वर्ग** में विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक इस बार पांच विद्याशाखाओं के टॉपर्स को दिया जायेगा। जिनमें मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक फुन्दी सिंह लौना राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जालौन अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक (बी0एल0आई0एस0) की छात्र अंजली भदौरिया को, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखनऊ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत बी0ए0 की छात्र शारदा कुमारी को, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक श्री रतीराम महाविद्यालय, मथुरा अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत बी0काम की छात्र इला राना को, कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक बी0सी0आई0एस0 इन्फोटेक कैम्पस, वाराणसी अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत बी0सी0ए0 के छात्र आशीष कुमार वर्मा को तथा विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक सरदार पटेल स्मारक महाविद्यालय लारपुर अम्बेडकरनगर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत बी0एस0सी0 के छात्र रजीउल्लाह को प्रदान किया जायेगा।

प्रो0 सिंह ने बताया कि इस बार पांच मेधावी शिक्षार्थियों को दानदाता स्वर्णपदक से सम्मानित किया जायेगा। जिनमें श्री कैलाशपत नेवेटिया स्मृति स्वर्णपदक विश्वविद्यालय मुख्य परिसर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0बी0ए0 की छात्र सलिला तिवारी को, स्वर्गीय अनिल–मीना चक्रवर्ती स्मृति स्वर्ण पदक नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय लखनऊ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत बी0ए0 की छात्र शारदा कुमारी तथा विश्वविद्यालय मुख्य परिसर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (राजनीति विज्ञान) की छात्र आराधना चौबे को दिया जायेगा। छात्राओं में शिक्षा के प्रति जागरूकता एवं अभिरूचि उत्पन्न करने तथा महिलाओं में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त, करने वाली महिला शिक्षार्थियों के लिए दानदाता स्वर्ण–पदक की घोषणा दानदाताओं ने की है।

इसके साथ ही दो अन्य दानदाता स्वर्ण पदक भी मेधावी शिक्षार्थियों को दिये जाएंगे। जिनमें प्रो0 एम0पी0 दुबे पर्यावरण/गांधी चिन्तन एवं शांति अध्ययन उत्कृष्टता स्वर्णपदक आर0बी0एस0 कालेज, आगरा अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (समाजकार्य) के छात्र अजय कुमार को एवं प्रो0 एम0पी0 दुबे दिव्यांग मेधा स्वर्ण पदक बप्पा श्री नारायण वोकेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखनऊ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (अंग्रेजी) की छात्र अर्चना दुबे को दिया जायेगा।

प्रो0 सिंह ने बताया कि दीक्षान्त समारोह में उपाधि प्राप्त करने के लिए शिक्षार्थियों के उत्साह को देखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा उपाधि वितरण की समुचित व्यवस्था की गयी है। दीक्षान्त समारोह में शामिल होने वाले शिक्षार्थियों को उत्तरीय 17 सितम्बर को शांतिपुरम फाफामऊ स्थित विश्वविद्यालय मुख्यालय से वितरित किए जायेंगे। समारोह स्थल पर पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है।

प्रो0 सिंह ने बताया कि मुक्त विश्वविद्यालय के कई पुराछात्र देश के शीर्ष संस्थानों में कार्यरत हैं। इन्हीं में मुक्त विश्वविद्यालय से एम0बी0ए0 के द्वितीय बैच के छात्र रहे प्रो0 राजकुमार वर्तमान में पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ के कुलपति के पद पर कार्यरत है।

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

....सच का आधार

जालौन की अंजली भदौरिया को मिलेगा कुलाधिपति स्वर्ण पदक

इलाहाबाद, 16 सितम्बर (हि.स.)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद का 13वां दीक्षान्त समारोह 18 सितम्बर को आयोजित किया जायेगा। जिसकी अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति राम नाईक करेंगे तथा समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. नागेश्वर राव, कुलपति, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली दीक्षान्त भाषण देंगे।उक्त जानकारी मुक्त विवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने पत्रकारों को देते हुए बताया कि विभिनन्‍ विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षाथिन्यों को 17 स्वर्ण पदक प्रदान किये जायेंगे। सत्र दिसम्बर 2017 तथा जून 2018 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण लगभग 21 हजार शिक्षाथिन्यों को उपाधि प्रदान की जायेगी, जिनमें छात्रों की संख्या 11173 तथा छात्राओं की संख्या 9655 है। उन्होंने बताया कि दीक्षान्त समारोह के भव्य आयोजन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां कर ली गयी है। समारोह में उपाधि प्राप्त करने के लिए लगभग 1000 शिक्षाथिन्यो ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया हैं। विश्वविद्यालय से शोध कार्य (पीएचडी) पूर्ण करने वाले 26 शिक्षाथिन्यो को दीक्षान्त समारोह में शोध उपाधि प्रदान की जाएगी। प्रो. सिंह ने बताया कि दीक्षान्त समारोह में कुलाधिपति स्वर्ण पदक झांसी क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र फुन्दी सिंह लौना राजकीय सनकोत्तर महाविद्यालय जालौन की छात्रा अंजली भदौरिया को दिया जाएगा। सनतकोत्तर वर्ग मे विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक इस बार छह विद्याशाखाओं के टॉपर्स को दिए जा रहे है। इसी प्रकार सनतक वर्ग में स्वर्ण पदक पांच विद्याशाखाओं के टॉपर्स को दिया जायेगा।

17 को स्वर्ण पदक तथा 21 हजार छात्रों को मिलेगी उपाधि

भारत संवाद

जालौन की अंजली भदौरिया को मिलेगा कुलाधिपति स्वर्ण पदक, इग्नू के कुलपति प्रो0 नागेश्वर राव देंगे दीक्षान्त भाषण

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद का 13 वां दीक्षान्त समारोह 18 सितम्बर को होगा

इलाहाबाद, (भारत संवाद) उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद का 13 वां दीक्षान्त समारोह आगामी 18 सितम्बर 2018 का पूर्वान्ह 10.00 बजे सरस्वती परिसर स्थित पं0 मदन मोहन मालवीय दीक्षान्त समारोह स्थल पर आयोजित किया जायेगा। दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति माननीय श्री राम नाईक करेंगे। दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि प्रो0 नागेश्वर राव, कुलपति, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली दीक्षान्त भाषण देंगे। 13 वें दीक्षान्त समारोह में विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 17 स्वर्ण पदक प्रदान किये जायेंगे। दीक्षान्त समारोह में सत्र दिसम्बर 2017 तथा जून 2018 की परीक्षा के सापेक्ष उर्तीण लगभग 21 हजार शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की जायेगी, जिनमें छात्रों की संख्या 11173 तथा छात्राओं की संख्या 9655 हैं। यह जानकारी कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने रविवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में दी।

प्रो0 सिंह ने बताया कि सरस्वती परिसर स्थित पं0 मदन मोहन मालवीय दीक्षान्त समारोह स्थल पर दीक्षान्त समारोह के भव्य आयोजन के लिए सभी आवश्यक तैयारियाँ कर ली गयी है। दीक्षान्त समारोह में शामिल होकर उपाधि प्राप्त करने के लिए लगभग 1000 शिक्षार्थियो ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया है। विश्वविद्यालय से शोध कार्य (पी.एच.डी.) पूर्ण करने वाले 26 शिक्षार्थियो को दीक्षान्त समारोह में शोध उपाधि प्रदान की जाएगी। दीक्षान्त समारोह में शामिल होने वाले के लिए सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश से शिक्षार्थी आ रहे हैं। उनमें काफी उत्साह है। प्रो0 सिंह ने बताया कि दीक्षान्त समारोह भारतीय पारम्परिक परिधान में आयोजित किया जाएगा। दीक्षान्त समारोह मे उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए सफेद धोती कुर्ता या पायजामा/पीली साड़ी या सलवार सूट एवं उत्तरीय निर्धारित किया गया हैं।

प्रो0 सिंह ने बताया कि 13 वें दीक्षान्त समारोह में कुलाधिपति स्वर्ण पदक झाँसी क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र फुन्दी सिंह लौना राजकीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय जालौन की छात्रा अंजली भदौरिया को दिया जाएगा। अंजली ने पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक (बी.एल.आई.एस.)की परीक्षा सत्र दिसम्बर 2017 तथा जून 2018 के सापेक्ष प्रथम प्रयास एवं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। तथा समस्त विद्याशाखाओं की स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं में उत्तीर्ण समस्त स्नातक/परास्नातक शिक्षार्थियों में सर्वाधिक 85.40 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

प्रो0 सिंह ने बताया कि मुक्त विश्वविद्यालय के कई पुराछात्र देश के शीर्ष संस्थानों में कार्यरत हैं। इन्हीं में मुक्त विश्वविद्यालय से एम0बी0ए0 के द्वितीय बैच के छात्र रहे प्रो0 राजकुमार वर्तमान में पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ के कुलपति के पद पर कार्यरत है। इस अवसर पर विश्व विद्यालय परिवार के सभी शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित थे।

iciciprulife.com
Did you know these 7 things about our term plan
It fits into your tight budget

सोमवार,17 सितंबर, 2018

पिछले अंक

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

www.livehindustan.com

युवा

हिन्दुस्तान 04

उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि का 13वां दीक्षांत समारोह मंगलवार को, 16 मेधावियों को 17 स्वर्ण पदक व 21 हजार को मिलेगी उपाधि

जालौन की अंजली को कुलाधिपति स्वर्ण पदक

घोषणा

इलाहाबाद | प्रमुख संवाददाता

उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का 13वां दीक्षांत समारोह 18 सितंबर को दस बजे से सरस्वती परिसर स्थित पंडित मदन मोहन मालवीय दीक्षांत समारोह स्थल पर होगा। इसकी अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति राम नाईक करेंगे जबकि बतौर मुख्य अतिथि दीक्षांत भाषण इंदिरा गांधी

प्रो. केएन सिंह, कुलपति।

पूर्ण करने वाले 26 शिक्षार्थियो को पीएचडी की उपाधि भी दी जाएगी। यह जानकारी कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ

पांच मेधावी पाएंगे दानदाता स्वर्ण पदक

पांच मेधावियों को दानदाता स्वर्णपदक से नवाजा जाएगा। श्री कैलाशपत नेवेटिया स्मृति स्वर्णपदक मुक्त विवि मुख्य परिसर स्थित अध्ययन केंद्र से पंजीकृत एमबीए छात्रा सलिला तिवारी, स्वर्गीय अनिल-मीना चक्रवर्ती स्मृति स्वर्ण पदक नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय लखनऊ केंद्र से पंजीकृत बीए की छात्रा शारदा कुमारी व विवि मुख्य परिसर स्थित अध्ययन

पीजी स्तर पर दिए जाएंगे छह स्वर्ण पदक

स्नातकोत्तर वर्ग में विवि स्वर्ण पदक इस बार छह विद्याशाखाओ के टॉपर्स को दिए जाएंगे। मानविकी विद्याशाखा से उपरदहा डिग्री कालेज अध्ययन केंद्र से पंजीकृत एमए (अर्थशास्त्र) के छात्र संतोष सिंह, समाज विज्ञान विद्याशाखा से कालीचरण डिग्री कॉलेज लखनऊ केंद्र से पंजीकृत एमए (समाजशास्त्र) के छात्र अमरनाथ गुप्ता, प्रबंधन अध्ययन विद्याशाखा से बप्पा श्री नारायण वोकेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय लखनऊ केंद्र से पंजीकृत एमकाम की दीपाक्षी अग्रवाल, कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा से पंडित कैलाश नाथ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट सिधारी, आजमगढ़ अध्ययन केंद्र से पंजीकृत एमसीए छात्र धर्मेन्द्र यादव, शिक्षा विद्याशाखा से हीरालाल यादव बालिका डिग्री कालेज लखनऊ केंद्र से पंजीकृत एमए (शिक्षाशास्त्र) की छात्रा रीना शाक्य व विज्ञान विद्याशाखा से क्राइस्ट चर्च कॉलेज कानपुर केंद्र से पंजीकृत एमएससी (जैव रसायन) की छात्रा आयुषी सिंह को विवि स्वर्ण पदक दिया जाएगा।

स्नातक के पांच मेधावियों को मिलेगा स्वर्ण पदक

स्नातक वर्ग में पांच विद्याशाखाओ के टॉपर्स को स्वर्ण पदक दिए जाएंगे। मानविकी विद्याशाखा से फुन्दी सिंह लौना राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जालौन अध्ययन केंद्र से पंजीकृत पुस्तकालय व सूचना विज्ञान में स्नातक (बीएलआईएस) की छात्रा अंजली भदौरिया, समाज विज्ञान विद्याशाखा से नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय लखनऊ केंद्र से

अमर उजाला

इलाहाबाद
सोमवार, 17 सितंबर 2018

amarujala.com | कारोबारी जंग | चीनी सामान पर 200 अरब डॉलर का शुल्क लगाएंगे ट्रंप : पेज 16 | उत्तर प्रदेश

अंजलि को कुलाधिपति स्वर्ण पदक

मुक्त विश्वविद्यालय का 13वां दीक्षांत समारोह कल, 17 को स्वर्ण पदक

अमर उजाला ब्यूरो

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के 13वें दीक्षांत समारोह में जालौन की अंजलि भदौरिया को कुलाधिपति स्वर्ण पदक दिया जाएगा। 18 सितंबर को आयोजित होने वाले समारोह में विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 17 स्वर्ण पदक दिए जाएंगे। साथा ही सत्र दिसंबर 2017 और जून 2018 की परीक्षा में उत्तीर्ण तकरीबन 21 हजार शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की जाएगी, जिसमें 11173 छात्र और 9655 छात्राएं शामिल हैं। समारोह विवि के सरस्वती परिसर स्थित पंडित मदन मोहन मालवीय दीक्षांत समारोह स्थल पर आयोजित किया जाएगा।

कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह

मुक्त विवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता कुलाधिपति एवं राज्यपाल राम नाईक करेंगे जबकि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विवि के कुलपति प्रो. नागेश्वर राव दीक्षांत भाषण देंगे। प्रो. सिंह के अनुसार अंजलि भदौरिया झांसी क्षेत्रीय केंद्र के तहत आने वाले अध्ययन केंद्र फुंदी सिंह लौना राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की छात्रा हैं। उन्होंने पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक की परीक्षा सत्र दिसंबर 2017 एवं जून 2018 के सापेक्ष प्रथम प्रयास एवं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की और समस्त विद्याशाखाओं की स्नातक एवं स्तकोत्तर परीक्षाओं में सभी शिक्षार्थियों में सर्वाधिक 85.40 फीसदी अंक प्राप्त किए। दीक्षांत में शामिल होने के लिए तकरीबन दस हजार शिक्षार्थियों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया है। समारोह के दौरान स्नातकोत्तर वर्ग में छह और स्नातक वर्ग में पांच टॉपर्स को विवि स्वर्ण पदक दिए जाएंगे। वहीं, पांच महिला शिक्षार्थियों को दानदाता स्वर्ण पदक दिए जाएंगे। उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रों के लिए सफेद धोती कुर्ता या पायजामा और छात्राओं के लिए पीली साड़ी या सलवार सूट एवं उत्तरीय निर्धारित किया गया है।

जनसंदेश टाइम्स

इलाहाबाद

जालौन की अंजली भदौरिया को मिलेगा कुलाधिपति स्वर्ण पदक

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद का 13वां दीक्षान्त समारोह 18 सितम्बर को आयोजित किया जायेगा। जिसकी अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति राम नाईक करेंगे तथा समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. नागेश्वर राव, कुलपति, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली दीक्षान्त भाषण देंगे। उक्त जानकारी मुक्त विवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने पत्रकारों को देते हुए बताया कि विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 17 स्वर्ण पदक प्रदान किये जायेंगे। सत्र दिसम्बर 2017 तथा जून 2018 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण लगभग 21 हजार शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की जायेगी, जिनमें छात्रों की संख्या 11173 तथा छात्राओं की संख्या 9655 हैं। उन्होंने बताया कि दीक्षान्त समारोह के भव्य आयोजन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां कर ली गयी है। समारोह में उपाधि प्राप्त करने के लिए लगभग 1000 शिक्षार्थियो ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया है। विश्वविद्यालय से शोध कार्य (पीएचडी) पूर्ण करने वाले 26 शिक्षार्थियो को दीक्षान्त समारोह में शोध उपाधि प्रदान की जाएगी।

प्रो. सिंह ने बताया कि दीक्षान्त समारोह में कुलाधिपति स्वर्ण पदक जांसी क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र फुन्दी सिंह लौना राजकीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय जालौन की छात्रा अंजली भदौरिया को दिया जाएगा। स्नातकोत्तर वर्ग में विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक इस बार छह विद्याशाखाओं के टॉपर्स को दिए जा रहे हैं। इसी प्रकार स्नातक वर्ग में स्वर्ण पदक पांच विद्याशाखाओं के टॉपर्स को दिया जायेगा।

दैनिक जागरण

इलाहाबाद, सोमवार
17 सितंबर 2018
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 5.00
पृष्ठ 18
www.jagran.com
दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

जेएनयू में फिर लाल सलाम 17 | जदयू में शामिल हुए प्रशांत किशोर, लड़ेंगे चुनाव 13

युवा जागरण | 2018 | 10768

कुलाधिपति स्वर्ण पदक जालौन की अंजली भदौरिया को

जागरण संवाददाता, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का 13वां दीक्षा समारोह 18 सितंबर को सुबह 10 बजे से परिसर में होगा। अध्यक्षता राज्यपाल व कुलाधिपति राम नाईक करेंगे। मुख्य अतिथि यूपीआरटीओयू के पूर्व व इग्नू के वर्तमान कुलपति प्रो. नागेश्वर राव होंगे। इस बार कुलाधिपति स्वर्ण पदक जालौन की अंजली भदौरिया को दिया जाएगा।

इस छात्रा ने सर्वाधिक 85.40 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। अंजली ने फुंदी सिंह लौना राजकीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय जालौन से पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक किया है। इस बार 17 स्वर्ण पदक व 21 हजार शिक्षार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने रविवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी।

प्रो. सिंह ने बताया कि 26 शिक्षार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की जाएगी। उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए सफेद धोती-कुर्ता-पायजामा, पीली साड़ी या सलवार सूट एवं उत्तरीय निर्धारित किया गया है। पंजीकरण कराने वाले एक हजार विद्यार्थी उत्तरीय 17 सितंबर को शांतिपुरम फाफामऊ स्थित विश्वविद्यालय मुख्यालय से ले सकेंगे।

स्नातक में पांच को स्वर्ण पदक

मानविकी विद्याशाखा : बीएलआइएस मे अंजली भदौरिया। समाज विज्ञान : बीए मे शारदा कुमारी। प्रबन्धन अध्ययन : बीकाम की इला राना। कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान : बीसीए के आशीष कुमार वर्मा। विज्ञान विद्याशाखा : बीएससी के रजीउल्लाह को स्नातक वर्ग मे स्वर्ण पदक दिया जाएगा।

प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह।

13 वां दीक्षा समारोह राजर्षि टंडन मुक्त विवि में कल

17 मेधावियों को दिए जाएंगे स्वर्ण पदक

21 हजार छात्रों को मिलेगी उपाधि

26 शिक्षार्थियों को पीएचडी की उपाधि मिलेगी

पांच को दानदाता स्वर्ण पदक

कैलाशपत नेवेटिया स्मृति स्वर्णपदक सलिला तिवारी, स्वर्गीय अनिल-मीना चक्रवर्ती स्मृति स्वर्ण पदक शारदा कुमारी व आराधना चौबे को दिया जाएगा। प्रो. एमपी दुबे पर्यावरण/गांधी चिन्तन एवं शांति अध्ययन उत्कृष्टता स्वर्णपदक अजय कुमार को व प्रो. एमपी दुबे दिव्यांग मेधा स्वर्ण पदक अर्चना दुबे को प्रदान किया जाएगा।

स्नातकोत्तर वर्ग में छह को स्वर्ण पदक

मानविकी : एमए (अर्थशास्त्र) में छात्र संतोष कुमार सिंह। समाज विज्ञान : एमए (समाजशास्त्र) अमरनाथ गुप्ता को। प्रबन्धन : एमकाम- दीपाक्षी अग्रवाल को। कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान : एमसीए के धर्मेन्द्र यादव। शिक्षा : एमए (शिक्षाशास्त्र) रीना शाक्य को। विज्ञान : एमएससी (जैव रसायन)-आयुषी सिंह।

ईको फ्रेंडली होगा दीक्षांत समारोह नहीं करेंगे प्लास्टिक का उपयोग

» उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के लिए अनोखी पहल

allahabad@inext.co.in

ALLAHABAD (16 Sept): आमतौर पर किसी भी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में आपने प्लास्टिक गिलास का उपयोग देखा होगा. लेकिन अभिनव प्रयोग के अन्तर्गत उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में मंगलवार को आयोजित होने वाले तेरहवें दीक्षांत समारोह में प्लास्टिक की गिलास का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा. समारोह को पूरी तरह से ईको फ्रेंडली बनाने का निर्णय लिया गया है. कुलपति प्रो. केएन सिंह ने परिसर में आयोजित पत्रकार वार्ता में दो टूक कहा है कि समारोह के दौरान पंडाल और परिसर में प्लास्टिक का उपयोग नहीं किया जाएगा.

कल होगा आयोजन

उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का तेरहवां दीक्षांत समारोह मंगलवार को फाफामऊ स्थित विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में सुबह दस बजे आयोजित किया जाएगा. कुलपति प्रो. सिंह ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि इग्नू के कुलपति प्रो. नागेश्वर राव होंगे और अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति व प्रदेश के गवर्नर राम नाईक करेंगे. दीक्षांत समारोह के दौरान चांसलर गोल्ड मेडल विश्वविद्यालय के झांसी अध्ययन केन्द्र की छात्रा अंजली भदौरिया को प्रदान किया जाएगा.

17 मेधावियों को मिलेगा गोल्ड

दीक्षांत समारोह के दौरान विभिन्न विद्या शाखाओं में सर्वाधिक अंक हासिल करने वाले 17 मेधावियों को गोल्ड मेडल प्रदान किया जाएगा. प्रो. सिंह ने बताया कि सत्र दिसम्बर 2017 व जून 2018 की परीक्षा में सफल कुल 21 हजार छात्र-छात्राओं को उपाधि प्रदान की जाएगी. इसमें छात्रों की संख्या 11173 और छात्राओं की संख्या 9655 है. इस मौके पर रजिस्ट्रार डॉ. अरुण कुमार गुप्ता सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे.

इन्होंने पुस्तकालय व सूचना विभाग में स्नातक की परीक्षा सत्र दिसम्बर 2017 व जून 2018 के सापेक्ष प्रथम प्रयास व प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की और सभी ब्रांच की स्नातक व परास्नातक परीक्षाओं में सभी शिक्षार्थियों में सर्वाधिक 85.40 अंक हासिल किया है.

PIC DAINIK JAGRAN-INEXT

दैनिक जागरण inext
Mon, 17 September 2018
inextepaper.jagran.com/c/32250560

राजर्षि टंडन में 30 सितंबर तक दाखिला

फैजाबाद : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश की अंतिम तिथि 15 से बढ़ाकर 30 सितंबर कर दी गई है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो .केएन सिंह ने दी। बताया कि ऐसे सभी अभ्यर्थी जो पत्रकारिता, योगा में पीजी डिप्लोमा, जीएसटी डिप्लोमा, लाइब्रेरी साइंस, बीए, एमए, बीएससी, बीकाम, पीजीडीसीए सहित अन्य विषयों में प्रवेश लेना चाहते हैं, जो विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन प्रवेश ले सकते हैं। (संसू)

प्रवेश की अंतिम तिथि 30 तक बढ़ी

फैजाबाद।

राजर्षि पुरुषोत्तमदास टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद के कुलपति प्रो. कामेश्वरनाथ सिंह द्वारा प्रवेश की अन्तिम तिथि 15 सितम्बर से बढ़ाकर 30 सितम्बर कर दिया गया है। जिसके कारण उक्त विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सभी केन्द्रों पर संचालित विषयों में अभ्यर्थी 30 सितम्बर तक आनलाइन फार्म भर सकते हैं।

उक्त जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के जनौरा स्थित क्षेत्रीय कार्यालय के निदेशक शशिभूषण राम त्रिपाठी ने बताया कि विद्यार्थियों की आम्मद को देखते हुए कुलपति ने प्रवेश तिथि बढ़ायी है। उन्होंने बताया कि शहर में चल रहे केन्द्रों पर मुख्य रूप से योग, पत्रकारिता, फोटोग्राफी, फैशन डिजाइनिंग, जीएसटी में डिप्लोमा, लाइब्रेरी साइंस, बी.ए., एम.ए., बी.एस.सी., बी.काम, एम. काम, पीजीडीसीए अन्य विषयों में प्रवेश 30 सितम्बर तक होगा। उन्होंने यह भी बताया कि पत्राचार पद्धति से उपरोक्त विषय में प्रवेश हेतु विश्वविद्यालय के वेबसाइट www.uprtou.in पर जाकर आनलाइन प्रवेश ले सकते है और किसी भी समस्या के लिए क्षेत्रीय निदेशक से बी.एन. डिग्री कालेज के क्षेत्रीय कार्यालय से सम्पर्क कर सकते है।

अब 30 तक मुक्त विवि में लें प्रवेश

कानपुर : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में जुलाई सत्र में प्रवेश की तिथि 15 से बढ़ाकर 30 सितंबर कर दी गई है। इसमें सामान्य कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर अल्का वर्मा ने बताया कि विवि के 11 क्षेत्रीय केंद्रों कानपुर, इलाहाबाद, लखनऊ, बरेली, वाराणसी, फैजाबाद, गोरखपुर, झांसी, आगरा, मेरठ और गाजियाबाद के सभी अध्ययन केंद्रों में बढ़ी हुई तिथि तक प्रवेश

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

17 सितम्बर, 2018

विद्या परिषद् की 56वीं बैठक आयोजित

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् की 56वीं बैठक दिनांक 17 सितम्बर 2018 को अपराह्न 02:00 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

बैठक में प्रो0 बी. एन. सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष भूगोल, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 पी0पी0 दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 आर0पी0एस0 यादव, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 आशुतोष गुप्ता निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 सुधाशु त्रिपाठी, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डॉ0 सन्तोषा कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डॉ0 विनोद कुमार गुप्ता उपनिदेशक/एसोसिएट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डॉ0 साधना श्रीवास्तव असिस्टेन्ट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, श्री सुनील कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद एवं डॉ0 ए0के0 गुप्ता, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद उपस्थित रहे।

मुक्त चिंतन

विद्या परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

17 सितम्बर, 2018

कार्य परिषद् की 100वीं बैठक आयोजित

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, कार्य परिषद् की 100वीं बैठक दिनांक 17 सितम्बर, 2018 को अपराह्न 03:00 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये।

बैठक में डॉ0 आर0पी0एस0 यादव, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डॉ0 आशुतोष गुप्ता, निदेश, विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डॉ0 सन्तोषा कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद डॉ0 जी. के. द्विवेदी असि. प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद एवं डॉ0 अरुण कुमार गुप्ता, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, उपस्थित रहे।

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

17 सितम्बर, 2018

उ.प्र.राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में दीक्षान्त समारोह की पूर्व संध्या पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर सामाजिक समरसता समारोह के मुख्य अतिथि उ.प्र.सरकार के माननीय मंत्री श्री उपेन्द्र तिवारी का सम्मान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी निदेशक, अधिकारी एवं कर्मचारियों ने मंत्री जी का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

मंचासीन माननीय अतिथि एवं सभागार में उपस्थित गणमान्य नागरिक तथा विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रो0 आर0पी0एस0 यादव एवं माननीय मंत्री श्री उपेन्द्र तिवारी जी का स्वागत करता हुआ विश्वविद्यालय परिवार तथा माननीय मंत्री श्री उपेन्द्र तिवारी जी को अंगवस्त्र प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

अपने विचार व्यक्त करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

अपने विचार व्यक्त करते हुए माननीय मंत्री श्री उपेन्द्र तिवारी जी।

दैनिक जागरण

मुक्त विवि में मंत्री उपेंद्र सम्मानित

इलाहाबाद : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में दीक्षा समारोह की पूर्व संध्या पर प्रदेश के मंत्री उपेंद्र तिवारी को सम्मानित किया गया। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने उन्हें स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र प्रदान किया।

मुक्त चिंतन News Letter
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ
18 सितम्बर, 2018

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव डॉ0 ए0के0 गुप्ता

mRrj izns'k esa mPp f'k{kk dh xkM+h vc iVjh ij & jkT;iky

lqlaLd`r lekt ds fuekZ.k dk nkf;Ro Nk=kksa ij& izkso jko

lkekftd nkf;Ro dk fuokZg dj jgk eqfofo& dqyifr

moizo jktf"kZ V.Mu eqDr fo'ofo|ky; dk 13okW nh{kkUr lekjksg lEiUu

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय का 13वॉं दीक्षान्त समारोह दिनांक 18 सितम्बर, 2018 को सरस्वती परिसर स्थित पं0 मदन मोहन मालवीय दीक्षान्त समारोह स्थल में आयोजित किया गया। दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि इन्दिरा गॉंधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के माननीय कुलपति प्रो0 नागेश्वर राव जी रहे एवं अध्यक्षता माननीय श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री राम नाईक जी ने की। समारोह के प्रारम्भ में कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी ने अतिथियों एवं अन्य आगन्तुकों का स्वागत किया तथा विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की।

दीक्षान्त समारोह में माननीय श्री राज्यपाल श्रीयुत् राम नाईक जी ने विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 17 स्वर्ण पदक प्रदान किये। दीक्षान्त समारोह में सत्र दिसम्बर 2017 तथा जून 2018 की परीक्षा के सापेक्ष उर्तीण लगभग 21 हजार शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की गयी, जिनमें छात्रों की संख्या 11173 तथा छात्राओं की संख्या 9655 रही।

इस अवसर पर माननीय श्री राज्यपाल श्रीयुत् राम नाईक जी ने विश्राम कक्ष का शिलान्यास किया। प्रारम्भ में विश्वविद्यालय कुलगीत एवं राष्ट्रगीत विश्वविद्यालय की छात्राओं ने प्रस्तुत किया। राज्यपाल श्री राम नाईक जी, मुख्य अतिथि इग्नू के कुलपति प्रो0 नागेश्वर राव जी तथा उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर दीक्षान्त समारोह का शुभारंभ किया। इस

गार्ड ऑफ आनर लेते हुए माननीय श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति जी।

माननीय अतिथियों को तिलक लगोर उनका अभिनन्दन करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

विश्राम कक्ष का शिलान्यास
करने जाते हुए
माननीय श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति
श्रीयुत् राम नाईक जी
तथा साथ में
कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

विश्राम कक्ष का शिलान्यास करते हुए माननीय श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति जी तथा साथ में मुख्य अतिथि प्रो0 नागेश्वर राव जी, प्रो0 एस0पी0 सिंह, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ एवं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

xzqi फksVksxzफ esa ekuuh; vfrfFkx.k] dk;Zifj"kn ,oa fo|k ifj"kn ds lEekfur lnL;x.kA

(पीछे बाये से दाये) प्रो0 ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 प्रेम प्रकाश दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 आर0पी0एस0 यादव, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डॉ0 विनोद कुमार गुप्ता उपनिदेशक/एसोसिएट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 आशुतोष गुप्ता, निदेशक विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डॉ0 अरुण कुमार गुप्ता, कुलसचिव, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 एस0पी0 सिंह, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,

'kksHkk ;k=k dk

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
इलाहाबाद
13 वाँ

दीप प्रज्ज्वलित करते हुए माननीय श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीयुत् राम नाईक जी, मुख्य अतिथि प्रो0 नागेश्वर राव जी एवं कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

माननीय श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीयुत् राम नाईक जी एवं मुख्य अतिथि प्रो0 नागेश्वर राव जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह

lkekftd nkf;Ro dk fuokZg dj jgk eqfofo& dqyifr

कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने अतिथियों का स्वागत तथा कुलपति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा कि इसी सत्र से कर्मचारियों के हित संरक्षण के लिए कर्मचारी कल्याण कोष की स्थापना की गयी है। प्रो0 सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने सामाजिक दायित्व का भलीभांति निर्वाह कर रहा है। वि८वविद्यालय का लक्ष्य है कि छात्र–छात्राओं की कुशलता को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विकसित कर सके, अपनी प्रचुर मानव सम्पदा को विभिन्न रचनात्मक केन्द्रों के लिये तैयार कर सके। राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर सके। उन्होंने कहा कि भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनोपयोगी योजनाओं के प्रति जागरूकता अभियान से सम्बन्धित कई पाठ्यक्रम यथा एकात्म भाववाद अंत्योदय, स्वच्छ भारत, कुम्भ एवं सुशासन पर जागरूकता पाठ्यक्रम शुरू

ओम जी गुप्ता

संचालन करते हुए डॉ0 विनोद गुप्ता

दीक्षान्त समारोह में

शोध, स्नातकोत्तर, स्नातकोत्तर डिप्लोमा एवं स्नातक छात्र एवं

मेधावी छात्र एवं छात्राओं को विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, दानदाता स्वर्ण पदक एवं कुलाधिपति स्वर्ण पदक प्रदान करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश, श्री राम नाईक जी।

प्रोफेसर नागेश्वर राव

lqlaLd`r lekt ds fuekZ.k dk nkf;Ro Nk=kksa ij& izkso jko

मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव ने दीक्षान्त भाषण देते हुये कहा कि शिक्षा मनुष्य के मानवीय गुणों तथा व्यक्तित्व विकास का एक सशक्त माध्यम है। शिक्षा का उद्देश्य संकीर्णताओं, रूढ़ियों तथा अंधविश्वास को दूर कर हृदय के अंतःस्थल में मानव मूल्यों का बीजारोपण करना है। प्रो0 राव ने कहा कि शिक्षा के द्वारा ही संकीर्णताओं व रूढ़िवादिता को नष्ट कर एक सुसंस्कृत एवं सभ्य समाज का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थियों के कंधों पर ही सभ्य सुसंस्कृत समाज के निर्माण का दायित्व है।

प्रो0 राव ने कहा कि शिक्षार्थी ऐसी शिक्षा ग्रहण करें जो उन्हें विश्व–बन्धुत्व का पाठ पढ़ाये। उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों से कहा कि मात्र औपचारिक शिक्षा ग्रहण करने के स्थान पर वे अपने अंतःस्थल को ज्ञान से प्रकाशित करने का प्रयास करें तथा अपने आचरण की शुद्धता की ओर अवश्य ध्यान दें। इग्नू के कुलपति प्रो0 राव ने कहा कि शिक्षा के साथ युवाओं के अंदर धार्मिक सहिष्णुता एवं सद्भाव का होना आवश्यक है। मनुष्य के अंदर विद्यमान नैतिक गुण ही उसका गौरव है। उन्होंने कहा कि आदर्श राष्ट्र की स्थापना के लिए हम सभी को सभ्य सुसंस्कृत एवं नैतिक गुणों से पूर्ण होना होगा। उच्च शिक्षा के द्वारा ही स्वतंत्र चिन्तन का विकास होता है जो भविष्य में उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है। प्रो0 राव ने योग शिक्षा की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि वे योग विद्या अर्जित कर अपने शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को और मजबूत बनायें। शारीरिक स्वास्थ्य भी शिक्षा का एक महत्वपूर्ण अंग है और स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है। प्रो0 राव ने विश्वविद्यालय से जुड़ी अपनी यादों को साझा किया।

माननीय श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति
श्रीयुत् राम नाईक जी

mRrj izns'k esa mPp f'k{kk dh xkM+h vc iVjh ij & jkT;iky

दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता करते हुए माननीय श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीयुत् राम नाईक जी ने अपने अध्यक्षीय उदबोधन में दीक्षान्त समारोह में उपाधि प्राप्त छात्र छात्रओं को बधाई देते हुये कहा कि भारत के विकास के लिये यह आवश्यक है कि यहां का प्रत्येक नागरिक अत्याधुनिक ज्ञान–विज्ञान युगानुकूल शिक्षा ग्रहण करे। उन्होंने कहा कि बदलती हुई दुनिया में आगे बढ़ने के लिये कड़ी प्रतिस्पर्धा है। आगे बढ़ने के लिये कड़ी मेहनत के साथ–साथ प्रमाणिकता और पारदर्शिता आवश्यक है। शार्टकट से आगे बढ़ने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। आत्मपरीक्षण करने से अपनी कमियां सामने आयेंगी और सफलता चरण चूमेगी। राज्यपाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा की गाड़ी अब पटरी पर आयी है। नकल विहीन परीक्षायें सभी विश्वविद्यालयों में संचालित की जा रही है। इसके साथ ही दीक्षान्त समारोह का कलेण्डर भी 84 दिनों का तैयार किया गया है जिसके अन्तर्गत 24 अगस्त से 15 नवम्बर 2018 तक प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में दीक्षान्त समारोह करा लिये जायेंगे। उन्होंने कहा कि गत वर्ष का दीक्षान्त समारोह का कैलेण्डर 253 दिनों में 09 सितम्बर 2017 से लेकर 19 मई 2018 तक सम्पन्न हुआ। इस बार प्रदेश के सभी कुलपतियों को निर्देश दिया गया कि इसे तय समय सीमा में आयोजित किया जाय। उन्होंने दीक्षान्त समारोह में महिला अभ्यर्थियों को दिये गये पदकों की संख्या पर खुशी जाहिर करते हुये कहा कि महिलाओं में शिक्षा का बढ़ता प्रभाव भविष्य के लिए एक शुभ संकेत है।

श्री नाईक जी ने कहा कि नैतिक मूल्यों के सृजन के साथ समाज और राष्ट्र के प्रति सहज निष्ठा एवं श्रद्धा का भाव रखकर भारतीय जीवन दर्शन का अनुगामी बनना होगा। उन्होंने कहा कि भारत को विश्व गुरू का गौरव प्राप्त रहा है। विश्व बन्धुत्व की भावना का संदेश आज पुनः पूरे देश में फैलाने की आवश्यकता है। राज्यपाल श्री नाईक ने कहा कि भारत की

माननीय श्री राज्यपाल श्रीयुत् राम नाईक जी को विश्वविद्यालय की तरफ से कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने केरल के बाढ़ पीढितों के लिए इकटठा की गयी **1 लाख 43 हजार रूपये** धनराशि का चेक प्रधान मंत्रि राष्ट्रीय राहत कोष के लिये सौंपा जिसे माननीय श्री राज्यपाल श्रीयुत् राम नाईक जी ने मानवता के लिए एक मिसाल बताते हुए विश्वविद्यालय के इस प्रयास की सराहना की।

माननीय श्री राज्यपाल एवं कलाधिपति, श्रीयुत राम नाईक जी को अंगवस्त्रम् एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित करते हुए कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
इलाहाबाद
13 वाँ

nh{kkUr lekjksg dh

पत्रकार बन्धुओं से वार्ता करते हुए
माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश, श्री राम नाईक जी।

z

गार्ड ऑफ आनर लेते हुए माननीय श्री राज्यपाल, उ0प्र0 एवं कुलाधिपति जी।

न

विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 17 स्वर्ण पदक प्रदान किये। दीक्षान्त समारोह में सत्र दिसम्बर 2017 तथा जून 2018 की परीक्षा के सापेक्ष उर्तीण लगभग 21 हजार शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की गयी, जिनमें छात्रें की संख्या 11173 तथा छात्रओं की संख्या 9655 रही।

राज्यपाल श्री नाईक जी ने कुलाधिपति स्वर्ण पदक झाँसी क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र फुन्दी सिंह लौना राजकीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय जालौन की छात्र **अंजली भदौरिया** को प्रदान किया। अंजली ने पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक (बी.एल.आई.एस.)की परीक्षा सत्र दिसम्बर 2017 तथा जून 2018 के सापेक्ष प्रथम प्रयास एवं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। तथा समस्त विद्याशाखाओं की स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं में उत्तीर्ण समस्त स्नातक/परास्नातक शिक्षार्थियों में सर्वाधिक 85.40 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

राज्यपाल श्री नाईक जी ने **स्नातकोत्तर वर्ग** में मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक उपरदहा डिग्री कालेज, उपरदहा (बरौत) इलाहाबाद अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (अर्थशास्त्र) के छात्र संतोष कुमार सिंह को, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक कालीचरण डिग्री कालेज, लखनऊ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (समाजशास्त्र) के छात्र अमरनाथ गुप्ता को, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक बप्पा श्री नारायण वोकेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखनऊ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0काम की छात्र दीपाक्षी अग्रवाल को, कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक पं0 कैलाश नाथ इन्स्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेन्ट, सिधारी, आजमगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0सी0ए0 के छात्र धर्मेन्द्र यादव को, शिक्षा विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक हीरालाल यादव बालिका डिग्री कालेज, लखनऊ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (शिक्षाशास्त्र) की छात्र रीना शाक्य को तथा विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक बरेली कालेज बरेली अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0एस0सी0(जैव रसायन) की छात्र सृष्टि भल्ला को प्रदान किया।

इसी प्रकार राज्यपाल श्री नाईक ने **स्नातक वर्ग** में मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक फुन्दी सिंह लौना राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जालौन अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक (बी0एल0आई0एस0) की छात्र अंजली भदौरिया को, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखनऊ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत बी0ए0 की छात्र शारदा कुमारी को, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से

विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक श्री रतीराम महाविद्यालय, मथुरा अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत बी0काम की छात्र इला राना को, कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक बी0सी0आई0एस0 इन्फोटेक कैम्पस, वाराणसी अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत बी0सी0ए0 के छात्र आशीष कुमार वर्मा को तथा विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक सरदार पटेल स्मारक महाविद्यालय लारपुर अम्बेडकरनगर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत बी0एस0सी0 के छात्र रजीउल्लाह को प्रदान किया।

राज्यपाल श्री नाईक ने इस बार पांच मेधावी शिक्षार्थियों को दानदाता स्वर्णपदक से सम्मानित किया। जिनमें श्री कैलाशपत नेवेटिया स्मृति स्वर्णपदक विश्वविद्यालय मुख्य परिसर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0बी0ए0 की छात्र सलिला तिवारी को, स्वर्गीय अनिल–मीना चक्रवर्ती स्मृति स्वर्ण पदक नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय लखनऊ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत बी0ए0 की छात्र शारदा कुमारी तथा विश्वविद्यालय मुख्य परिसर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (राजनीति विज्ञान) की छात्र आराधना चौबे को, प्रो0 एम0पी0 दुबे पर्यावरण/गांधी चिन्तन एवं शांति अध्ययन उत्कृष्टता स्वर्णपदक आर0बी0एस0 कालेज, आगरा अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (समाजकार्य) के छात्र अजय कुमार को एवं प्रो0 एम0पी0 दुबे दिव्यांग मेधा स्वर्ण पदक बप्पा श्री नारायण वोकेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखनऊ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (अंग्रेजी) की छात्र अर्चना दुबे को प्रदान

fo'ofo|ky; dk 13okWa nh{kkUr lekjksg

भारत संवाद ...क्रांतिबीज

राज्यपाल श्री नाईक ने विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को प्रदान किये 17 स्वर्ण पदक

इलाहाबाद (भारत संवाद) उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोह में राज्यपाल श्री नाईक ने विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 17 स्वर्ण पदक प्रदान किये। दीक्षान्त समारोह में सत्र दिसम्बर 2017 तथा जून 2018 की परीक्षा के सापेक्ष उर्तीण लगभग 21 हजार शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की गयी, जिनमें छात्रों की संख्या 11173 तथा छात्राओं की संख्या 9655 रही।

राज्यपाल श्री नाईक ने कुलाधिपति स्वर्ण पदक झाँसी क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र फुन्दी सिंह लौना राजकीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय जालौन की छात्रा अंजली भदौरिया को प्रदान किया। अंजली ने पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक (बी.एल.आई.एस.)की परीक्षा सत्र दिसम्बर 2017 तथा जून 2018 के सापेक्ष प्रथम प्रयास एवं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। तथा समस्त विद्याशाखाओं की स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं में उत्तीर्ण समस्त स्नातक/परास्नातक शिक्षार्थियों में सर्वाधिक 85.40 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक बरेली कालेज बरेली अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0एस0सी0(जैव रसायन) की छात्रा सृष्टि भल्ला को प्रदान किया।

इसी प्रकार राज्यपाल श्री नाईक ने स्नातक वर्ग में मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक फुन्दी सिंह लौना राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जालौन अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक (बी0एल0आई0एस0) की छात्रा अंजली भदौरिया को, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखनऊ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत बी0ए0 की छात्रा शारदा कुमारी को, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक श्री रतीराम महाविद्यालय, मथुरा अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत बी0काम की छात्रा इला राना को, कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक बी0सी0आई0एस0 इन्फोटेक कैम्पस, वाराणसी अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत बी0सी0ए0 के छात्र आशीष कुमार वर्मा को तथा विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक सरदार पटेल स्मारक महाविद्यालय लारपुर अम्बेडकरनगर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत बी0एस0सी0 के छात्र रजीउल्लाह को प्रदान किया।

राज्यपाल श्री नाईक ने इस बार पांच मेधावी शिक्षार्थियों को दानदाता स्वर्णपदक से सम्मानित किया। जिनमें श्री कैलाशपत नेवेटिया स्मृति स्वर्णपदक विश्वविद्यालय मुख्य परिसर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0बी0ए0 की छात्रा सलिला तिवारी को, स्वर्गीय अनिल-मीना चक्रवर्ती स्मृति स्वर्ण पदक नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय लखनऊ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत बी0ए0 की छात्रा शारदा कुमारी तथा विश्वविद्यालय मुख्य परिसर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (राजनीति विज्ञान)

विश्वविद्यालय की छात्राओं ने प्रस्तुत किया। राज्यपाल श्री रामनाईक, मुख्य अतिथि इग्नू के कुलपति प्रो0 नागेश्वर राव तथा उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने दीप प्रज्वलन कर दीक्षान्त समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो0 सिंह ने राज्यपाल श्री नाईक तथा मुख्य अतिथि प्रो0 राव को स्मृति चिन्ह तथा अंगवस्त्रम प्रदान किया। दीक्षान्त समारोह का संचालन डॉ0 विनोद कुमार गुप्त तथा डॉ0 श्रुति ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर इंजी0 हर्षबर्द्धन बाजपेयी, विधायक, शहर उत्तरी, श्री विक्रमाजीत मौर्य विधायक फाफामऊ, श्री लाल बहादुर विधायक, मंझनपुर, श्री अजय सिंह, विधायक हरैया बस्ती, लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 एस0पी0 सिंह, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, न्यायमूर्ति सुधीर नारायण, महामहोपाध्याय प्रो0 राजेन्द्र मिश्र पूर्व कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी, प्रो0 के0बी0 पाण्डया, पूर्व कुलपति, नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 हरिदत्त शर्मा, प्रो0 ए0एन0 द्विवेदी, प्रो0 बी0एन0 सिंह, डॉ0 सुनीता सिंह, आदि उपस्थित रहे।

इलाहाबाद, बुधवार
19 सितंबर 2018
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 5.00
पृष्ठ 18

दैनिक जागरण

www.jagran.com
उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

उत्पादकता बढ़ाने पर होगा जोर 15
महामुकाबले में दांव पर होगी साख 16

2019 में यूपी बोर्ड की हाईस्कूल - इंटर परीक्षाएं 7.30 की जगह आठ बजे शुरू होंगी।

500 अभ्यर्थियों ने टीईटी 2018 के लिए पहले दिन कराया है रजिस्ट्रेशन।

उप्र में अब पटरी पर उच्च शिक्षा की गाड़ी

इलाहाबाद : उप्र के बारे में अन्य प्रदेशों के लोगों की सोच अब बदल रही है। यहां उच्च शिक्षा की गाड़ी अब पटरी पर आ गई है। कैंसर का रूप ले चुके नकल पर सरकार ने काबू पा लिया है। इससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आया है। बेटियां पढ़ रही हैं और बढ़ रही हैं। प्रदेश के 26 विवि के गत वर्ष हुए दीक्षा समारोह में प्रदान की गई उपाधियों में आधी छात्राओं को मिली हैं। यह शुभ संकेत है। यह बातें उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि के 13वें दीक्षांत समारोह में मंगलवार को कुलाधिपति व प्रदेश के राज्यपाल रामनाईक ने कहीं। ● पेज 06

प्रदेश में उच्च शिक्षा की गाड़ी अब पटरी पर : राज्यपाल

कहा डिग्री धारकों में 50 फीसद छात्राओं का होना शुभ संकेत, नकल के कैंसर पर काबू पाने को बड़ी उपलब्धि बताया

अमरीश शुक्ल, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश के बारे में अन्य प्रदेशों के लोगों की धारणा अब बदल रही है। यहां उच्च शिक्षा की गाड़ी अब पटरी पर आ गई है। सरकार ने कैंसर का रूप ले चुके नकल पर काबू पा लिया है। इससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आया है। बेटियां पढ़ रही हैं और बढ़ रही हैं। प्रदेश के 26 विश्वविद्यालयों के पिछले साल हुए दीक्षा समारोह में दी गई उपाधियों में आधी उपाधियां छात्राओं को मिली हैं। यह शुभ संकेत है। यह बातें मंगलवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के 13वें दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति व राज्यपाल रामनाईक ने कहीं।

उन्होंने कहा कि के देश के विकास के लिए आवश्यक है कि प्रत्येक नागरिक अत्याधुनिक ज्ञान-विज्ञान युगानुकूल शिक्षा ग्रहण करे। बदलती हुई दुनिया में आगे बढ़ने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा है। इसमें कड़ी मेहनत के साथ-साथ प्रमाणिकता और पारदर्शिता आवश्यक है। शार्टकट से आगे बढ़ने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। गलतियों से सीख लें व आत्म परीक्षण करें। कमियां दूर होंगी और सफलता आपके चरण चूमेगी। राज्यपाल ने कहा कि इस साल प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में दीक्षा समारोह 84 दिनों के भीतर होंगे। 24 अगस्त से 15 नवम्बर 2018 तक प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में दीक्षा समारोह करा लिए जाएंगे। गत वर्ष दीक्षा समारोह 253 दिनों में हुए थे। राज्यपाल ने अगले वर्ष प्रयाग में लगने वाले कुंभ की ऐतिहासिकता का जिक्र करते हुए कहा कि देश-विदेश से आने वाले 12 करोड़ श्रद्धालुओं की मेजबानी के लिए राजर्षि टंडन जैसे मनीषी के नाम पर स्थापित इस मुक्त विश्वविद्यालय की अहम भूमिका हो सकती है। विश्वविद्यालय अपने स्तर पर क्या योगदान कर सकता है इस पर विचार करना चाहिए। इस अवसर पर राज्यपाल ने विभिन्न विद्या शाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 17 स्वर्ण पदक प्रदान किए। लगभग 21 हजार शिक्षार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं। कुलाधिपति स्वर्ण पदक फुंदी सिंह लौना राजकीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय जालौन की छात्रा अंजली भदौरिया को प्रदान किया। अंजली ने पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक (बीएलआइएस) की परीक्षा सर्वाधिक 85.40 प्रतिशत अंक के साथ उत्तीर्ण की। समारोह को मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नागेश्वर राव व कुलपति प्रो. कामेश्वरनाथ ने भी संबोधित किया।

उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि के 13वें दीक्षा समारोह में स्वर्ण पदक पाने वाली छात्राओं के चेहरे की खुशी देखते ही बनी ● शरद मालवीय

उपस्थित गणमान्य लोग व विद्यार्थी ● जागरण

दीक्षा समारोह

सभ्य समाज के निर्माण का दायित्व युवाओं पर

जासं, इलाहाबाद : राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव ने बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए कहा कि शिक्षा मनुष्य के मानवीय गुणों तथा व्यक्तित्व विकास का एक सशक्त माध्यम है। शिक्षा का उद्देश्य संकीर्णताओं, रूढ़ियों तथा अंधविश्वास को दूर कर हृदय के अंतःस्थल में मानव मूल्यों का बीजारोपण करना है। आज के विद्यार्थियों के कंधों पर ही सभ्य सुसंस्कृत समाज के निर्माण का दायित्व है।

शिक्षार्थी ऐसी शिक्षा ग्रहण करें जो उन्हें विश्व-बन्धुत्व का पाठ पढ़ाए। उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों से कहा कि मात्र औपचारिक शिक्षा ग्रहण करने के स्थान पर वे अपने अंतःस्थल को ज्ञान से प्रकाशित करने का प्रयास करें तथा अपने आचरण की शुद्धता की ओर अवश्य ध्यान दें। कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। कहाकि विश्वविद्यालय का लक्ष्य है कि छात्र-छात्राओं की कुशलता को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित कर सके। उन्होंने शुरू किए गए पाठ्यक्रमों की जानकारी दी। इससे पूर्व राज्यपाल रामनाईक ने विश्राम कक्ष का शिलान्यास किया। प्रारंभ में विश्वविद्यालय कुलगीत एवं राष्ट्रगीत विश्वविद्यालय की छात्राओं ने प्रस्तुत किया। संचालन डॉ. विनोद कुमार गुप्त व डॉ. ऋुति ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर विधायक हर्षबर्द्धन बाजपेयी, विधायक विक्रमाजीत मौर्य, लाल बहादुर विधायक मंझनपुर, अजय सिंह, विधायक हर्रैया बस्ती, लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एसपी सिंह, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद, न्यायमूर्ति सुधीर नारायण, पूर्व कुलपति राजेंद्र मिश्र, प्रो. केबी पांडेय, पूर्व कुलपति, नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय, प्रो. हरिदत्त शर्मा, प्रो. एएन द्विवेदी, प्रो. बीएन सिंह, डॉ. सुनीता सिंह, आदि उपस्थित रहे।

केरल बाढ़ पीड़ितों की मदद को दिया चेक

इलाहाबाद : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के 13वें दीक्षा समारोह में राज्यपाल रामनाईक को विश्वविद्यालय की तरफसे कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने केरल के बाढ़ पीड़ितों के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों के एक दिन के वेतन से एकत्र की गई एक लाख 43 हजार रुपये की आर्थिक मदद का चेक प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष के लिए सौंपा गया।

इन मेधावियों को मिले स्वर्ण पदक

स्नातकोत्तर वर्ग

विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक उपरदहा डिग्री कालेज के एमए (अर्थशास्त्र) के छात्र संतोष कुमार सिंह को, कालीचरण डिग्री कालेज लखनऊ के एमए (समाजशास्त्र) के छात्र अमरनाथ गुप्ता को, श्रीनारायण वोकेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखनऊ की एमकाम की छात्रा दीपाक्षी अग्रवाल को, पं. कैलाश नाथ इन्स्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेन्ट आजमगढ़ के एमसीए के छात्र धर्मेन्द्र यादव को, हीरालाल यादव बालिका डिग्री कालेज लखनऊ से एमए (शिक्षाशास्त्र) की छात्रा रीना शाक्य को तथा क्राइस्ट चर्च कालेज कानपुर से पंजीकृत एमएससी (जैव रसायन) की छात्रा आयुषी सिंह को दिया गया।

स्नातक वर्ग

फुन्दी सिंह लौना राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जालौन से पंजीकृत बीएलआइएस की छात्रा अंजली भदौरिया को, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महिला पीजी कॉलेज लखनऊ की बीए की छात्रा शारदा कुमारी को, रतीराम महाविद्यालय मथुरा की बीकाम की छात्रा इला राना को, बीसीआइएस इन्फोटेक कैम्पस, वाराणसी के बीसीए छात्र आशीष कुमार वर्मा को, सरदार पटेल स्मारक महाविद्यालय लारपुर अम्बेडकरनगर के बीएससी के छात्र रजीउल्लाह को प्रदान किया गया।

इन्हें मिला दानदाता स्वर्ण पदक

इस बार पांच मेधावी शिक्षार्थियों को दानदाता स्वर्णपदक दिया गया। इनमें कैलाशपत नेवेटिया स्मृति स्वर्णपदक यूपीआरटीओयू मुख्य परिसर की एमबीए की छात्रा सलिला तिवारी, अनिल-मीना चक्रवर्ती स्मृति स्वर्ण पदक नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय लखनऊ की बीए की छात्रा शारदा कुमारी व यूपीआरटीओयू मुख्य परिसर की एमए राजनीति विज्ञान की छात्रा आराधना चौबे को दिया गया। प्रो. एमपी दुबे पर्यावरण/गांधी चिन्तन एवं शांति अध्ययन उत्कृष्टता स्वर्णपदक आरबीएस कालेज, आगरा के एमए समाजकार्य के छात्र अजय कुमार को व प्रो. एमपी दुबे दिव्यांग मेधा स्वर्ण पदक बप्पा श्री नारायण वोकेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय लखनऊ की एमए अंग्रेजी की छात्रा अर्चना दुबे को दिया गया।

दिव्यांग अर्चना का ख्वाब आइएएस बनना

बप्पा श्री नारायण वोकेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय लखनऊ की एमए अंग्रेजी की छात्रा अर्चना दुबे की जिंदगी एक दुर्घटना ने बदलकर रख दी। 2005 में 13 वर्ष की उम्र में एक शादी समारोह में हुई हर्ष फायरिंग में उसे गोली लग गई। गोली लगने से एक आंख खराब हो गई। सिर में छर्रे लगने के कारण उसकी दूसरी आंख भी खराब हो गई। इसके बावजूद पिता दयानंद दुबे व मां सुशीला दुबे ने उसे हिम्मत दी और आगे बढ़ने को प्रेरित किया। अर्चना बताती है कि शुरू से ही उसे सिविल सेवा प्रभावित करती रही है। सपना आइएएस बनना है।

पुस्तकालय विज्ञान में करियर संवारेंगी अंजलि भदौरिया

जालौन के ग्राम सालाबाद में एक साधारण परिवार में जन्म लेने वाली अंजलि भदौरिया को कुलाधिपति स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। उसे कुल दो स्वर्ण पदक मिले। अंजलि के पिता शिव प्रसाद सिंह भदौरिया किसान हैं। मां प्रभा हाउस वाइफ हैं। बीएलआइएस की छात्रा अंजलि ने बताया अब वो इसी विश्वविद्यालय से एमएलआइएस करेगी और आगे चलकर पुस्तकालय विज्ञान में ही शोध करने का इरादा है।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

स्वच्छता के लिए प्रतिबद्ध

केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने 'स्वच्छ विद्यालय' पुरस्कार समारोह में कहा कि बदलता भारत स्वच्छता हासिल करने के लिए दृढ़ संकल्प है।

बुधवार, 19 सितंबर 2018, इलाहाबाद, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, नगर संस्करण
www.livehindustan.com

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के 13वें दीक्षांत समारोह में बोले राज्यपाल, 15 मेधावी विद्यार्थियों को दिए गए 17 स्वर्ण पदक

उच्च शिक्षा में लड़कों से आगे हैं लड़कियां: नाईक

संबोधन

इलाहाबाद | प्रमुख संवाददाता

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का 13वां दीक्षांत समारोह मंगलवार को आयोजित किया गया। इस मौके पर 15 मेधावी विद्यार्थियों को 17 स्वर्ण पदक दिए गए। साथ ही सत्र दिसंबर 2017 तथा जून 2018 की परीक्षा में उत्तीर्ण 21 हजार शिक्षार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं। इस वर्ष का प्रतिष्ठित कुलाधिपति स्वर्ण पदक फुन्दी सिंह लौना राजकीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय जालौन की छात्रा अंजली भदौरिया को दिया गया।

राज्यपाल राम नाईक ने कहा कि उच्च शिक्षा के मामले में प्रदेश में लड़कों की तुलना में लड़कियां आगे हैं। पिछले वर्ष दो नए विश्वविद्यालयों को छोड़ प्रदेश के 26 विश्वविद्यालयों में हुए दीक्षांत समारोह में दी गई डिग्रियों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि इन समारोहों में कुल 15,60,375 डिग्रियां दी गई थीं। इनमें 7,97,646 डिग्रियां लड़कियों को दी गई थीं, जो कुल संख्या का 51 प्रतिशत था। डिग्री पाने वालों लड़कों की संख्या 49 प्रतिशत थी। इसी तरह पिछले वर्ष हुए दीक्षांत समारोहों में 1653 मेधावियों को स्वर्ण पदक दिए गए थे। इनमें 1085 लड़कियां थीं, जो कुल संख्या का 66 प्रतिशत थीं। उन्होंने बताया कि मुक्त विवि के 13वें दीक्षांत समारोह के आंकड़े भी कुछ इसी तरह के हैं। आज हुए समारोह में जो 17 स्वर्ण पदक दिए गए, उनमें से 11 छात्राओं को मिले हैं जबकि छह पदक छात्रों को दिए गए हैं। यानी 65 प्रतिशत छात्राओं को पदक मिले हैं। उन्होंने कहा कि यह आंकड़े इस बात का सुखद संकेत हैं कि यूपी में लड़कियां उच्च शिक्षा के मामले में लड़कों के आगे जा रही हैं।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते राज्यपाल राम नाईक।

यूपी में उच्च शिक्षा की गाड़ी अब पटरी पर

राज्यपाल राम नाईक ने कहा कि राज्य के विश्वविद्यालयों में कई वर्षों तक दीक्षांत समारोह नहीं होते थे लेकिन पिछले साल 253 दिनों में सभी विश्वविद्यालयों में दीक्षांत समारोह हुए। इस वर्ष 24 अगस्त से 15 नवंबर तक 84 दिनों में दीक्षांत समारोह संपन्न हो जाएंगे। राज्यपाल ने कहा कि यूपी में उच्च शिक्षा की गाड़ी अब पटरी पर आ गई है। अब इसकी गुणवत्ता को और बढ़ाने तथा शोध को बेहतर करने पर ध्यान दिया जाएगा। बताया कि यूपी की परीक्षाओं में नकल का रोग कैंसर बन गया था। बहुत बड़े पैमाने पर नकल चलती थी, लेकिन अब नकलविहीन परीक्षाएं सभी स्थानों पर हो रही हैं।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के 13वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल राम नाईक के साथ स्वर्ण पदक से नवाजे गए छात्र-छात्राएं।

कुम्भ मेला में मदद करे विश्वविद्यालय

राज्यपाल ने संगम पर अगले वर्ष लगने वाले कुम्भ मेला का जिक्र करते हुए कहा कि इस मेले में देश-विदेश के तकरीबन 12 करोड़ लोग शामिल होंगे। इसे सफलता पूर्वक संपन्न कराने में विश्वविद्यालय को भी मदद के लिए आगे आना चाहिए।

बतौर मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी मुक्त विवि (इग्नू) के कुलपति प्रो. नागेश्वर राव ने कहा कि शिक्षा मनुष्य के मानवीय गुणों तथा व्यक्तित्व विकास का एक सशक्त माध्यम है। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने अतिथियों का स्वागत तथा कुलपति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि इसी सत्र से कर्मचारियों के हित संरक्षण के लिए कर्मचारी कल्याण कोष की स्थापना की गयी है। उन्होंने बताया कि केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनोपयोगी योजनाओं के प्रति जागरूकता अभियान से संबंधित कई पाठ्यक्रम यथा एकात्म भाववाद अंत्योदय, स्वच्छ भारत, कुम्भ एवं सुशासन पर जागरूकता पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं।

इस मौके पर विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी, विक्रमाजीत मौर्य, लाल बहादुर, अजय सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एसपी सिंह, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद, न्यायमूर्ति सुधीर नारायण, महामहोपाध्याय प्रो. राजेन्द्र मिश्र, प्रो. केबी पांडेय, प्रो. हरिदत्त शर्मा, प्रो. एएन द्विवेदी, प्रो. बीएन सिंह, डॉ. सुनीता सिंह आदि उपस्थित रहे। संचालन डॉ. विनोद कुमार गुप्त तथा डॉ. श्रुति ने संयुक्त रूप से किया।

मुक्त विवि के 13वें दीक्षांत समारोह में शामिल छात्र-छात्राएं।

इन्हें मिले स्वर्ण पदक

परास्नातक

उपरदहा डिग्री कालेज एमए (अर्थशास्त्र) के छात्र संतोष कुमार सिंह, कालीचरण डिग्री कॉलेज लखनऊ के एमए (समाजशास्त्र) के छात्र अमरनाथ गुप्ता, बप्पा श्री नारायण वोकेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय लखनऊ की एमकाम की छात्रा दीपाक्षी अग्रवाल, पंडित कैलाश नाथ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट सिवारी आजमगढ़ के एमसीए के छात्र धर्मेन्द्र यादव, हीरालाल यादव बालिका डिग्री कालेज लखनऊ की एमए (शिक्षाशास्त्र) की छात्रा रीना शाक्य, बरेली कऑलेज बरेली की एमएससी (जैव रसायन) की छात्रा सृष्टि भल्ला।

स्नातक

फुन्दी सिंह लौना राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जालौन की पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक (बीएलआईएस) की छात्रा अंजली भदौरिया, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय लखनऊ की बीए की छात्रा शारदा कुमारी, श्री रतीराम महाविद्यालय मथुरा की बीकाम की छात्रा इला राना, बीसीआईएस इन्फोटेक कैंपस वाराणसी के बीसीए के छात्र आशीष कुमार वर्मा, सरदार पटेल स्मारक महाविद्यालय लारपुर अंबेडकरनगर के बीएससी के छात्र रजीउल्लाह।

दानदाता स्वर्ण पदक

श्री कैलाशपत नेवेटिया स्मृति स्वर्णपदक मुक्त विवि मुख्य परिसर की एमबीए की छात्रा सलिला तिवारी, स्वर्गीय अनिल-मीना चक्रवर्ती स्मृति स्वर्ण पदक नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय लखनऊ की बीए की छात्रा शारदा कुमारी तथा विश्वविद्यालय मुख्य परिसर स्थित की एमए (राजनीति विज्ञान) की छात्रा आराधना चौबे, प्रो. एमपी दुबे पर्यावरण/गांधी चिंतन एवं शांति अध्ययन उत्कृष्टता स्वर्णपदक आरबीएस कॉलेज आगरा अध्ययन केंद्र के एमए (समाजकार्य) के छात्र अजय कुमार एवं प्रो. एमपी दुबे दिव्यांग मेधा स्वर्ण पदक बप्पा श्री नारायण वोकेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय की एमए (अंग्रेजी) की छात्रा अर्चना दुबे।

पीएचडी करना चाहती हैं अंजली

इलाहाबाद | प्रमुख संवाददाता

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के 13वें दीक्षांत समारोह में प्रतिष्ठित कुलाधिपति स्वर्ण पदक पाने वाली अंजली भदौरिया पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक करने के बाद अब इसी विषय में परास्नातक (एमएलआईएस) की डिग्री हासिल कर इस क्षेत्र में पीएचडी कर नाम कमाना चाहती हैं। अंजली जालौन के सालाबाद की रहने वाली हैं।

फुन्दी सिंह लौना राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय स्थित मुक्त विवि के अध्ययन केंद्र से पंजीकृत अंजली को मुक्त विवि के सभी पाठ्यक्रमों में सबसे ज्यादा नंबर मिले। उनके पिता शिव प्रताप सिंह भदौरिया किसान और मां प्रभा भदौरिया गृहणी हैं। अंजली ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा जालौन बालिका इंटर कॉलेज से उत्तीर्ण की। इसके बाद यहीं से बीए और डीवी कॉलेज उरई से अंग्रेजी में एमए की डिग्री हासिल की। अंजली ने बताया कि उन्होंने पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक की डिग्री इस क्षेत्र में नाम कमाने के लिए की। चार बहनों और दो भाई में सबसे बड़ी अंजली अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और गुरुजनों को देती हैं। उन्होंने मुक्त विवि के कुलपति के प्रति आभार व्यक्त किया है।

दीक्षांत समारोह में सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी अंजली भदौरिया ने राज्यपाल से ग्रहण किया पदक।

आंख गंवाने वाली अर्चना को मेडल

इलाहाबाद | प्रमुख संवाददाता

दीक्षांत समारोह में प्रो. एमपी दुबे दिव्यांग मेधा स्वर्ण पदक बप्पा श्री नारायण वोकेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय की एमए अंग्रेजी की छात्रा अर्चना दुबे को दिया गया। अर्चना का सपना सिविल सेवा परीक्षा पास कर आईएएस अफसर बनना है और इसके लिए उन्होंने प्रयास भी शुरू कर दिया है।

अर्चना के पिता दयानंद दुबे ने बताया कि 13 साल की उम्र में 2005 में एक समारोह के दौरान हो रही हर्ष फायरिंग में अर्चना की आंख में गोली लग गई थी। इससे उसकी एक आंख खराब हो गई थी। धीरे-धीरे उसकी दूसरी आंख की रोशनी भी चली गई। बिटिया आगे क्या बनना चाहती है? इस प्रश्न पर दयानंद का गला भर आया। बोले कहती है कि मैं आईएएस अफसर बनूंगी। अभी बैंक में पीओ के लिए आवेदन किया, जिसकी दिसंबर में परीक्षा होने वाली है। सेक्टर ओ एलडीए कालोनी मानसरोवर विस्तार योजना लखनऊ के रहने वाले दयानंद युवा कार्यक्रम एवं खेल विभाग लखनऊ में वरिष्ठ लेखाकार हैं। बताया कि उन्होंने अपनी बिटिया को कभी अंध विद्यालय में नहीं पढ़ाया। बाकी दोनों बेटियों और एक बेटे की तरह अर्चना ने भी शांति शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज से पढ़ाई की। नवयुग कन्या डिग्री कॉलेज से स्नातक किया।

मंगलवार को मुक्त विवि के दीक्षांत समारोह में दिव्यांगों में सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी अर्चना दुबे ने राज्यपाल से स्वर्ण पदक ग्रहण किया।

हम कहेंगे तभी कार्यक्रम का समापन होगा ना...

राज्यपाल तय समय 9.45 बजे इलाहाबाद आ गए। 10 बजे कार्यक्रम शुरू हो गया। अंत में कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने जल्दीबाजी में कार्यक्रम के समापन की घोषणा कर दी तो राज्यपाल ने मजाकिया लहजे में कहा कि ऐसा कैसे, जब मैं कहूंगा तभी आप कार्यक्रम के समापन की घोषणा करेंगे। फिर उन्होंने इजाजत दी तो समापन की घोषणा हुई। कुलपति ने केरल के बाढ़ पीड़ितों के लिए शिक्षकों व कर्मचारियों द्वारा एक दिन के वेतन से 1.43 लाख रुपये की आर्थिक मदद का चेक राज्यपाल को सौंपा।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के 13वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल को स्मृति चिह्न देते विवि के कुलपति प्रो. केएन सिंह। साथ में समारोह के मुख्य

HINDUSTAN TIMES, LUCKNOW
WEDNESDAY, SEPTEMBER 19, 2018

Value-based education need of the hour, says governor

HT Correspondent

ALLAHABAD : Uttar Pradesh governor Ram Naik has said that increasing ratio of girls pursuing higher education was a good sign. He also said value based educational system was need of the hour.

Naik expressed these views during his presidential address at the 13th convocation of UP Rajarshi Tandan Open University (UPRTOU) here on Tuesday. The function was organised at Pandit Madan Mohan Malviya Convocation ground of Saraswati campus of the university.

The governor congratulated the vice chancellor for his efforts and hoped that under his able leadership the university will achieve new heights of glory. As per Naik, human resource played a vital role in the development of a country and educational institutions mainly universities produced quality human resources through imparting education.

Chief guest Nageshwar Rao, vice chancellor Indira Gandhi National Open University (IGNOU), New Delhi, said education system in India was changing and new technologies, models and theories should be incorporated in curriculum.

The chief guest further said that open and distance learning (ODL) was emerging as a fast medium to educate every section of the society.

Vice chancellor of UPRTOU KN Singh (left) presenting a memento to governor Ram Naik during the 13th convocation of the university in Allahabad on Tuesday. HT

UPRTOU vice-chancellor KN Singh delivered the welcome address and presented the progress report of the university. He said the university had a student centric approach, new toll free number, libraries at each regional centre, new regional centre at Faizabad, new courses on GST, Vedic mathematics, remote sensing, awareness programme in Swachh Bharat, Kumbh and good governance and many more will be introduced from this session.

Nearly 21000 students, including 6511 under graduates, 6568 post graduate, 4092 PG diploma and 26 PhD course, were awarded degrees in this year. This time again, girls bagged 11 of the total 17 gold given to students of different disciplines.

Anjalee Bhadauria from Jalaun received chancellor's medal, Santosh Kumar Singh (MA Economics), School of Humanities, Amar Nath Gupta (MA Sociology), School of Social Sciences, Deepakshi Agarwal, M Com, School Of Management Studies and Dharmendra Yadav (MCA), School of Computer and Information Sciences were among the meritorious students who bagged gold medals.

On the occasion, the governor also laid foundation stone of a dormitory on 'Ganga Parisar' of the UPRTOU.

देखें Front Page 2 जाएं पेज 16

नवभारत टाइम्स

▸p15

नई दिल्ली/लखनऊ › बुधवार, 19 सितंबर 2018 › भाद्रपद 28 शक संवत 1940 भाद्रपद शुक्ल दशमी विक्रम 2075 www.nbt.in पेज 20 मूल्य सिर्फ 3.00 रु. facebook.com/nbtlucknow twitter.com/nbtlucknow

'कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहतर लेकिन सुधार की गुंजाइश'

राजर्षि टंडन मुक्त विवि के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने दिए पदक

नाईक बोले, प्रदेश में उच्च शिक्षा की गाड़ी अब पटरी पर आई है

■ एनबीटी ब्यूरो, इलाहाबाद : प्रदेश में लगातार हो रही आपराधिक घटनाओं के बीच राज्यपाल राम नाईक ने एक बार फिर से सरकार का बचाव किया है। उन्होंने दोहराया कि पिछले डेढ़ सालों में यूपी की कानून-व्यवस्था में सुधार हुआ है। जमीन पर कब्जे और रेप की घटनाओं में भी कमी आई है। हालांकि उन्होंने क़ानून-व्यवस्था में अभी और सुधार की जरूरत भी बताई है। राज्यपाल ने कहा कि सरकार ने संगठित क्राइम करनेवालों के खिलाफ जो कदम उठाए हैं, उसका नतीजा स्पष्ट देखने को मिल रहा है। मैं इस बारे में एक प्रफेसर की तरह कोई मार्क्स नहीं देना चाहता।

इलाहाबाद में राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होने के बाद मीडिया से राज्यपाल ने कहा कि देश बदल रहा है और दीक्षांत

इलाहाबाद, बुधवार, 19 सितम्बर, 2018

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

इलाहाबाद, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

बप्पा के चरणों में अमिताभ बच्चन, बोले- 'नतमस्तक हूं' - 15

महामुकाबले के लिए तै
भारत और पाक

स्वच्छता पखवाड़ा के तहत नुक्कड़ नाटक पेश करते छात्र

इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा की गाड़ी अब पटरी पर : राज्यपाल

जनसंदेश न्यूज

सुसंस्कृत समाज के निर्माण का दायित्व छात्रों पर : प्रो. राव

सामाजिक दायित्व का निर्वाह कर रहा मुविवि : कुलपति

इलाहाबाद। भारत के विकास के लिये आवश्यक है कि यहां का प्रत्येक नागरिक अत्याधुनिक ज्ञान-विज्ञान युगानुकूल शिक्षा ग्रहण करे। बदलती दुनिया में आगे बढ़ने के लिये कड़ी प्रतिस्पर्धा है। आगे बढ़ने के लिये कड़ी मेहनत के साथ-साथ प्रमाणिकता और पारदर्शिता आवश्यक है। शार्टकट से आगे बढ़ने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। आत्मपरीक्षण करने से अपनी कमियां सामने आयेंगी और सफलता चरण चूमेगी। उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा की गाड़ी अब पटरी पर आयी है।

उक्त बातें उ.प्र के राज्यपाल एवं मुक्त विवि के कुलाधिपति राम नाईक ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के 13वें दीक्षान्त समारोह में कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कही। उन्होंने कहा कि दीक्षान्त समारोह का कलेण्डर 84 दिनों का तैयार किया गया है जिसके अन्तर्गत 24 अगस्त से 15 नवम्बर 2018 तक प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में दीक्षान्त समारोह करा लिये जायेंगे। उन्होंने दीक्षान्त समारोह में महिला अभ्यर्थियों को दिये गये पदकों की संख्या पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि महिलाओं में शिक्षा का बढ़ता प्रभाव भविष्य के लिए एक शुभ संकेत है। उन्होंने कहा कि नैतिक मूल्यों के सृजन के साथ समाज और राष्ट्र के प्रति सहज निष्ठा एवं श्रद्धा का भाव रखकर भारतीय जीवन दर्शन का अनुगामी बनना होगा। भारत को विश्व गुरु का गौरव प्राप्त रहा है। विश्व बन्धुत्व की भावना का संदेश आज पुनः पूरे देश में फैलाने की आवश्यकता है।

राज्यपाल श्री नाईक ने कहा कि भारत की शिक्षित युवा पीढ़ी का अधिकांश भाग भौतिकवादी पाश्चात्य संस्कृति की चकाचौंध में है एवं वास्तविक स्वरूप पर आवरण है। ऐसी स्थिति में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की डोर कमजोर होती जा रही है। गांव और शहरों का अन्तर बढ़ता जा रहा है। जिस कारण विकास का असन्तुलित दृश्य परिलक्षित होता है। इसका कारण शिक्षा व्यवस्था से मूल्य आधारित शिक्षा का दूर होना है। उन्होंने प्रयाग में लगने वाले कुम्भ की एतिहासिकता का जिक्र करते हुए कहा कि देश विदेश से आने वाले 12 करोड़ श्रद्धालुओं की मेजबानी के लिए राजर्षि टण्डन जैसे मनीषी के नाम पर स्थापित इस मुक्त विश्वविद्यालय की अहम भूमिका रहेगी।

दीक्षान्त समारोह मे संबोधित करते राज्यपाल

मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति प्रो.नागेश्वर राव ने कहा कि शिक्षा मनुष्य के मानवीय गुणों तथा व्यक्तित्व विकास का एक सशक्त माध्यम है। शिक्षा का उद्देश्य संकीर्णताओं, रूढ़ियों तथा अंधविश्वास को दूर कर हृदय के अंतःस्थल में मानव मूल्यों का बीजारोपण करना है। प्रो. राव ने कहा कि शिक्षा द्वारा ही संकीर्णताओं व रूढ़िवादिता को नष्ट कर एक सुसंस्कृत एवं सभ्य समाज का निर्माण किया जा सकता है। आज के विद्यार्थियों के कंधों पर ही सभ्य सुसंस्कृत समाज के निर्माण का दायित्व है। प्रो.राव ने कहा कि शिक्षार्थी ऐसी शिक्षा ग्रहण करें जो उन्हें विश्व-बन्धुत्व का पाठ पढ़ाये तथा अपने आचरण की शुद्धता की ओर अवश्य ध्यान दें। प्रो.राव ने कहा कि शिक्षा के साथ युवाओं के अंदर धार्मिक सहिष्णुता एवं सद्भाव का होना आवश्यक है। मनुष्य के अंदर विद्यमान नैतिक गुण ही उसका गौरव है। आदर्श राष्ट्र की स्थापना के लिए हम सभी को सभ्य सुसंस्कृत एवं नैतिक गुणों से पूर्ण होना होगा।

कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह ने अतिथियों का स्वागत तथा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और कहा कि इसी सत्र से कर्मचारियों के हित संरक्षण के लिए कर्मचारी कल्याण कोष की स्थापना की गयी है। कहा कि भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनोपयोगी योजनाओं के प्रति जागरूकता अभियान से सम्बन्धित कई पाठ्यक्रम यथा एकात्म भाववाद अंत्योदय, स्वच्छ भारत, कुम्भ एवं सुशासन पर जागरूकता पाठ्यक्रम शुरू किये गये हैं। इस अवसर पर राज्यपाल श्री नाईक ने सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 17 स्वर्ण पदक प्रदान किये। दीक्षान्त समारोह में सत्र दिसम्बर 2017 तथा जून 2018 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण लगभग 21 हजार शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की गयी, जिनमें छात्रों की संख्या 11173 तथा छात्राओं की संख्या 9655 रही। राज्यपाल ने कुलाधिपति स्वर्ण पदक जांसी क्षेत्रीय केन्द्र के अध्ययन केन्द्र फुन्दी सिंह लौना राजकीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय जालौन की छात्रा अंजली भदौरिया को प्रदान किया। श्री नाईक को विश्वविद्यालय की तरफ से कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने केरल के बाढ़ पीड़ितों के लिए इकट्ठा की गयी 1 लाख 43 हजार रुपए धनराशि का चेक प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष हेतु सौंपा। राज्यपाल ने विश्राम कक्ष का शिलान्यास भी किया। समारोह का संचालन डा.विनोद कुमार गुप्त तथा डा. श्रुति ने किया। इस अवसर पर विधायक हर्षवर्द्धन बाजपेयी, विक्रमाजीत मौर्य, लाल बहादुर, अजय सिंह, विधायक हरैया बस्ती, लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.एस.पी सिंह, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.राजेन्द्र प्रसाद, न्यायमूर्ति सुधीर नारायण, महामहोपाध्याय प्रो.राजेन्द्र मिश्र पूर्व कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी, प्रो. के.बी पाण्डेय पूर्व कुलपति नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय इलाहाबाद, प्रो.हरिदत्त शर्मा, प्रो. ए.एन द्विवेदी, प्रो. बी.एन सिंह, डा.सुनीता सिंह, आदि उपस्थित रहे।

वर्ष 6 अंक 19
Pages 12
Allahabad, Wednesday
19 September 2018
ALLAHABAD EDITION
Within Allahabad City- ₹ 2/-
Outside Allahabad City.- ₹ 3/-
www.inextlive.com

दैनिक जागरण

Published from **ALLAHABAD** • Agra • Bareilly • Dehradun • Gorakhpur • Jamshedpur • Kanpur • Lucknow • Meerut • Patna • Ranchi • Varanasi

हांगकांग के खिलाफ धवन का धमाका } 09

पांच साल की उम्र से अस्थमा से जूझ रही हैं प्रियंका } 07

facebook.com/inextlive youtube.com/inextlive twitter.com/inextlive

inext

सोना ₹31,610 प्रति दस ग्राम ▲ ₹10

WEATHER Max : 34.6° C Min : 25.9° C Sunset : 6.03 pm Sunrise : 5.50 am

किसान की बेटी को मिला चांसलर गोल्ड मेडल

पायनियर
लखनऊ, बुधवार, 19 सितंबर, 2018

छात्रों पर है सुसंस्कृत समाज के निर्माण की जिम्मेदारीः प्रो. राव

मनीष द्विवेदी। इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय का 13 वां दीक्षान्त समारोह मंगलवार को सरस्वती परिसर स्थित पंडित मदन मोहन मालवीय दीक्षान्त समारोह स्थल पर आयोजित हुआ। दीक्षान्त समारोह में विभिन्न शिक्षार्थियों को पदक और उपाधियां प्रदान की गयीं। राज्यपाल राम नाईक ने विभिन्न विद्या शाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 17 स्वर्ण पदक, सत्र दिसम्बर 2017 तथा जून 2018 की परीक्षा में उत्तीर्ण 21 हजार शिक्षार्थियों को उपाधियां प्रदान कीं। अध्यक्षता कर रहे राज्यपाल एवं कुलाधिपति राम नाईक ने कहा कि भारत के विकास के लिए आवश्यक है कि यहां का प्रत्येक नागरिक अत्याधुनिक ज्ञान विज्ञान युगानुकूल शिक्षा ग्रहण करें। बदलती दुनिया में आगे बढ़ने के लिये कड़ी प्रतिस्पर्धा है। आगे बढ़ने के लिये कड़ी मेहनत के साथ साथ प्रमाणिकता और पारदर्शिता जरूरी है। आत्मपरीक्षण करने से अपनी कमियां सामने आयेंगी और सफलता कदम चूमेगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा की गाड़ी धीरे धीरे अब पटरी पर आ रही है। नकल विहीन परीक्षाएं सभी विश्वविद्यालयों में संचालित की जा रही हैं। उन्होंने दीक्षान्त समारोह में महिला अभ्यर्थियों को दिये गये पदकों की संख्या पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि महिलाओं में शिक्षा का बढ़ता प्रभाव भविष्य के लिए शुभ संकेत है। राज्यपाल ने कहा कि भारत की शिक्षित युवा पीढ़ी का अधिकांश भाग भौतिकवादी पाश्चात संस्कृति की चकाचौंध से चौंधियाया हुआ है एवं वास्तविक स्वरूप पर आवरण है। ऐसी स्थिति में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की डोर कमजोर होती जा रही है।

मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय नई दिल्ली के कुलपति प्रो. नागेश्वर राव ने दीक्षान्त भाषण देते हुए कहा कि शिक्षा मनुष्य के मानवीय गुणों तथा व्यक्तित्व विकास का एक सशक्त माध्यम है। शिक्षा का उद्देश्य संकीर्णताओं, रूढ़ियों तथा अंधविश्वास को दूर कर हृदय के अंतःस्थल में मानव मूल्यों का

किया जा सकता है। आज के विद्यार्थियों के कंधों पर ही सभ्य सुसंस्कृत समाज के निर्माण का दायित्व है। कहा कि शिक्षार्थी ऐसी शिक्षा ग्रहण करें, जो उन्हें विश्व बन्धुत्व का पाठ पढ़ाए। उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों से कहा कि मात्र औपचारिक शिक्षा ग्रहण करने के स्थान पर वे अपने अंतःस्थल को ज्ञान से प्रकाशित करने का प्रयास करें तथा अपने आचरण की शुद्धता की ओर अवश्य ध्यान दें। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अपने सामाजिक दायित्व का भली भांति निर्वाह कर रहा है। विश्वविद्यालय का लक्ष्य है कि छात्र छात्राओं की कुशलता को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विकसित कर सकें। राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर सकें। उन्होंने कहा कि दीक्षान्त समारोह के अवसर पर पहली बार दीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यान माला के आयोजन से शैक्षिक वातावरण के सृजन के साथ साथ गुणवत्ता संवर्धन भी सम्भव हो पाया है इस अवसर पर राज्यपाल राम नाईक ने विश्राम कक्ष का शिलान्यास किया। विश्वविद्यालय कुलगीत एवं राष्ट्रगीत विश्वविद्यालय की छात्राओं ने

मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. नागेश्वर राव को स्मृति चिन्ह भेंट करते राज्यपाल एवं कुलपति

- सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की डोर होती जा रही कमजोरः राम नाईक
- सामाजिक दायित्व का निर्वाह कर रहा मुविविः प्रो. केएन सिंह
- यूपी राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का 13वां दीक्षांत समारोह

प्रज्वलन कर दीक्षान्त समारोह का शुभारंभ किया। कुलपति प्रो. के एन सिंह ने राज्यपाल राम नाईक तथा मुख्य अतिथि प्रो. नागेश्वर राव को स्मृति चिन्ह तथा अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया। दीक्षान्त समारोह का संचालन डा. विनोद कुमार गुप्त तथा डा. रुति ने संयुक्त रूप से किया। समारोह में विधायक इंजीनियर हर्षवर्द्धन बाजपेयी, विधायक, विधायक विक्रमाजीत मौर्य, विधायक लाल बहादुर, विधायक अजय सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस पी

ऐतिहासिक होगा प्रयाग का कुंभः राज्यपाल

इलाहाबाद। यूपीआरटीओयू के दीक्षान्त समारोह में बतौर अध्यक्ष शामिल होने आए प्रदेश के राज्यपाल राम नाईक ने वर्ष 2019 में प्रयाग क्षेत्र में आयोजित होने वाले कुम्भ की एतिहासिकता का जिक्र दीक्षान्त समारोह में किया। उन्होंने कहा कि देश विदेश से आने वाले 12 करोड़ श्रद्धालुओं की मेजबानी के लिए राजर्षि टण्डन जैसे मनीषी के नाम पर स्थापित इस मुक्त विश्वविद्यालय की अहम भूमिका रहेगी। उन्होंने कहा कि बार का कुंभ लोगों के लिए बहुत ही विशेष है। मेले में करोड़ों की संख्या में लोग शामिल होंगे। साथ ही उन्होंने दीक्षान्त समारोह के कलेण्डर की भी चर्चा की। कहा कि 84 दिनों का कलेण्डर तैयार किया गया है। जिसके तहत 24 अगस्त से 15 नवम्बर 2018 तक प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में दीक्षान्त समारोह करा लिये जायेंगे।

अंजलि को कुलाधिपति स्वर्ण व पांच को दानदाता पदक

इलाहाबाद। राज्यपाल राम नाईक ने कुलाधिपति स्वर्ण पदक झांसी क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र फुन्दी सिंह लौना राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जालौन की छात्रा अंजली भदौरिया को प्रदान किया। राज्यपाल नाईक ने पांच मेधावी शिक्षार्थियों को दानदाता स्वर्णपदक से सम्मानित किया। जिनमें एमबीए की छात्रा सलिला तिवारी, बीए की छात्रा शारदा कुमारी, आराधना चौबे, छात्र अजय कुमार एवं एमए अंग्रेजी की छात्रा अर्चना दुबे शामिल थे।

कुलपति ने राज्यपाल को सौंपा केरल पीड़ितों का चेक

इलाहाबाद। राज्यपाल राम नाईक को विश्वविद्यालय की तरफसे कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने केरल बाढ़ पीड़ितों के लिए इकट्ठा की गयी एक लाख 43 हजार रूपये धनराशि का चेक प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष के लिये सौंपा। जिसे राज्यपाल श्री नाईक ने मानवता के लिए एक मिसाल बताते हुए विश्वविद्यालय के इस प्रयास की सराहना की।

कुलपति प्रो. राव ने पुरानी यादों को किया साझा

इलाहाबाद। यूपीआरटीओयू के दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने आए इग्नू के कुलपति प्रो. नागेश्वर राव ने तमाम अतिथियों के बीच अपनी पुरानी यादों को साझा किया। बता दें कि कुलपति प्रो. राव पूर्व में मुविवि के कुलपति रह चुके हैं। कहा कि शिक्षा के साथ युवाओं के अंदर धार्मिक सहिष्णुता एवं सद्भाव का होना आवश्यक है। मनुष्य के अंदर विद्यमान नैतिक गुण ही उसका गौरव है। उन्होंने कहा कि आदर्श राष्ट्र की स्थापना के लिए हम सभी को सभ्य सुसंस्कृत एवं नैतिक गुणों से पूर्ण होना होगा। उच्च शिक्षा के द्वारा ही स्वतंत्र चिन्तन का विकास होता है जो भविष्य में उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है। प्रो. राव ने योग शिक्षा की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि वे योग विद्या अर्जित कर अपने शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को और मजबूत बनायें। शारीरिक स्वास्थ्य भी शिक्षा का एक

روزنامہ راشٹریہ سہارا
ROZNAMA RASHTRIYA SAHARA LUCKNOW

کامیابی کے لیے سخت محنت کی ضرورت: رام نائک

अमर उजाला

इलाहाबाद

amarujala.com | रक्षा सौदा | 9100 करोड़ के उपकरणों की खरीद को मंजूरी...13 | उत्तर प्रदेश

अमर उजाला | इलाहाबाद | युवा Youth | amarujala.com

मुविवि के 21 हजार शिक्षार्थियों को मिलीं उपाधियां

जालौन की अंजलि को मिला कुलाधिपति स्वर्ण पदक, 17 मेधावी छात्र-छात्राओं को भी दिए गए गोल्ड मेडल

उच्च शिक्षा में आगे निकलीं बेटियां

हर्ष फायरिंग ने छीन लीं टॉपर अर्चना की आंखें

किसान की बेटी को मिला कुलाधिपति स्वर्ण पदक

बुधवार,19 सितंबर, 2018

पिछले अंक

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

www.livehindustan.com

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के 13वें दीक्षांत समारोह में बोले राज्यपाल, 15 मेधावी विद्यार्थियों को दिए गए 17 स्वर्ण पदक

उच्च शिक्षा में लड़कों से आगे हैं लड़कियां: नाईक

संबोधन

इलाहाबाद | प्रमुख संवाददाता

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते राज्यपाल राम नाईक।

यूपी में उच्च शिक्षा की गाड़ी अब पटरी पर

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के 13वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल राम नाईक के साथ स्वर्ण पदक से नवाजे गए छात्र-छात्राएं।

कुम्भ मेला में मदद करे विश्वविद्यालय

झलकियां

इन्हें मिले स्वर्ण पदक

परास्नातक

स्नातक

दानदाता स्वर्ण पदक

पीएचडी करना चाहती हैं अंजली

इलाहाबाद | प्रमुख संवाददाता

आंख गंवाने वाली अर्चना को मेडल

इलाहाबाद | प्रमुख संवाददाता

इलाहाबाद न्यूज

युनाइटेड भारत 19 सितम्बर, 2018

उच्च शिक्षा की गाड़ी अब पटरी पर : राज्यपाल

- सुसंस्कृत समाज के निर्माण का दायित्व छात्रों पर : प्रो. राव
- सामाजिक दायित्व का निर्वाह कर रहा मुविवि : कुलपति

दीक्षान्त समारोह में संबोधित करते राज्यपाल

इलाहाबाद, १८ सितम्बर। भारत के विकास के लिये आवश्यक है कि यहां का प्रत्येक नागरिक अत्याधुनिक ज्ञान-विज्ञान युगानुकूल शिक्षा ग्रहण करे। बदलती दुनिया में आगे बढ़ने के लिये कड़ी प्रतिस्पर्धा है। आगे बढ़ने के लिये कड़ी मेहनत के साथ-साथ प्रमाणिकता और पारदर्शिता आवश्यक है। शार्टकट से आगे बढ़ने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। आत्मपरीक्षण करने से अपनी कमियां सामने आयेंगी और सफलता चरण चूमेगी। उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा की गाड़ी अब पटरी पर आयी है।

उक्त बातें उ.प्र. के राज्यपाल एवं मुक्त विवि के कुलाधिपति राम नाईक ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के १३वें दीक्षान्त समारोह में कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कही। उन्होंने कहा कि दीक्षान्त समारोह का कलेण्डर ८४ दिनों का तैयार किया गया है जिसके अन्तर्गत २४ अगस्त से १५ नवम्बर २०१८ तक प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में दीक्षान्त समारोह करा लिये जायेंगे। उन्होंने दीक्षान्त समारोह में महिला अभ्यर्थियों को दिये गये पदकों की संख्या पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि महिलाओं में शिक्षा का बढ़ता प्रभाव भविष्य के लिए एक शुभ संकेत है। उन्होंने कहा कि नैतिक मूल्यों के सृजन के साथ समाज और राष्ट्र के प्रति सहज निष्ठा एवं श्रद्धा का भाव रखकर भारतीय जीवन दर्शन का अनुगामी बनना होगा। भारत को विश्व गुरू का गौरव प्राप्त रहा है। विश्व बन्धुत्व की भावना का संदेश आज पुनः पूरे देश में फैलाने की आवश्यकता है।

राज्यपाल श्री नाईक ने कहा कि भारत की शिक्षित युवा पीढ़ी का अधिकांश भाग भौतिकवादी पाश्चात्य संस्कृति की चकाचौंध में है एवं वास्तविक स्वरूप पर आवरण है। ऐसी स्थिति में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की डोर कमजोर होती जा रही है। गांव और शहरों का अन्तर बढ़ता जा रहा है। जिस कारण विकास का असन्तुलित दृश्य परिलक्षित होता है। इसका कारण शिक्षा व्यवस्था से मूल्य आधारित शिक्षा का दूर होना है। उन्होंने प्रयाग में लगने वाले कुम्भ की प्रतिष्ठिकता का जिक्र करते हुए कहा कि देश विदेश से आने वाले १२ करोड़ श्रद्धालुओं की मेजबानी के लिए राजर्षि टण्डन जैसे मनीषी के नाम पर स्थापित इस मुक्त विश्वविद्यालय की अहम भूमिका रहेगी। मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति प्रो.नागेश्वर राव ने कहा कि शिक्षा मनुष्य के सर्वांगीण गुणों तथा व्यक्तित्व विकास का एक सशक्त माध्यम है। शिक्षा का उद्देश्य संकीर्णताओं, रूढ़ियों तथा अंधविश्वास को दूर कर हृदय के अंतःस्थल में मानव मूल्यों का बीजारोपण करना है। प्रो. राव ने कहा कि शिक्षा द्वारा ही संकीर्णताओं व रूढ़िवादिता को नष्ट कर एक सुसंस्कृत एवं सभ्य समाज का निर्माण किया जा सकता है। आज के विद्यार्थियों के कंधे पर ही सभ्य सुसंस्कृत समाज के निर्माण का दायित्व है।

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

स्वतंत्र चेतना

उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व नई दिल्ली से प्रकाशित

1991-2018 28वां रजत जयंती वर्ष

इलाहाबाद, वर्ष 28
अंक 18 बुधवार
19 सितम्बर , 2018

पृष्ठ 12 ₹ 2.00

www.swatantrachetnanews.com

गोरखपुर, लखनऊ, इलाहाबाद, नई दिल्ली, हरिद्वार, कानपुर, वाराणसी, फैजाबाद व आजमगढ़ से प्रकाशित

रेलवे स्टेशन के बाद रेलवे अस्पतालों में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

गोल्ड मेडल व उपाधियों से सम्मानित हुए मेधावी छात्र-छात्राएं

इलाहाबाद। उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद का 13वां दीक्षांत समारोह 18 सितम्बर मंगलवार को प्रातः दस बजे राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के महामना पंडित मदन मोहन मालवीय दीक्षांत समारोह प्रांगण सरस्वती परिसर फाफामऊ इलाहाबाद में आयोजित हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि इंदिरा ... कुलाधिपति स्वर्ण पदक जोकि क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र फुन्दी सिंह लोधा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जालौन की छात्रा अंजली भदौरिया को प्रदान किया। अंजली ने पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक (बी.एल.आई.एस.) की परीक्षा सत्र ... पदक जनता डिग्री कालेज, अपराहा (बड़ौत) इलाहाबाद अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम०ए० (अर्थशास्त्र) के छात्र संतोष कुमार सिंह को, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक कालीचरण डिग्री कालेज, लखनऊ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम०ए० ... सिधारी, आजमगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम०बी०ए० के छात्र धर्मेन्द्र यादव को, शिक्षा विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक हीरालाल यादव बालिका डिग्री कालेज, लखनऊ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम०ए० (शिक्षाशास्त्र) की छात्रा रीता शाक्य को तथा विज्ञान विद्याशाखा ... वाराणसी अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत बी०सी०ए० के छात्र आशीष कुमार वर्मा को तथा विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक सरदार पटेल स्मारक महाविद्यालय लारपुर अम्बेडकरनगर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत बी०एस०सी० के छात्र रजीउल्लाह को प्रदान किया। उन्होंने

राष्ट्रीय सहारा

सूबे में उच्चशिक्षा की गाड़ी अब पटरी पर : राम नाईक

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

इलाहाबाद।

[illegible]

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विवि का दीक्षान्त समारोह

[illegible]

17 को गोल्ड मेडल, 21 हजार को उपाधि

[illegible]

the pioneer
www.dailypioneer.com

13TH CONVOCATION OF UPRTOU

Increase in girls' education ratio is a good sign: Naik

PIONEER NEWS SERVICE ■ ALLAHABAD

Increase in the ratio of girls' education was a good sign for higher education, the Uttar Pradesh Governor, Ram Naik, said while presiding over the 13th convocation of the UP Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU) as its Chancellor on Tuesday. The convocation was organised at its Pt Madan Mohan Malaviya

convocation ground.

In his presidential address the Chancellor laid emphasis on the new philosophy of the university 'Jahan kam wahan hum' means 'bridging the gap' and 'Chalo jalayen deep wahan, jahan abhi bhi andhera hai' (show light to society and enlighten people with knowledge). He added that the value-based educational system was the need of the hour. Making society aware of the environment and the changes which were taking place, he congratulated the Vice-Chancellor for his efforts and said that under his able leadership the univer-

UP Governor Ram Naik, and the Vice-Chancellor of Indira Gandhi Open University, Prof N Rao, during the 13th convocation ceremony of the Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University at Phaphamau in Allahabad on Tuesday. *Pioneer*

tem in India was changing. The new technologies, models and theories should be incorporated in the curriculum so that students became aware of them, he added. Prof Rao added that Open and [illegible]

new programmes on Swachchh Bharat, Kumbh and good governance and many more would be introduced from this session. Exploring the vast value system the Vice-[illegible]

Humanities, Amar Nath Gupta (MA Sociology) School of Social Sciences, Deepaksh Agarwal, MCom, School Of Management Studies, Dharmendra Yadav (MCA), School Of Computer and Information Sciences, Reena Shakya (MA Education), School of Education, Shrishti Bhalla (MSc Biochemistry) School of Sciences, Anjalee Bhadauria (BLIS), School of Humanities, Sharda Kumari

(BA) School of Social Sciences, [illegible] (BCom), School of Management Studies, Ashish Kumar Verma (BCA), School of Computer and Information Sciences, Rasulllah (BSc), School of Sciences, were among the successful students who were given the University gold medal.

Sharda Kumari received the late Anil-Meena Chakravarty Memorial gold medal while Aradhana Choubey received the late Anil-Meena Chakravarty Memorial gold medal. [illegible] received the Kailashpati Nevatia Memorial Gold Medal. [illegible]

INCORPORATE NEW TECHNOLOGIES, MODELS AND THEORIES IN CURRICULUM, APPEALS GOVERNOR

Naik lauds girls' achievements in education

Times News Network

Allahabad: Governor Ram Naik said girls are outshining boys in the field of education and added it was a good sign that ratio of girl education was increasing in the country.

Speaking at the 13th convocation of UP Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU) here on Tuesday, Naik emphasised on the new philosophy of the university — '*Chalo jalaye deep waha, jaha abhi bhi andhera hai*' (show light to the society and enlighten with knowledge), and said value-based education system was the need of the hour.

He added that human resource plays a vital role in the development of a country.

Naik also congratulated UPRTOU vice-chancellor Prof KN Singh and hoped that under his able leadership, the university will achieve new heights.

Naik said that educational institutions, mainly universities, produce quality human resources through imparting education. Open universities play an appreciable role in this direction, he added. Chief guest Prof Nageshwar Rao, vice-chancellor of Indira Gandhi National Open University, said convocation is a historic and memorable event in the life of a student.

"Education is a primary medium to develop human values and personality development. Education system in India is changing, new technologies, models and theories are being developed which should be incorporated in curriculum, so that students are aware of these," he emphasised.

Prof Singh delivered the welcome address and presented the progress report of the university. Exploring the vast value system of the country, the vice-chancellor assured that the university will work in the direction of nation-building.

Nearly 21,000 students, including 6,511 under-graduates, 6,568 post-graduates, 4,092 PG diploma, 1,723 diploma, 1,908 certificate and 26 PhD students were awarded degrees this year.

Altogether 17 medals were given away to the students of various disciplines, out of which 6 medals were awarded to male students and 11 to female students.

Anjalee Bhadauria from Jalaun was given the Chancellor's Medal.

Pics: Anuj Khanna

Anjalee Bhadauria from Jalaun was given the Chancellor's Medal (top). 17 medals were given to students during the 13th convocation of UPRTOU in Allahabad on Tuesday

Univ source of new thoughts: Ram Naik

Times News Network

Varanasi: Highlighting the importance of universities, Governor Ram Naik said a university is the source of new thoughts and innovative approach.

Addressing the 40th convocation of Mahatma Gandhi Kashi Vidyapith on Tuesday, the Governor said that education is the backbone for the development of society and nation. For building a strong and developed country, education is most important in this age of science and globalization. It is obvious to make youngsters educated to feed high moral values into them and make them worthy for society.

As many as 47 girls received gold medals from the Governor. Nikita Pandey received Dr Vibhuti Narayan Singh Smriti Medal for gaining overall highest marks in masters. Two national players Suraj Yadav for Wushu and Kumari Sadhna Devi for Kick Boxing were also awarded on the occasion. A total of 95,826 under graduates and post graduates received their degree out which 39,781 were boys and 56,045 were girls.

Pics: Sanjay Gupta

47 girls received gold medals from the Governor Ram Naik at MGKV convocation in Varanasi on Tuesday

---

प्रदेश में उच्च शिक्षा की गाड़ी अब पटरी पर : राज्यपाल

कहा डिग्री धारकों में 50 फीसद छात्राओं का होना शुभ संकेत, नकल के कैंसर पर काबू पाने को बड़ी उपलब्धि बताया

सभ्य समाज के निर्माण का दायित्व युवाओं पर

facebook.com/amarujala twitter.com/amarujalanews amarujala.com/channels/downloads/

अमर उजाला

amarujala.com
वर्ष 22 • अंक 95 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 2.00 रुपये
इलाहाबाद | बुधवार | 19 सितंबर 2018

SELECT

भारत-पाकिस्तान के बीच एशिया कप में मैच आज

अपनी 'काशीबाई' का करिअर बचाएंगे भंसाली

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल के साथ फोटो खिचवाते गोल्ड मैडलिस्ट।

मुक्त विवि के 21 हजार शिक्षार्थियों को मिलीं उपाधियां

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के 13वें दीक्षांत समारोह में मंगलवार को जालौन की अंजलि भदौरिया को कुलाधिपति स्वर्ण पदक दिया गया। साथ ही 17 मेधावी छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक दिए गए और 21 हजार शिक्षार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राज्यपाल राम नाईक ने पदक वितरित किए। इससे पूर्व राज्यपाल राम नाईक, मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के कुलपति प्रो. नागेश्वर राव और मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने दीप प्रज्ज्वल कर समारोह का

उपाधियां देकर स्वयं हूं गौरान्वित: राज्यपाल

इलाहाबाद। उच्च शिक्षा में बेटियां तेजी से आगे बढ़ी हैं। उन्होंने लड़कों को काफी पीछे छोड़ दिया है। उत्तर प्रदेश के 26 विश्वविद्यालयों में 15 लाख 60

मुक्त विवि के दीक्षांत समारोह में पहुंचे राज्यपाल राम नाईक

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

....सच का आधार

वर्ष : 9 अंक : 171 इलाहाबाद, बुधवार 19 सितम्बर 2018 पृष्ठ 8 मूल्य : 1 रुपया

विविध :चुनावी नारों को हकीकत में बदलना ... | विचार :भारत में चिंताजनक होती महिला... | सिनेमा :आखिर अनिल कपूर ऐसा क्या खाते ...

प्रदेश में उच्च शिक्षा की गाड़ी अब पटरी परः राज्यपाल

इलाहाबाद। भारत के विकास के लिये आवश्यक है कि यहां का प्रत्येक नागरिक अत्याधुनिक ज्ञान-विज्ञान युगानुकूल शिक्षा ग्रहण करे। बदलती दुनिया में आगे बढ़ने के लिये कड़ी प्रतिस्पर्धा है। आगे बढ़ने के लिये कड़ी मेहनत के साथ-साथ प्रमाणिकता और पारदर्शिता आवश्यक है। शार्टकट से आगे बढ़ने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। आत्मपरीक्षण करने से अपनी कमियां सामने आयेंगी और सफलता चरण चूमेगी। उत्तर प्रदेश मे उच्च शिक्षा की गाड़ी अब पटरी पर आयी है। उक्त बातें उ.प्र के राज्यपाल एवं मुक्त विवि के कुलाधिपति राम नाईक ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के 13वें दीक्षान्त समारोह में कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कही। उन्होंने कहा कि दीक्षान्त समारोह का कलेण्डर 84 दिनों का तैयार किया गया है जिसके अन्तर्गत 24 अगस्त से 15 नवम्बर 2018 तक प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में दीक्षान्त समारोह करा लिये जायेंगे। उन्होंने दीक्षान्त समारोह में महिला अभ्यर्थियों को दिये गये पदकों की संख्या पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि महिलाओं में शिक्षा का बढ़ता प्रभाव भविष्य के लिए एक शुभ संकेत है। उन्होंने कहा कि नैतिक मूल्यों के सृजन के साथ समाज और राष्ट्र के प्रति सहज निष्ठा एवं श्रद्धा का भाव रखकर भारतीय जीवन दर्शन का अनुगामी बनना होगा। भारत को विश्व गुरु का गौरव प्राप्त रहा है। विश्व बन्धुत्व की भावना का संदेश आज पुनः पूरे देश में फैलाने की आवश्यकता है। राज्यपाल श्री नाईक ने कहा कि भारत की शिक्षित युवा पीढ़ी का अधिकांश भाग भौतिकवादी पाश्चात्य संस्कृति की चकाचौंध में है एवं वास्तविक स्वरूप पर आवरण है। ऐसी स्थिति में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की डोर कमजोर होती जा रही है। गांव और शहरों का अन्तर बढ़ता जा रहा है। जिस कारण विकास का असन्तुलित दृश्य परिलक्षित होता है। इसका कारण शिक्षा व्यवस्था से मूल्य आधारित शिक्षा का दूर होना है। उन्होंने प्रयाग में लगने वाले कुम्भ की एतिहासिकता का जिक्र करते हुए कहा कि देश विदेश से आने वाले 12 करोड़ श्रद्धालुओं की मेजबानी के लिए राजर्षि टण्डन जैसे मनीषी

...शेष पृष्ठ 7 पर

पृष्ठ एक का शेष

प्रदेश में उच्च शिक्षा की...

के नाम पर स्थापित इस मुक्त विश्वविद्यालय की अहम भूमिका रहेगी। मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति प्रो.नागेश्वर राव ने कहा कि शिक्षा मनुष्य के मानवीय गुणों तथा व्यक्तित्व विकास का एक सशक्त माध्यम है। शिक्षा का उद्देश्य संकीर्णताओं, रूढ़ियों तथा अंधविश्वास को दूर कर हृदय के अंतःस्थल में मानव मूल्यों का बीजारोपण करना है। प्रो. राव ने कहा कि शिक्षा द्वारा ही संकीर्णताओं व रूढ़िवादिता को नष्ट कर एक सुसंस्कृत एवं सभ्य समाज का निर्माण किया जा सकता है। आज के विद्यार्थियों के कंधों पर ही सभ्य सुसंस्कृत समाज के निर्माण का दायित्व है। प्रो. राव ने कहा कि शिक्षार्थी ऐसी शिक्षा ग्रहण करें जो उन्हें विश्व-बन्धुत्व का पाठ पढ़ाये तथा अपने आचरण की शुद्धता की ओर अवश्य ध्यान दें। प्रो. राव ने कहा कि शिक्षा के साथ युवाओं के अंदर धार्मिक सहिष्णुता एवं सद्भाव का होना आवश्यक है। मनुष्य के अंदर विद्यमान नैतिक गुण ही उसका गौरव है। आदर्श राष्ट्र की स्थापना के लिए हम सभी को सभ्य सुसंस्कृत एवं नैतिक गुणों से पूर्ण होना होगा। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने अतिथियों का स्वागत तथा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और कहा कि इसी सत्र से कर्मचारियों के हित संरक्षण के लिए कर्मचारी कल्याण कोष की स्थापना की गयी है। कहा कि भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार

संचालन डा.विनोद कुमार गुप्त तथा डा. श्रुति ने किया। इस अवसर पर विधायक हर्षवर्द्धन बाजपेयी, विक्रमाजीत मौर्य, लाल बहादुर, अजय सिंह, विधायक हर्षेया बस्ती, लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.एस.पी सिंह, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.राजेन्द्र प्रसाद, न्यायमूर्ति सुधीर नारायण, महामहोपाध्याय प्रो.राजेन्द्र मिश्र पूर्व कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी, प्रो. के.बी पाण्डेय पूर्व कुलपति नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय इलाहाबाद, प्रो.हरिदत्त शर्मा, प्रो. ए.एन द्विवेदी, प्रो. बी.एन सिंह, डा.सुनीता सिंह, आदि उपस्थित रहे।

व भ स उ उ ने

VOL. 10
NO. 220
MORNING
EDITION
ALLAHABAD

JUSTICE EXPRESS

THURSDAY, SEPTEMBER 20, 2018 PAGES 8

www.indiajustic@gmail.com

* City/Dak Edition Price Rs. 1.00
* Out of City Edition Price Rs. 1.00

Increase in Ratio of Girls education is good sign for higher education: Governor

ALLAHABAD: The 13th convocation of U.P. Rajarshi Tandon Open University was organized on Pt. Madan Mohan Malviya Convocation Ground of Saraswati campus of the university. The convocation was presided by the Chancellor of the university and Governor of Uttar Pradesh, Ram Naik. In his presidential address he emphasize on the new philosphy of university "Jaha Kam Waha Hum" means "bridiging gap" and "Chalo Jalaye deep waha , jaha abhi bhi andhera hai" i.e. show light to society and enlighten them with knowledge. He added that the value based educational system is the need of the present world.

Making society aware about the environment and the changes that are taken place. He congratulated the vice chancellor for his effort and hopes that in his able leadership the university will achieve new heights of glory. He added Human resource plays a vital role in the development of a country. Educational institutions

New technologies, models and theories were developed which should be incorporated in the curriculum, so that students are aware of these.

Prof. Roa added that ODL is emerging as a fast medium to educate each and every section of the society. Prof. Rao said student should try to learn the lesson of well being and treat all human beings equally. Ethics and human values are vital components for the youth. Today there is a big

assured that university will work in the direction of nation building.

Prof. Singh expressed that taking our social responsibility with sensitivity in education sector; we are implementing all the policies of centre and state government. We had organized the series of lecture before convocation to enhance and enrich our academic excellence.

Nearly 21000 students, including 6511 under

Studies, Dhamendra Yadav (M.C.A), School Of Computer and Information Sciences, Reena Shakya (M.A. Education), School of Education, Shristi Bhalla (M.Sc. Bio Chemistry) School Of Sciences, Anjalee Bhadauria (BLIS). School of Humanities, Sharda Kumari (B.A), School of Social Sciences, Ila rana (B.Com), School Of Managemet Studies, Ashish Kumar Verma (B.C.A), School of Computer and Information Sciences, Razi Ullah (B.Sc), School Of Sciences were among the successful students who were given University Gold Medal.

Sharda kumari received Late Anil-Meena Chakravarti Smirti Gold Medal, while Aradhana Chaubey received Late Anil-Meena Chakravarti Smirti Gold Medal, Ms. Salila tiwari, received Shri Kailashpat Nevetia Smiriti Gold Medal, Ajay kumar received Prof M.P.Dube Paryawaran / Gandhi Chintan Evam Shanti Adhayan Utkritata Swarn Padak & Archana Dubey received

सेंसेक्स में दर्ज की गई 169 अंक की गिरावट पेज-16

आतंकवाद से लड़ने के लिए वैश्विक सहमति जरूरी : नायडू पेज-17

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय बढ़ाने का फैसला पेज-14

नगर संस्करण

www.facebook.com/rashtriyasahara | https://twitter.com/SaharaRashtriya | www.rashtriyasahara.com

फिल्मों में वापसी के लिए तैयार हूं शिल्पा शेट्टी पेज-20

राष्ट्रीय सहारा

राष्ट्रीयता ■ कर्तव्य ■ समर्पण

लखनऊ

बृहस्पतिवार ● 20 सितम्बर ● 2018

पृष्ठ 20, मूल्य ₹ 3.00

सराफा लखनऊ सोना 31,660 | चांदी 38,000 | शेयर सेंसेक्स 37121.22 -169.45 | निफ्टी 11234.35 -44.55 | विनिमय दर ₹/$ 72.37 -0.61 | मौसम (लखनऊ) तापमान अधिकतम 34.7 | न्यूनतम 25.0

अपना प्रदेश

लखनऊ। बृहस्पतिवार ● 20 सितम्बर ● 2018

राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com |

उच्च शिक्षा में बढ़ी महिलाओं की भागीदारी

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

लखनऊ।

सूबे के 28 विश्वविद्यालयों में 11 विवि के दीक्षांत समारोह के बाद राजभवन ने जो आंकड़े जारी किये हैं, उनमें पदकों से लेकर उपाधियों तक में छात्राओं का दबदबा रहा है। राज्यपाल राम नाईक ने कहा कि प्रदेश की उच्च शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि मौजूदा शैक्षिक सत्र में 26 विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोह 84 दिनों में होने हैं, इनमें अभी तक 11 विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोह आयोजित हो चुके हैं। राज्यपाल ने बताया कि यह पहला अवसर है कि 18 सितम्बर को दो विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोह एक ही दिन में सम्पन्न हुए, जो अलग-अलग मण्डलों में स्थित है। उन्होंने कहा कि अब तक हुए दीक्षांत समारोह से यह

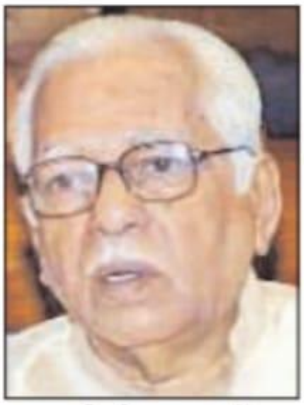

गत वर्ष की तुलना में चार फीसद बढ़ी महिलाओं की भागीदारी

राज्यपाल ने जारी किये

छात्राओं ने तथा 40 प्रतिशत पदक छात्रों ने अर्जित किये है।

शैक्षिक सत्र 2018-19 में मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय गोरखपुर, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू, अरबी-फारसी विश्वविद्यालय लखनऊ, पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान मथुरा, संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ, महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय बरेली, नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय फैजाबाद, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेरठ, डा. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

मुक्त चिंतन News Letter
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ
21 सितम्बर, 2018

दिनांक 21 सितम्बर, 2018 को दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर में युगद्रष्टा महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यानमाला के समापन सत्र का आयोजन किया गया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी रहे तथा अध्यक्षता शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो0 यू0पी0 सिंह जी ने की।

इससे पहले सात दिवसीय व्याख्यानमाला के पहले छह दिनों में आयोजित व्याख्यानों की संक्षिप्त रुपरेखा प्रस्तुति तथा संचालन का कार्य संयोजिका डॉ0 अर्चना सिंह ने किया। आभार ज्ञापन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने किया।

कार्यक्रम में डॉ0 भगवान सिंह, डॉ0 शशि प्रभा सिंह, डॉ0 रविन्द्र गंगवार, डॉ0 विवेक शाही, श्री धर्म चन्द्र विश्वकर्मा सहित महाविद्यालय के कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मंचासीन माननीय अतिथि

एवं

पुष्पगुच्छ प्रदान माननीय अतिथियों का स्वागत करते हुए महाविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ

egUr fnfXot;ukFk ds vkn'kksZa dks thou esa mrkjus dh t#jr& izks0 dkes'oj ukFk flag

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए मुख्य अतिथि माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने कहा कि महन्त दिग्विजयनाथ का आदर्श सशक्त भारत, समर्थ भारत और स्वाभिमानी भारत के निर्माण का था, जिसके लिए उन्होंने अध्यात्म का मार्ग चुना। उन्होंने हिन्दुत्व को केन्द्र बनाकर समतामूलक तथा समरसतामूलक समाज के निर्माण का प्रयास किया। राजनीति तो मात्र इनका साधन था। इनका यह विश्वास था कि शैक्षिक उत्थान के बिना राष्ट्र का उत्थान असंभव है। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना इसी विश्वास के साथ की गई थी। प्रो0 सिंह ने महन्त दिग्विजयनाथ के व्यक्तित्व–कृतित्व पर विस्तार से बात रखते हुए कहा कि महन्त जी का यह सिद्धान्त था कि महापुरुष अपने लिए बल्कि संम्पूर्ण मानवता के लिए जीता है तथा उनकी साधना सर्वसमाज के कल्याण के लिए होती है। प्रो0 सिंह ने कहा कि महन्त दिग्विजयनाथ के अध्यात्मिक और सांस्कृतिक विचारों का अनुसरण करना इनके प्रति सच्ची श्रद्धांजली होगी।

प्रो0 यू0पी0 सिंह

अध्यक्षीय उद्‌बोधन करते हुए प्रो0 यू0पी0 सिंह जी ने कहा कि महन्त दिग्विजयनाथ जी भगवान श्री राम तथा बुद्ध की परम्परा के युगपुरुष थे, क्योकि जब भगवान श्री राम को रावण का बध करना था तो उन्होंने राज सत्ता का त्याग कर वनवास का वरण किया।

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनको सम्मानित करते हुए महाविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

आभार ज्ञापन करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 शैलेन्द्र प्रताप सिंह

अमर उजाला गोरखपुर युवा Youth amarujala.com गोरखपुर | शनिवार, 22 सितंबर 2018

दिग्विजयनाथ ने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को आगे बढ़ाया

महंत दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यानमाला में बोले प्रो. केएन सिंह

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ ने हिंदुत्व को केंद्र बनाकर समतामूलक तथा समरसता मूलक समाज के निर्माण का प्रयास किया। राजनीति तो मात्र उनके लिए साधन था। उनका मानना था कि शैक्षिक उत्थान के बिना राष्ट्र का उत्थान असंभव है। इस लिए सर्वप्रथम महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का गठन कर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को आगे बढ़ाया।

प्रो. सिंह शुक्रवार को डीवीएन पीजी कॉलेज में महंत दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यानमाला के समापन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ का आदर्श सशक्त, समर्थ और स्वाभिमानी भारत के निर्माण का था, जिसके लिए उन्होंने अध्यात्म का मार्ग चुना। वह मानते थे कि विकास का प्रमुख आधार राष्ट्र की प्राण वायु हिंदुत्व ही है, जो धर्म नहीं, बल्कि आचार और विचार की एक संहिता है। अध्यक्षता कर रहे महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष तथा पूर्व कुलपति प्रो. यूपी सिंह ने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ श्रीराम तथा बुद्ध की परंपरा के युग पुरुष थे। उन्होंने राष्ट्रहित और लोककल्याण की भावना तथा राष्ट्र को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त कराने के लिए स्वयं को नाथ पंथ से जोड़ा। मूल्य परक शिक्षा को प्रोत्साहित किया, जिसमें राष्ट्रवाद तथा राष्ट्र हित की भावना सर्वोपरि थी। संचालन डॉ. अर्चना सिंह ने किया।

आभार ज्ञापन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेंद्र प्रताप सिंह ने किया। इस मौके पर डॉ. श्रीभगवान सिंह, डॉ. शशि प्रभा सिंह, डॉ. रवींद्र गंगवार, डॉ. विवेक शाही आदि मौजूद रहे।

व्याख्यानमाला में राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद के कुलपति प्रो. केएन सिंह, प्रो. यूपी सिंह, प्राचार्य डॉ. शैलेंद्र प्रताप सिंह मौजूद रहे।

दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज में व्याख्यान माला के समापन अवसर पर काफी संख्या में लोग मौजूद रहे। अमर उजाला

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

22 सितम्बर, 2018

दिनांक 22 सितम्बर, 2018 को राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के सरस्वती विद्या मंदिर महिला पी0जी0 कालेज, गोरखपुर स्थित अध्ययन केन्द्र पर प्रथम सत्र का शुभारम्भ कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी रहे तथा अध्यक्षता आर्थोपेडिक सर्जन व कालेज के प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष डॉ0 महेन्द्र कुमार अग्रवाल जी ने की।

इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा की, और बताया कि यह डिग्री सभी जगह मान्य होती है।

कार्यक्रम में माननीय अतिथियों का स्वागत संस्थान प्रमुख डॉ0 शिवजी ने किया। आभार ज्ञापन प्राचार्य डॉ0 रीना ने किया तथा संचालन समन्वयक डॉ0 ब्रजेश मणि ने किया।

कार्यक्रम में गणमान्य नागरिकों सहित महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मंचासीन माननीय अतिथि

एवं

दीप प्रज्ज्वलित कर

सरस्वती वन्दना प्रस्तुत करती हुई कालेज की छात्राएं

;qxkuqdwy n{krkiw.kZ f'k{kk miyC/k djkuk gekjh izkFkfedrk gS& izks0 dkes'oj ukFk flag

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 के0एन0 सिंह जी ने कहा कि शैक्षिक क्षेत्र में डिजिटल तकनीकी क्रान्ति के बाद मुक्त शिक्षा के विकास का भविष्य प्रशस्त होता जा रहा है एवं मुक्त शिक्षा ही भविष्य की शिक्षा है। प्रो0 सिंह ने कहा कि स्नातक एवं स्नातकोत्तर की पढाई के साथ–साथ किसी रोजगार परक शिक्षा में सर्टीफिकेट कोर्स, डिप्लोमा पाठ्यक्रम एवं पी0जी0 डिप्लोमा की पढाई का अवसर राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र प्रदान कर रहें हैं। जी0एस0टी0 एवं बिजनेस, वैदिक गणित, रिमोर्ट सेन्सिंग, साईबर लॉ, योग, डेरी, बागवानी आदि के पाठयक्रमों के माध्यम से युगानुकूल दक्षतापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना हमारी

प्राथमिकता है एवं इसके लिये अध्ययन केन्द्रों को सशक्त बनाने का प्रयास जारी है। देश एवं प्रदेश में समसामायिक समस्याओं एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के प्रति सक्रिय करने की दृष्टि से कुम्भ, उन्नयत भारत अभियान, स्वच्छ भारत अभियान, नमामि गंगे, अन्त्योदय एवं एकात्म मानववाद पर भी ''जागरूकता पाठ्यक्रम'' इस सत्र से लागू कर दिये गये हैं एवं इस रूप में राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय समाज एवं देश के प्रति अपने सामाजिक, सांस्कृतिक दायित्व का निर्वाह करने के लिए सचेष्ट है।

आभार ज्ञापन करती हुई

सरस्वती विद्या मंदिर महिला पी0जी0 कालेज की

प्राचार्य डॉ0 रीना

रविवार,23 सितंबर, 2018 पिछले अंक

रविवासरीय

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

ट्रंप का सख्त रुख

मालदीव में आपातकाल के बाद राष्ट्रपति चुनाव आज पेज 21 | कैप्टन कुक के जहाज के रहस्य से जल्द उठेगा पर्दा पेज 24

www.livehindustan.com

यूपीआरटीओयू के प्रथम सत्र का शुभारंभ

गोरखपुर। राजर्षि टंडन मुक्त विवि (यूपीआरटीओयू) के सरस्वती विद्या मंदिर महिला पीजी कॉलेज स्थित केन्द्र पर शनिवार को प्रथम सत्र का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि यूपीआरटीओयू के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने मुक्त विवि के पाठ्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा की। बताया कि यह डिग्री सभी जगह मान्य होती है। अध्यक्षता सर्जन व कॉलेज प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र कुमार अग्रवाल ने की। स्वागत संस्थान प्रमुख शिवजी सिंह ने किया। आभार ज्ञापन प्राचार्या डॉ. रीना ने किया। संचालन समन्वयक डॉ. ब्रजेश मणि ने किया।

अमर उजाला गोरखपुर amarujala.com

गोरखपुर | रविवार, 23 सितंबर 2018

यूपीआरटीओयू केंद्र शुरू

गोरखपुर। सरस्वती विद्या मंदिर स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में बने उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (यूपीआरटीओयू) के प्रथम सत्र 2018-19 का उद्घाटन शनिवार को मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. केएन सिंह ने किया। अध्यक्षता आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. महेंद्र कुमार अग्रवाल ने की।

मुक्त चिंतन News Letter

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

22 सितम्बर, 2018

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने दिनांक 22 सितम्बर, 2018 को विश्वविद्यालय के गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र का निरीक्षण किया। इस अवसर पर गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक श्री प्रवीण कुमार एवं कर्मचारियों ने माननीय कुलपति जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत किया।

माननीय कुलपति जी ने छात्र केन्द्रित व्यवस्था के अन्तर्गत शिक्षार्थियों की सुविधा का ध्यान रखने के लिए क्षेत्रीय निदेशक को निर्देशित किया कि शिक्षार्थियों के समस्याओं का निस्तारण तीव्र गति से किया जाय एवं इसके साथ ही प्रवेश प्रक्रिया को सभी अध्ययन केन्द्र तक प्रचारित एवं प्रसारित करने का भी निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान माननीय कुलपति जी ने क्षेत्रीय केन्द्र की कार्य प्रणाली पर संतोष व्यक्त किया।

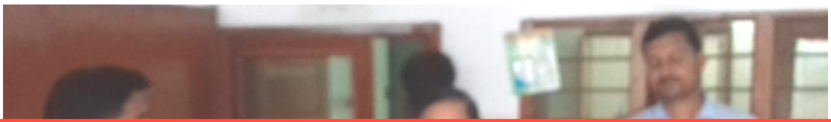

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक श्री प्रवीण कुमार एवं

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

24 सितम्बर, 2018

/zqo rkjs dh rjg fo|eku gSa iao nhu n;ky& izkso flag

iao nhu n;ky mik/;k; t;Urh dh iwoZ la?;k ij eqfofo esa gqvk O;k[;ku

दिनांक 24 सितम्बर, 2018 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में पं0 दीन दयाल उपाध्याय जयन्ती की पूर्व संध्या पर पं0 दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ एवं मानविकी विद्याशाखा के संयुक्त तत्वावधान में ''पं0 दीन दयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय न्यायमूर्ति श्री सुधीर नारायण जी ने की।

व्याख्यान का विषय प्रवर्तन पं0 दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ला तथा अतिथियों का स्वागत मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 आर0पी0एस0 यादव ने किया। व्याख्यान का संचालन डॉ0 साधना श्रीवास्तव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्त ने किया। इस अवसर पर सभी विद्याशाखाओं के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी आदि उपस्थित थे।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्‌घाटन करते हुए माननीय अतिथिगण।

याख्यान कार्यक्रम का संचालन करती हुई डॉ0 साधना श्रीवास्तव एवं मंचासीन माननीय अतिथि।

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं माननीय न्यायमूर्ति श्री सुधीर नारायण जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के शिक्षकगण।

अतिथियों का स्वागत करते हुए मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 आर0पी0एस0 यादव जी।

व्याख्यान के बारे बताते हुए पं0 दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ला जी।

माननीय न्यायमूर्ति श्री सुधीर नारायण जी
को अंगवस्त्र प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए
माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी
एवं
माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी
को अंगवस्त्र प्रदान करते हुए
माननीय न्यायमूर्ति श्री सुधीर नारायण जी
तथा सभागार में उपस्थित विश्वविद्यालय के सभी
विद्याशाखाओं के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी
एवं गणमान्य नागरिक।

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

सिंह ने व्याख्यान देते हुये कहा कि पं0 दीन दयाल उपाध्याय भारतीय राजनीतिक इतिहास में ध्रुवतारे की तरह हैं। आर्थिक चिंतन पर उन्होंने बहुत अधिक जोर दिया। जीवन की सच्चाई का बोध उन्हें अल्पायु में ही हो गया। पं0 उपाध्याय का मानना था मनुष्य चार तत्वों शरीर, मन, बुद्धि एवं आत्मा का समुच्चय है, यदि चारों का समुचित विकास नहीं होगा तो वह आदमी नहीं बन सकता। शरीर को आहार, मन को प्यार, बुद्धि को विचार तथा आत्मा को संस्कार की

आवश्यकता होती है। इसी विचारधारा को उन्होंने एकात्म मानववाद के रूप में परिभाषित किया। विश्व स्तर पर एकात्म मानववाद ही वैकल्पिक दर्शन है। मानव व प्रकृति के बीच में तादात्म स्थापित किया जा सकता है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि आत्मीयता के बिना समानता आ ही नहीं सकती । देश के किसी भी कोने में कोई घटना घटती है तो पीडा होती है। यही राष्ट्रीयता है। राष्ट्रीयता सजीव है, निर्जीव नहीं है। उन्होने कहा कि पं0 दीन दयाल उपाध्याय ने भारतीय चिन्तन को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने यह प्रतिपादित किया कि इस देश की समस्याओं का समाधान एकात्म मानववाद से ही सम्भव है। कृषि, शिक्षा, राजनीतिक तथा औद्योगिक व्यवस्था को एकात्म मानववाद के द्वारा ही सुगमता से व्यवस्थित किया जा सकता है। उन्होने कहा कि व्यक्ति का अस्तित्व राष्ट्र पर निर्भर है। व्यक्ति राष्ट्र से बडा नहीं हो सकता। व्यक्ति की पहचान देश से होती है। देशहित सर्वोपरि है। व्यक्ति तब तक सुरक्षित है, जब तक राष्ट्र सुरक्षित है।

माननीय न्यायमूर्ति श्री सुधीर नारायण

अध्यक्षीय उद्बोधन में माननीय न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने कहा कि पं0 दीन दयाल उपाध्याय चिंतन का प्रवाह हैं। उन्होंने लोकतंत्र के भारतीय स्वरूप को एकात्म मानववाद के स्वरूप में रेखांकित किया। वे राष्ट्रवादी चिन्तक थे। महात्मा गांधी, राम मनोहर लोहिया की तरह पं0 दीन दयाल उपाध्याय भी एक विचार है। उनका मानना था कि हमारी विचारधारा स्वतंत्र एवं राष्ट्र के हित में होनी चाहिए तथा भारतीयता से ओतप्रोत होनी चाहिए। उनकी यही विचारधारा आगे चलकर एकात्म मानववाद के रूप में प्रफुल्लित हुयी। अन्त्योदय पर भी पं0 दीन दयाल उपाध्याय का बहुत जोर था।

दैनिक जागरण

इलाहाबाद, मंगलवार
25 सितंबर 2018
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 5.00
पृष्ठ 16

www.jagran.com

उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

समुद्र में फंसे नौसेना कमांडर की बची जान 15

देश मजबूत नहीं हुआ तो कमजोर होगी जाति 9

जयंती पर विशेष

पं दीन दयाल उपाध्याय (फाइल फोटो)

हमेशा प्रासंगिक रहेगा पं. दीन दयाल उपाध्याय का चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती की पूर्व संध्या पर 'पं. दीन दयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। पं. दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ एवं मानविकी विद्या शाखा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि पं. उपाध्याय भारतीय राजनीतिक इतिहास में ध्रुवतारे की तरह हैं। न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने कहा कि पं. दीन दयाल चिंतन का प्रवाह हैं। महात्मा गांधी, लोहिया की तरह पं. दीन दयाल भी एक विचार है। व्याख्यान का विषय प्रवर्तन शोध पीठ के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ला तथा अतिथियों का स्वागत मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो. आरपीएस यादव ने किया।

जनसंदेश टाइम्स

परख सच की

इलाहाबाद, मंगलवार, 25 सितम्बर, 2018

मैथ्यूज की कप्तानी छिनी, चांडीमल को वनडे की भी कमान -13

मोदी सरकार के खिलाफ बोले शत्रुघ्न सिन्हा - 15

ध्रुव तारे की तरह विद्यमान हैं पं.दीनदयाल : प्रो सिंह

पं.दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती की पूर्व संन्ध्या पर मुविवि में हुआ व्याख्यान

जनसंदेश न्यूज

इलाहाबाद। पं.दीनदयाल उपाध्याय भारतीय राजनीतिक इतिहास में ध्रुव तारे की तरह हैं। आर्थिक चिंतन पर उन्होंने बहुत अधिक जोर दिया। जीवन की सच्चाई का बोध उन्हें अल्पायु में ही हो गया। उनका मानना था कि मनुष्य चार तत्वों शरीर, मन, बुद्धि एवं आत्मा का समुच्चय है, यदि चारों का समुचित विकास नहीं होगा तो वह आदमी नहीं बन सकता।

उक्त विचार उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में पं.दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती की पूर्व संन्ध्या पर पं.दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ एवं मानविकी विद्या शाखा के संयुक्त तत्वावधान में ह्वह्वपं.दीनदयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व एवं कृतित्वह्वह्व विषय पर व्याख्यान के दौरान बतौर मुख्य वक्ता मुक्त विवि के कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह ने व्यक्त किया। उन्होंने आगे कहा कि शरीर को आहार, मन को प्यार, बुद्धि को विचार तथा आत्मा को संस्कार की आवश्यकता होती है। इसी विचारधारा को उन्होंने एकात्म मानववाद के रूप में परिभाषित किया। विश्व स्तर पर एकात्म मानववाद ही वैकल्पिक दर्शन है। मानव व प्रकृति के बीच में तादात्म्य स्थापित किया जा सकता है। प्रो. सिंह ने कहा कि आत्मीयता के बिना समानता आ ही नहीं सकती। देश के किसी भी कोने में कोई घटना घटती है तो पीड़ा होती है। यही राष्ट्रीयता है। राष्ट्रीयता सजीव है, निर्जीव नहीं। उन्होंने कहा कि पं.दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय चिन्तन को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने यह प्रतिपादित किया कि इस देश की समस्याओं का समाधान एकात्म

संबोधित करते कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह

मानववाद से ही सम्भव है। कृषि, शिक्षा, राजनीतिक तथा औद्योगिक व्यवस्था को एकात्म मानववाद द्वारा ही सुगमता से व्यवस्थित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति का अस्तित्व राष्ट्र पर निर्भर है। व्यक्ति राष्ट्र से बड़ा नहीं हो सकता। व्यक्ति की पहचान देश से होती है। देशहित सर्वोपरि है। व्यक्ति तब तक सुरक्षित है, जब तक राष्ट्र सुरक्षित है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने कहा कि पं.दीनदयाल उपाध्याय चिंतन का प्रवाह हैं। उन्होंने लोकतंत्र के भारतीय स्वरूप को एकात्म मानववाद के स्वरूप में रेखांकित किया। वे राष्ट्रवादी चिन्तक थे। महात्मा गांधी, राम मनोहर लोहिया की तरह पं.दीनदयाल उपाध्याय भी एक विचार है। उनका मानना था कि हमारी विचारधारा स्वतंत्र एवं राष्ट्र के हित में होनी चाहिए तथा भारतीयता से ओतप्रोत होनी चाहिए। उनकी यही विचारधारा आगे चलकर एकात्म मानववाद के रूप में प्रफुल्लित हुयी। अन्त्योदय पर भी पं.दीनदयाल उपाध्याय का बहुत जोर था। व्याख्यान का विषय प्रवर्तन पं.दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक प्रो.गिरिजा शंकर शुक्ला तथा अतिथियों का स्वागत मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो. आरपीएस यादव ने किया। व्याख्यान का संचालन डा.साधना श्रीवास्तव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डा.अरूण कुमार गुप्त ने किया। इस अवसर पर सभी विद्याशाखाओं के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

को किया गया याद

इलाहाबाद। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में पंडित दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ एवं मानविकी विद्याशाखा की ओर से दीन दयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर व्याख्यान आयोजित किया गया।

बतौर मुख्य वक्ता कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय भारतीय राजनीतिक इतिहास में ध्रुवतारे की तरह हैं। आर्थिक चिंतन पर उन्होंने बहुत अधिक जोर दिया। जीवन की सच्चाई का बोध उन्हें अल्पायु में ही हो गया। अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने कहा कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय चिंतन का प्रवाह हैं। विषय प्रवर्तन पंडित दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ला तथा अतिथियों का स्वागत मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो. आरपीएस यादव ने किया।

राष्ट्रवादी चिंतक थे पंडित दीन दयाल उपाध्याय

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में पंडित दीन दयाल उपाध्याय जयंती की पूर्व संध्या पर सोमवार को 'पंडित दीन दयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि पंडित दीन दयाल भारतीय राजनीति इतिहास में ध्रुवतारे के समान हैं। जीवन की सच्चाई का बोध उन्हें अल्पायु में ही हो गया। अध्यक्षता करते हुए न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने कहा कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय चिंतन का प्रवाह हैं। उन्होंने लोकतंत्र के भारतीय स्वरूप को एकात्म मानववाद के रूप में रेखांकित किया। वे राष्ट्रवादी चिंतक थे। व्याख्यान का विषय प्रवर्तन पंडित दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकरर शुक्ला ए वं अतिथियों का स्वागत प्रो. आरपीएस यादव ने किया। संचालन डॉ. साधना श्रीवास्तव एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्त ने किया।

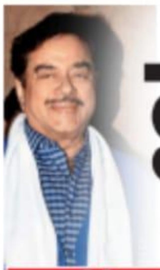

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

....सच का आधार

वर्ष : 9 अंक : 177 इलाहाबाद, मंगलवार 25 सितम्बर 2018 पृष्ठ 8 मूल्य : 1 रुपया

विविध :आर के सिन्हा ने साधा... | विचार : गरीबों पर ध्यान देती आयुष्मान... | सिनेमा :इमोशनल हुई फैन को मिला अनुष्का ...

ध्रुव तारे की तरह विद्यमान हैं पं.दीनदयाल : प्रो सिंह

इलाहाबाद। पं.दीनदयाल उपाध्याय भारतीय राजनीतिक इतिहास में ध्रुव तारे की तरह हैं। आर्थिक चिंतन पर उन्होंने बहुत अधिक जोर दिया। जीवन की सच्चाई का बोध उन्हें अल्पायु में ही हो गया। उनका मानना था कि मनुष्य चार तत्वों शरीर, मन, बुद्धि एवं आत्मा का समुच्चय है, यदि चारों का समुचित विकास नहीं होगा तो वह आदमी नहीं बन सकता।उक्त विचार उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में पं.दीनदयाल विषय पर व्याख्यान के दौरान बतौर मुख्य वक्ता मुक्त विवि के कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह ने व्यक्त किया। उन्होंने आगे कहा कि शरीर को आहार, मन को प्यार, बुद्धि को विचार तथा आत्मा को संस्कार की आवश्यकता होती है। इसी विचारधारा को उन्होंने एकात्म मानववाद के रूप में परिभाषित किया। विश्व स्तर पर एकात्म मानववाद ही वैकल्पिक दर्शन है। मानव व प्रकृति के बीच में तादात्म्य स्थापित किया जा सकता है। प्रो.

निर्जीव नहीं। उन्होंने कहा कि पं.दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय

एकात्म मानववाद से ही सम्भव है। कृषि, शिक्षा, राजनीतिक तथा

उन्होंने कहा कि व्यक्ति का अस्तित्व राष्ट्र पर निर्भर है। व्यक्ति राष्ट्र से बड़ा नहीं हो सकता। व्यक्ति की पहचान देश से होती है। देशहित सर्वोपरि है। व्यक्ति तब तक सुरक्षित है, जब तक राष्ट्र सुरक्षित है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने कहा कि पं.दीनदयाल उपाध्याय चिंतन का प्रवाह है। उन्होंने लोकतंत्र के भारतीय स्वरूप को एकात्म मानववाद के स्वरूप में रेखांकित किया। वे राष्ट्रवादी

के हित में होनी चाहिए तथा भारतीयता से ओतप्रोत होनी चाहिए। उनकी यही विचारधारा आगे चलकर एकात्म मानववाद के रूप में प्रफुल्लित हुयी। अन्त्योदय पर भी पं.दीनदयाल उपाध्याय का बहुत जोर था। व्याख्यान का विषय प्रवर्तन पं.दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक प्रो.गिरिजा शंकर शुक्ला तथा अतिथियों का स्वागत मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो. आरपीएस यादव ने किया। व्याख्यान का संचालन डा.साधना

मायावती-जोगी गठजोड़ से कांग्रेस को नुकसान : रमन पेज-12

ओडिशा में होना मेरे लिए हमेशा खास होता है। मैं ओडिशा के भाई-बहनों के प्यार से अभिभूत हूं।

—अमित शाह@AmitShah

पेट्रोल महंगा होने से बाजार में मुद्रा प्रसार की रफ्तार घटी पेज-14

www.facebook.com\rashtriyasahara https://twitter.com/SaharaRashtriya www.rashtriyasahara.com

राष्ट्रीय सहारा

राष्ट्रीयता कर्त्तव्य समर्पण

लखनऊ नई दिल्ली गोरखपुर पटना कानपुर देहरादून वाराणसी से प्रकाशित

लखनऊ

मंगलवार 25 सितम्बर 2018

पृष्ठ 18, मूल्य ₹ 3.50

ध्रुव तारे की तरह विद्यमान हैं पं. दीन दयाल

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

इलाहाबाद।

उप्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में पं. दीन दयाल उपाध्याय जयन्ती की पूर्व संध्या पर पं. दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ एवं मानविकी विद्याशाखा के संयुक्त तत्वावधान में 'पं. दीन दयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व' विषय

पं. दीन दयाल उपाध्याय जयन्ती की पूर्व संध्या पर राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में हुआ व्याख्यान

पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने व्याख्यान देते हुये कहा कि पं. दीन दयाल उपाध्याय भारतीय राजनीतिक इतिहास में ध्रुव तारे की तरह हैं। आर्थिक चिंतन पर उन्होंने बहुत अधिक जोर दिया।

उन्होंने कहा कि जीवन की सच्चाई का बोध उन्हें अल्पायु में ही हो गया। पं. उपाध्याय का

कार्यक्रम का उद्घाटन करते न्यायमूर्ति सुधीर नारायण और कुलपति प्रो. केएन सिंह। फोटो : एसएनबी

शरीर को आहार, मन को प्यार, बुद्धि को विचार तथा आत्मा को संस्कार की आवश्यकता होती है। इसी विचारधारा को उन्होंने एकात्म मानववाद के रूप में परिभाषित किया। विश्व स्तर पर एकात्म मानववाद ही वैकल्पिक दर्शन है। मानव व प्रकृति के बीच में तादात्म स्थापित किया जा सकता है।

राष्ट्रीयता है। राष्ट्रीयता सजीव है, निर्जीव नहीं है। उन्होने कहा कि पं. दीन दयाल उपाध्याय ने भारतीय चिन्तन को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने यह प्रतिपादित किया कि इस देश की समस्याओं का समाधान एकात्म मानववाद से ही सम्भव है। कृषि, शिक्षा, राजनीतिक तथा औद्योगिक व्यवस्था

राष्ट्र से बडा नहीं हो सकता। व्यक्ति की पहचान देश से होती है। देशहित सर्वोपरि है। व्यक्ति तब तक सुरक्षित है, जब तक राष्ट्र सुरक्षित है।

अध्यक्षीय उद्बोधन में न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने कहा कि पं. दीन दयाल उपाध्याय चिंतन का प्रवाह हैं। उन्होंने लोकतंत्र के भारतीय स्वरूप को एकात्म मानववाद के स्वरूप में रेखांकित किया। वे राष्ट्रवादी चिन्तक थे। महात्मा गांधी, राम मनोहर लोहिया की तरह पं. दीन दयाल उपाध्याय भी एक विचार है। उनका मानना था कि हमारी विचारधारा स्वतंत्र एवं राष्ट्र के हित में होनी चाहिए तथा भारतीयता से ओतप्रोत होनी चाहिए। उनकी यही विचारधारा आगे चलकर एकात्म मानववाद के रूप में प्रफुल्लित हुयी। अन्त्योदय पर भी पं. दीन दयाल उपाध्याय का बहुत जोर था।

व्याख्यान का विषय प्रवर्तन पं. दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ला तथा अतिथियों का स्वागत मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो. आरपीएस यादव ने किया। व्याख्यान का संचालन डॉ. साधना श्रीवास्तव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ.

आज

प्रकाश जावडेकर

देशमें १५ लाख कक्षाएं होंगी डिजिटल

निर्मला सीतारमण

राफेलपर कांग्रेसके झूठका होगा पर्दाफाश

इलाहाबाद, मंगलवार २५ सितम्बर २०१८ सौर ९ आश्विन सं २०७५ वि.

ध्रुव तारे की तरह विद्यमान हैं पं.दीनदयाल - प्रो सिंह

पं.दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती की पूर्व संध्या पर मुविवि में हुआ व्याख्यान

पं.दीनदयाल उपाध्याय भारतीय राजनीतिक इतिहास में ध्रुव तारे की तरह हैं। आर्थिक चिंतन पर उन्होंने बहुत अधिक जोर दिया। जीवन की सच्चाई का बोध उन्हें अल्पायु में ही हो गया। उनका मानना था कि मनुष्य चार तत्वों शरीर, मन, बुद्धि एवं आत्मा का समुच्चय है, यदि चारों का समुचित विकास नहीं होगा तो वह आदमी नहीं बन सकता।

उक्त विचार उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में पं.दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती की पूर्व संन्ध्या पर पं.दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ एवं मानविकी विद्या शाखा के संयुक्त तत्वावधान में "प्रं.दीनदयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व" विषय पर व्याख्यान के दौरान बतौर मुख्य वक्ता

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

29 सितम्बर, 2018

lkkB~~;dze ifjp; mi;ksfxrk o laHkkouk,a fo"k; ij dk;Z'kkyk

दिनांक 29 सितम्बर, 2018 को राम नगीना पी0जी0 कालेज, मुड़ियारी, गाजीपुर, समता पी0जी0 कालेज, सादात एवं कृष्ण सुदामा महाविद्यालय, मरदापुर के परिसर में उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के तत्वावधान में

राम नगीना पी0जी0 कालेज, मुड़ियारी, गाजीपुर में

lkkB~~;dze ifjp; mi;ksfxrk o laHkkouk,a fo"k; ij dk;Z'kkyk

सभागार में उपस्थित स्रोतागण।

राम नगीना पी0जी0 कालेज में आयोजित पाठ्यक्रम–परिचय कार्यक्रम में अचने विचार व्यक्त करते हुए मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रो0 आर0पी0एस0 यादव जी।

कृष्ण सुदामा महाविद्यालय, मरदापुर गाजीपुर में

IkkB~~;dze ifjp; mi;ksfxrk o laHkkouk,a fo"k; ij dk;Z'kkyk

कार्यक्रम का संचालन करते हुए केन्द्र समन्वयक तथा मंचासीन मा0 अतिथि

कृष्ण सुदामा महाविद्यालय में आयोजित पाठ्यक्रम–परिचय कार्यक्रम में अचने विचार व्यक्त करते हुए मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रो0 आर0पी0एस0 यादव जी।

सभागार ... मान्य नागरिक

दैनिक जागरण
वाराणसी, सोमवार
1 अक्टूबर 2018
नगर संस्करण*******
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 16
www.jagran.com

राजस्थान में ऑनर किलिंग, मां-बाप ने बेटी को जिंदा जलाया 13
ट्रंप बोले, किम और मुझे हो गया है प्यार 13

गाजीपुर जागरण
www.jagran.com
दैनिक जागरण

कार्यशाला में विद्यार्थियों को दी गई जानकारी

जासं, सादात (गाजीपुर): स्थानीय समता पीजी कालेज में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि इलाहाबाद की तरफ से शनिवार को पाठ्यक्रम परिचय कार्यशाला हुआ। विवि के निदेशक व प्रवेश प्रभारी डा. आरपीएस यादव ने कहा कि यह एकमात्र विश्वविद्यालय है जिसका कार्यक्षेत्र समूचा प्रदेश है। उन्होंने कहा कि किसी दूसरे विश्वविद्यालय के कोर्स के साथ ही राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का कोर्स घर बैठे पूरा कर सकते हैं। उन्होंने प्राचार्य डा. वीएस यादव व संरक्षक सभाजीत सिंह को द हार्ट फुलनेस वे पुस्तक भेंट किया। क्षेत्रीय समन्वयक डा. सीके सिंह ने छात्र-छात्राओं को राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कोर्स के बारे में बताया। इस मौके पर पूर्व प्राचार्य डा. चौथी सिंह यादव, डा. कमलेश यादव, डा. रणजीत सिंह, डा. सुरेन्द्र प्रताप सिंह यादव, डा. जयमोहन झा, प्यारेलाल यादव, ओमप्रकाश यादव आदि मौजूद थे। अध्यक्षता पूर्व प्राचार्य डा. राजदेव यादव व संचालन डा. पीयूष वर्मा ने किया। प्राचार्य डा. विंध्याचल सिंह यादव ने आभार ज्ञापित किया।

छात्रों के खाते में पहुंची छात्रवृत्ति : **जासं, गाजीपुर** : वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए 31 अगस्त तक आनलाइन आवेदन करने वाले दशमोत्तर कक्षाओं के छात्रों की छात्रवृत्ति उनके बचत खातों में प्रदेश मुख्यालय से अंतरित की जा चुकी हैं। साथ ही डीआइओएस व संबंधित विद्यालयों को इसकी सूची भी उपलब्ध करा दी गई है।

उत्तर प्रदेश और बिहार में बेहतर हुई बिजली की स्थिति पेज 12 | भारत की मुश्किलें घटाने में जुटा अमेरिका पेज 15

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

अमेरिका रवाना

बॉलीवुड अभिनेता ऋषि कपूर अपना इलाज कराने के लिए अमेरिका रवाना हुए हैं। पेज 16

सोमवार, 01 अक्तूबर 2018, वाराणसी, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, गाजीपुर www.livehindustan.com वर्ष 09, अंक 232, पेज 18, मूल्य ₹3.00, आश्विन, कृष्ण पक्ष, सप्तमी, विक्रम संवत 2075

प्रवेश प्रभारी ने छात्रों से किया संवाद

सादात | **हिन्दुस्तान संवाद**

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहबाद के प्रवेश प्रभारी डा. आरपीएस यादव एवं वाराणसी के क्षेत्रीय समन्वयक डा. सीके सिंह ने छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं सुनी। शिक्षा से जुडी समस्याओं का यथोचित निदान बताते हुए ओपन यूनिवर्सिटी की शिक्षा का लाभ लेने का आह्वान किया।

उप्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र समता पीजी कालेज एवं कृष्ण सुदामा पीजी कालेज में पाठ्यक्रम परिचय कार्यशाला आयोजित हुआ। डा. आरपीएस यादव ने छात्र-छात्राओं को प्रवेश, परीक्षा और पठन-पाठन में आने वाली कठिनाइयों के बारे में छात्रों के सवालों का जवाब दिया।

समता के प्राचार्य डा. वीएस यादव, संरक्षक सभाजीत सिंह, कृष्ण सुदामा के प्राचार्य डा. जयराम यादव, संरक्षक धर्मेन्द्र यादव को द हार्टफुलनेस-वे नामक पुस्तक भेंट किया। क्षेत्रीय समन्वयक डा. सीके सिंह, पूर्व प्राचार्य डा. राजदेव यादव, संचालक डा. पीयूष वर्मा, पूर्व प्राचार्य डा. चौथी सिंह यादव, डा. कमलेश यादव, डा. रणजीत सिंह, डा. सुरेन्द्र प्रताप सिंह यादव, संरक्षक धर्मेन्द्र यादव, मैनेजिंग आफिसर पवन यादव मौजूद रहे। अंत में प्राचार्यद्वय डा. विंध्याचल सिंह यादव एवं डा. जयराम यादव ने आभार ज्ञापित किया।